



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 52]
No. 52]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 23, 1972/पौष 2, 1894
NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 23, 1972/ PAUSA 2, 1894

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार में मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए
साधारण नियम जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं।

General Statutory Rules (including orders, by-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories).

NOTICE

Week ending 16th December, 1972.

The undermentioned Gazettes of India Extraordinary was/were published up to the 30th March, 1972.

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
77	G. S. R. 193(E), dt. 17th March, 1972 सांकांनि० 193(घ), दिनांक 17 मार्च, 1972	Min. of Finance वित्त मंत्रालय	Amendments in the notification No. 199/66-Central Excises, dt. 16th Dec. 1966. तारीख 16 दिसम्बर, 1966 की अधिसूचना सं० 199/66-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क में संशोधन करना।
78	GSR 194(E), dt. 17th March, 1972 सांकांनि० 194(घ), दिनांक 17 मार्च, 1972	Min. of Agriculture कृषि मंत्रालय	The Southern states (Regulation of Export of Rice) Amendment Order 1972. दक्षिण-राज्य (चावल निर्यात का विनियमन) संशोधन आदेश, 1972
79	GSR 195(E), dt. 17th March, 1972 सांकांनि० 195(घ), दिनांक 17 मार्च, 1972	Min. of Petroleum and Chemicals. पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय	The Kerosine (Fixation of ceiling prices) amendment order 1972. मिट्टी का तेल (अधिकतम कीमतों का नियमन), संशोधन आदेश, 1972।

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
80	GSR 196(E), dt. 18th March, 1972 सांकांनि० 196(घ), दिनांक 18 मार्च, 1972	Min. of Finance वित्त मंत्रालय	Exempting members of either House of Parliament from the tax leviable under the inland Air Travel Tax 1971 (48 of 1971) in respect of every inland air Journey performed by them under the provision of section 4 or section 5 of the salaries and allowances of members of Parliament Act, 1954 (30 of 1954). सदस्यों में से किसी भी सदन के सदस्यों को, संसद्-सदस्यों के सम्बलनों और भत्तों से सम्बन्धित अधिनियम 1954 (1954 का 30) की धारा 4 या 5 के उपबन्धों के अधीन उनके द्वारा की जाने वाली प्रत्येक अन्तर्देशीय हवाई यात्रा की बाबत अन्तर्देशीय हवाई यात्रा कर अधिनियम 1971 (1971 का 48) के अधीन उद्घोषणीय कर से छूट देना।
81	GSR 197(E), dt. 19th March, 1972 सांकांनि० 197(घ), दिनांक 19 मार्च, 1972	Min. of Home Affairs गृह मंत्रालय	President of India revoke the Proclamation in relation to the State of Bihar. भारत के राष्ट्रपति, बिहार राज्य के सम्बन्ध में की गई उद्घोषणा को प्रतिसंहृत करने हैं।
82	GSR 198(E), dt. 20th March, 1972 सांकांनि० 198(घ), दिनांक 20 मार्च, 1972	Do. तदैव	President of India revoke the Proclamation in relation to the State of Manipur. भारत के राष्ट्रपति मणिपुर राज्य के सम्बन्ध में की गई उद्घोषणा को प्रतिसंहृत करते हैं।
83	GSR 199(E), dt. 20th March, 1972 सांकांनि० 199(घ), दिनांक 20 मार्च, 1972	Do. तदैव	President of India revoke the proclamation in relation to the State of West Bengal. भारत के राष्ट्रपति, पश्चिमी बंगाल राज्य के सम्बन्ध में की गई उद्घोषणा को प्रतिसंहृत करने हैं।
84	GSR 200(E), dt. 20th March, 1972 सांकांनि० 200(घ), दिनांक 20 मार्च, 1972	Do. तदैव	President of India revoke the proclamation in relation to the State of Mysore. भारत के राष्ट्रपति, मैसूर राज्य के सम्बन्ध में की गई उद्घोषणा को प्रतिसंहृत करने हैं।
85	GSR 201(E), dt. 20th March, 1972 सांकांनि० 201(घ), दिनांक 20 मार्च, 1972	Do. तदैव	President of India revoke the proclamation in relation to the State of Tripura. भारत के राष्ट्रपति, त्रिपुरा राज्य के सम्बन्ध में की गई उद्घोषणा को प्रतिसंहृत करने हैं।
86	GSR 202(E), dt. 20th March, 1972 सांकांनि० 202(घ), दिनांक 20 मार्च, 1972	Do. तदैव	Appointing the 1st April, 1972 as the date of which the Registration of Births and Deaths Act, 1969 (18 of 1969) shall come into force in the whole of the State of Tripura. प्रथम अप्रैल 1972 ऐसी तारीख के रूप में नियत करना जिसको जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 (1969 का 18), त्रिपुरा के सम्पूर्ण राज्य क्षेत्र में प्रवृत्त होगा।
87	GSR 203(E), dt. 22nd March, 1972 GSR 204(E), dt. 22nd March, 1972	Min. of Works & Housing Do.	Amendment in the notification No. GSR 233, dt. 10th Feb., 1961. Amendment in the notification No. GSR 36, dt. 31st Dec., 1958.
88	GSR 205(E), dt. 22nd March, 1972 सांकांनि० 205(घ), दिनांक 22 मार्च, 1972 GSR 206(E), dt. 22nd March, 1972 सांकांनि० 206(घ), दिनांक 22 मार्च, 1972	Min. of Finance वित्त मंत्रालय Do. तदैव	Amendment in the notification 80/72-Central Excises, dt. 17th March, 1972. अधिसूचना सं० 80/72—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 17 मार्च 1972 में संशोधन करना। Amendment in the notification No. 83/72-Central Excises dt. 17th March, 1972. अधिसूचना सं० 83/72—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 17 मार्च 1972 में संशोधन करना।

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
	GSR 207(E), dt. 22nd March, 1972	Min. of Finance	Amendment in the notification No. 84/72-Central Excises, dt. 17th March, 1972.
	सांकांनि० 207(प्र), दिनांक 22 मार्च, 1972	तदेव	अधिसूचना सं० 84/72-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 17 मार्च 1972 में संशोधन करना।
89	GSR 208(E), dt. 24th March, 1972	Do.	Exempting certain classes of persons from the whole of the foreign travel tax leviable under sub-Section (i) of Section 45 of the Finance (No. 2) Act, 1971 (32 of 1971) in respect of every international journey, undertaken in the official capacity, by any person of such class.
	सांकांनि० 208(प्र), दिनांक 24 मार्च, 1972	तदेव	कुछ वर्ग के व्यक्तियों को ऐसे वर्ग के किसी व्यक्ति द्वारा, अपनी पथीय हैसियत में की गई प्रत्येक अन्तर्राष्ट्रीय यात्रा को बाधित बिना (सं० 2) अधिनियम 1971 (1971 का 32) की धारा 45 की उपधारा (i) के अधीन उद्ग्रहणीय समस्त विदेश यात्रा कर से एतद्वारा छूट देना।
90	GSR 209(E), dt. 25th March, 1972	Rajya Sabha Sectt.	Revised scales of pay for Rajya Sabha Sectt. (Recruitment and conditions of service Rules, 1957).
91	GSR 210(E), dt. 25th March, 1972	Min. of Law & Justice	The North-Eastern Areas (Reorganisation) (Mizoram) Adaptation of Laws Order, 1972.
	सांकांनि० 210(प्र), दिनांक 25 मार्च, 1972	विधि और न्याय मंत्रालय	पूर्वोत्तर क्षेत्र (पुनर्गठन) (मिज़ोरम) विधि अनुकूलिकरण आदेश, 1972।
92	GSR 211(E), dt. 25th March, 1972	Min. of Finance	Specifying certain excisable goods as excisable goods.
	सांकांनि० 211(प्र), दिनांक 25 मार्च, 1972	वित्त मंत्रालय	कुछ उत्पाद शुल्क योग्य माल को ऐसे उत्पाद-शुल्क माल के रूप में विनिर्दिष्ट करना।
93	GSR 212(E), dt. 26th March, 1972	Do.	Amendment in the notification No. 36/72-Central Excise, dt. 17th March, 1972.
	सांकांनि० 212(प्र), दिनांक 26 मार्च, 1972	तदेव	अधिसूचना सं० 36/72-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 17 मार्च, 1972 में संशोधन करना।
94	GSR 213(E)/Ess./Com./Sugar, dt. 28th March, 1972.	Min. of Agriculture	Delegation of powers to certain officers mentioned in the table therein under clause 15 of the sugar (control) order 1966.
	सांकांनि० 213(प्र), दिनांक 28 मार्च, 1972	कृषि मंत्रालय	सारणी में उल्लिखित कुछ अधिकारियों को शक्करा (नियंत्रण) आदेश, 1966 के खण्ड 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियां प्रदान करना।
95	GSR 214(E), dt. 28th March, 1972	Min. of Petroleum and Chemicals.	The Kerosine (Fixation of Ceiling prices) second amendment order 1972.
	सांकांनि० 214(प्र), दिनांक 28 मार्च, 1972	पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय	मिट्टी का तेल (अधिकतम कीमतों का नियंत्रण), द्वितीय संशोधन आदेश 1972।
96	GSR 215(E), dt. 30th March, 1972	Min. of Agriculture	The Fertiliser (Control) First Amendment Order, 1972.
	सांकांनि० 215(प्र), दिनांक 30 मार्च, 1972	कृषि मंत्रालय	उर्वरक (नियंत्रण) प्रथम संशोधन आदेश 1972
97	GSR 216(E), dt. 30th March, 1972	Do.	Fixing the maximum retail price per tonne at which the fertiliser specified in the schedule therein shall be sold to the tea, coffee or rubber plantations or to the cultivators.
	सांकांनि० 216(प्र), दिनांक 30 मार्च, 1972	तदेव	अनुसूची में विनिर्दिष्ट कीमत को प्रति टन अधिकतम फुटकर कीमत जिस पर प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट उर्वरक, चाय, कॉफी या रबर बागानों या खेतीहरो को बिक्रय किया जा सकेगा, नियत करना।
98	GSR 217(E), dt. 30th March, 1972	Min. of Finance	Amendment in notification No. 51-Customs dt. 26th March, 1968.
	सांकांनि० 217(प्र), दिनांक 30 मार्च, 1972	वित्त मंत्रालय	अधिसूचना सं० 51-सीमा शुल्क, तारीख 26 मार्च 1968 में संशोधन करना।

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
	GSR 218(E), dt. 30th March, 1972	Min. of Finance	Amendment in notification No. 32-Customs, dt. 31st March, 1971.
	सांकांनि० 218(अ), दिनांक 30 मार्च, 1972	वित्त मंत्रालय	अधिसूचना सं० 32-सीमा शुल्क, तारीख 31 मार्च 1971 में संशोधन करना।
99	GSR 219(E), dt. 30th March, 1972	Min. of Home Affairs	The States Reorganisation (Governors Allowances & Privileges) Amendment Order, 1972.
	सांकांनि० 219(अ), दिनांक 30 मार्च, 1972	गृह मंत्रालय	राज्य पुनर्गठन (राज्यपालों के भत्ते और विशेषाधिकार) संशोधन आदेश 1972।
100	GSR 220(E), dt. 30th March, 1972	Min. of Shipping and Transport.	Names of certain persons who have been elected as Trustees of the port of Madras.
	सांकांनि० 220(अ), दिनांक 30 मार्च, 1972	नौवहन और परिवहन मंत्रालय	कुछ व्यक्तियों के नाम जो मद्रास पत्तन के न्यासी निर्वाचित हुए हैं।
	GSR 221(E), dt. 30th March, 1972	Do.	Names of certain persons who have been elected as Trustees for the port of Kandla.
	सांकांनि० 221(अ), दिनांक 30 मार्च, 1972	तदैव	कुछ व्यक्तियों के नाम जो कांडला के पत्तन के लिए न्यासियों के रूप में निर्वाचित हुए।
	GSR 222(E), dt. 30th March, 1972	Do.	Names of certain persons who have been elected as Trustees for the port of Cochin.
	सांकांनि० 222(अ), दिनांक 30 मार्च, 1972	तदैव	कुछ व्यक्तियों के नाम जो कोचीन के पत्तन के लिए न्यासियों के रूप में निर्वाचित हुए।
	GSR 223(E), dt. 30th March, 1972	Do.	Names of certain persons who have been elected as Trustees for the port of Mormugao.
			कुछ व्यक्तियों के नाम जो मोरमुगाओ के पत्तन के लिए न्यासियों के रूप में निर्वाचित हुए हैं।
	GSR 224(E), dt. 30th March, 1972	Do.	Names of certain persons who have been elected as Commissioners for the port of Calcutta.
	सांकांनि० 224(अ), दिनांक 30 मार्च, 1972	तदैव	कुछ व्यक्तियों के नाम जो कलकत्ता के पत्तन के लिए आयुक्त निर्वाचित हुए हैं।
	GSR 225(E), dt. 30th March, 1972	Do.	Appointing Sh. G. S. Dhara Singh and Sh. M. K. Raghvan as Trustees representing labour on the Board of Trustees for the port of Cochin.
	सांकांनि० 225(अ), दिनांक 30 मार्च, 1972	तदैव	श्री जी० एस० धारा सिंह और श्री एम०के० राघवन को कोचीन पत्तन के न्यासियों के बोर्ड पर श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करने वाले न्यासी के रूप में नियुक्त करना।
	GSR 226(E), dt. 30th March, 1972	Do.	Appointing Sh. G. D. Bhadkamkar and Sh. K. A. Khan as Trustees representing labour on the Board of Trustees for the port of Mormugao.
	सांकांनि० 226(अ), दिनांक 30 मार्च, 1972	तदैव	श्री जी० डी० भडकामकर और श्री के० ए० खान को, मोरमुगाओ पत्तन के न्यासियों के बोर्ड पर श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करने वाले न्यासी के रूप में नियुक्त करना।
	GSR 227(E), dt. 30th March, 1972	Do.	Appointing Sh. Arunkant Shah and Sh. N. R. Ayachi as Trustees representing labour on the board of Trustees for the port of Kandla.
	सांकांनि० 227(अ), दिनांक 30 मार्च, 1972	तदैव	श्री अरुणकान्त शाह और श्री एन० धार० अयाची को कांडला पत्तन के न्यासियों के बोर्ड पर श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करने वाले न्यासी के रूप में नियुक्त करना।
	GSR 228(E), dt. 30th March, 1972	Do.	Appointing Sh. S. C. Anthoni Pillai and Sh. S. Krishnan as Trustees representing labour on the Board of Trustees for the port of Madras.
	सांकांनि० 228(अ), दिनांक 30 मार्च, 1972	तदैव	श्री एस० सी० अन्थोनी पिल्लै और श्री एस० कृष्णन् को मद्रास पत्तन के न्यासियों के बोर्ड पर श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करने वाले न्यासी के रूप में नियुक्त करना।

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel)

New Delhi, the 6th December, 1972

CORRIGENDUM

G.S.R. 1585.—In the Indian Statistical Service (Fourth Amendment) Rules, 1972, published with the notification of the Government of India in the Department of Personnel No. G.S.R. 968, dated the 31st July, 1972 in Part II, Section 3, sub-section (i), of the Gazette of India, dated the 12th August, 1972 at page 2086 in rule 2, for item (1), substitute the following namely:—

“(1) under the heading “GRADE II—JOINT DIRECTOR” against item 10 for the entries in columns 4, 5 and 6, the entries “1, 5, 6” shall respectively be substituted”.

[No. 11/5/72-Estt.(E)]

G.S.R. 1586.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and all other powers enabling him in that behalf, the President hereby makes the following rules further to amend the Indian Statistical Service Rules, 1961, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Statistical Service (Sixth Amendment) Rules, 1972.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In Schedule I to the Indian Statistical Service Rules, 1961 :

(1) under the heading “GRADE III—DEPUTY DIRECTOR”,

(a) against item 17, for the entries in columns (4), (5) and (6), the entries “2”, “6” and “8” shall respectively be substituted;

(b) against item 23 after sub-item (iii) and the entries relating thereto, the following sub-item and the entries shall be inserted, namely:—

(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
-----	-----	-----	-----	-----

“(iv) Ministry Proper (Research and Policy Division)	Senior Research Officer	—	1	1”
--	----------------------------	---	---	----

(2) under the heading “GRADE” IV—ASSISTANT DIRECTOR,

(a) against sub-item 2(ii) of item 3, for the entries in columns (4), (5) and (6) the entries “1, 2, 3” shall respectively be substituted;

(b) against item 22, after sub-item (ii) and the entries relating thereto, the following sub-item and the entries shall be inserted, namely:—

(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
-----	-----	-----	-----	-----

“(iii) Ministry proper (Bureau of Police Research Develop- ment)	Statistical Officer	—	1	1”
---	------------------------	---	---	----

[No. 11/5/72-Estt.(E)]

B. L. MATHURIA, Under Secy.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue & Insurance)

New Delhi, the 8th December, 1972

G.S.R. 1587.—In exercise of the powers conferred by clause (2) of article 77, read with clause (1) of article 299 of the Constitution, the President hereby makes the following rule further to amend the rules issued with the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. G.S.R. 448, dated the 16th March, 1966 as amended by the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. G.S.R. 1841, dated the 17th November, 1966, namely:—

In the said rules, after the word ‘Director’ in the two places where it occurs, the words ‘or Deputy Director’ shall be inserted.

[F.N. 66 (3)—INS. I/72—I]

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर, 1972

सं० का० नि० 1587.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 299 के खण्ड (1) के साथ पठित अनुच्छेद 77 के खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 1841, तारीख 17 नवम्बर, 1966 द्वारा यथा संशोधित, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 448, तारीख 16 मार्च, 1966 के साथ जारी किए गए नियमों में और संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थातः—

उक्त नियमों में जहाँ भी दो स्थानों पर ‘निदेशक’ शब्द आया है, उसके पश्चात् या उप-निदेशक’ शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे।

[का० सं० 66(3)—बीमा-1/72-1]

बी० एन० बागची, अधर सचिव

G.S.R. 1588.—In exercise of the powers conferred by clause (2) of article 77, read with clause (1) of article 299, of the Constitution, the President hereby makes the following rules, namely:—

All agreements and contracts mentioned hereunder and made in exercise of the executive powers of the Union shall be executed on behalf of the President and authenticated by the Director or the Deputy Director, Emergency Risks Insurance, Department of Revenue and Insurance, Ministry of Finance, namely:—

Settlement of claims under paragraph 19 of the Emergency Risks (Goods) Insurance Scheme framed under sub-section (1) of section 5 of the Emergency Risks (Goods) Insurance Act, 1971 (50 of 1971) and paragraphs 17 and 18 of the Emergency Risks (Undertakings) Insurance Scheme framed under sub-section (1) of section 3 of the Emergency Risks (Undertakings) Insurance Act, 1971 (51 of 1971), not exceeding ten thousand rupees in a single case, which are proved to the satisfaction of the Director or the Deputy Director, Emergency Risks Insurance, without reference to the Central Government unless there are principles involved including any questions of interpretation of law which are required to be considered by the Central Government.

[F.No.66(3)-Ins. I/72-II]

B. N. BAGCHI, Under Secy.

सा० का० नि० 1588.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 299 के खण्ड (1) के साथ पठित अनुच्छेद 77 के खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

इसके नीचे उल्लिखित और संघ की कार्यपालिका शक्तियों का प्रयोग करते हुए किए गए सभी करार और संविधान राष्ट्रपति की और से निष्पादिन और वित्त मंत्रालय के राजस्व और बीमा विभाग से आपात जोखिम बीमा के निदेशक या उप-निदेशक द्वारा अधिप्रमाणित की जाएंगी अर्थात् :-

आपात जोखिम (माल) बीमा अधिनियम, 1971 (1971 का 50) की धारा 5 की उपधारा (1) के अधीन विरचित आपात जोखिम (माल) बीमा स्कीम के पैरा 19 और आपात जोखिम (उपक्रम) बीमा अधिनियम, 1971 (1971 का 51) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विरचित आपात जोखिम (उपक्रम) बीमा स्कीम के पैरा 17 और 18 के अधीन ऐसे शर्तों का, जिनमें का कोई एक मामला दस हजार रुपये के अधिक का न हो और जिनके सम्बन्ध में आपात जोखिम बीमा के निदेशक या उप-निदेशक का समाधान हो गया हो, केन्द्रीय सरकार को निदिष्ट किए बिना निपटारा, जब तक कि उनमें कोई ऐसे सिद्धांत अन्तर्भूत न हो जिनके अन्तर्गत विधि के निर्वहन के ऐसे प्रश्न हों जिन पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाना अपेक्षित है।

[सं० 66(3)—बीमा 1/72-2]

जी० एन० बागची, प्रवर सचिव

New Delhi, the 23rd December, 1972

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 1589.—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (I of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely:—

1. These rules may be called the Central Excise (Sixteenth Amendment) Rules, 1972.

2. In the Central Excise Rules, 1944, in Appendix I '(II) Specimen Forms' in Form A.L.—1 (Central Excise Series No. 3), in the first paragraph for the figures, letters and word "31st December 19....", the figures, letters and word "31st August 19....." shall be substituted.

[No. 229/72]

K. L. MUKHERJI, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर 1972

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा. का. नि. 1589.—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 में और संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती हैं, अर्थात् :-

1. इन नियमों का नाम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (सोलहवा संशोधन) नियम, 1972 होगा।

2. केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 में, परिशिष्ट 1(1) नमूना-प्रकरणों में प्रत्येक क. ठ.—1 (केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आवली सं. 3) में, प्रथम पैरा में, "31 दिसम्बर, 19...." अंकों, अक्षरों और शब्द के स्थान पर "31 अगस्त, 19...." अंक, अक्षर और शब्द रखे जाएंगे।

[सं. 229/72]

कै. एल. मुखर्जी, प्रवर सचिव

New Delhi, the 23rd December, 1972

CUSTOMS

G.S.R. 1590.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No.45-Customs, dated the 25th March, 1972, namely:—

In paragraph 2 of the said notification, for the figures, letters and word "31st December, 1972", the figures, letters and word "31st March, 1974", shall be substituted.

[No. 133/F.No. 5/6/70-Cus. I]

S. NARAYANAN, Deputy Secy.

नयी दिल्ली, 23 दिसम्बर, 1972

सीमाशुल्क

सा० का० नि० 1590.—सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना 45 सीमाशुल्क, तारीख 25 मार्च, 1972 में निम्नलिखित अनिवार्य संशोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना के पैरा 2 में "31 दिसम्बर, 1972" अंकों और शब्द के लिए "31 मार्च, 1974" के अंक और शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[सं० 133/का० सं० 5/6/70 सी० शु० I]

एस० नारायणन, उप सचिव

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 18th November, 1972

G.S.R. 1591.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Law and Justice, Department of Legal Affairs (Solicitor, Bombay and Calcutta) Recruitment Rules, 1971, namely:—

1. (1) These rules may be called the Ministry of Law and Justice, Department of Legal Affairs (Solicitor, Bombay and Calcutta) Recruitment (Amendment) Rules, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Ministry of Law and Justice, Department of Legal Affairs, (Solicitor, Bombay and Calcutta) Recruitment Rules, 1971, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely :—

“6. **Saving** : Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.”

[No. A-12018/2/72-Admn. I(LA)]

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 1972

सा० का० नि० 1591—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विधि और न्याय मंत्रालय, विधि कार्य विभाग (सालिसिटर, बम्बई और कलकत्ता) भर्ती नियम 1971 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एतद्द्वारा बनाने हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम विधि और न्याय मंत्रालय विधि कार्य विभाग (सालिसिटर, बम्बई और कलकत्ता) भर्ती (संशोधन) नियम 1972 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. विधि और न्याय मंत्रालय, विधि कार्य विभाग (सालिसिटर मुम्बई और कलकत्ता) भर्ती नियम 1971 में नियम 5 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“6. **भ्यावृत्ति**—इन नियमों में की कोई भी बात, इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों और व्यक्तियों के अन्य विशेष प्रवर्गों के लिए उपबंध करने हेतु अपेक्षित धरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगा।

[[सं० ए० 12018/2/72-प्रशा० I (विधि कार्य)]

G.S.R.1592—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Law (Department of Legal Affairs) Class II posts Recruitment Rules, 1965, namely :—

1. (1) These rules may be called the Ministry of Law (Department of Legal Affairs) Class II Posts Recruitment (Amendment) Rules, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Ministry of Law (Department of Legal Affairs) Class II Posts Recruitment Rules, 1965, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely :—

“6. **Saving** : Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.”

[No. A. 12018/2/72-Admn.I (LA)]

सा० का० नि० 1592—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विधि मंत्रालय (विधि कार्य विभाग) वर्ग II पद भर्ती नियम, 1965 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एतद्द्वारा बनाने हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम विधि मंत्रालय (विधि कार्य विभाग) वर्ग II पद भर्ती (संशोधन) नियम 1972 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. विधि मंत्रालय (विधि कार्य विभाग) वर्ग II पद भर्ती नियम 1965 में नियम 5 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“6. **भ्यावृत्ति**—इन नियमों में की कोई भी बात, इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों और व्यक्तियों के अन्य विशेष प्रवर्गों उपबंध करने हेतु अपेक्षित धरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी।”

(न. ए. 12018/2/72-प्रशा. I (वि.का.))

G.S.R.1593—In exercise of powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Law, Department of Legal Affairs (Junior Solicitor) Recruitment Rules, 1969, namely :—

1. (1) These rules may be called the Ministry of Law, Department of Legal Affairs (Junior Solicitor) Recruitment (Amendment) Rules, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Ministry of Law, Department of Legal Affairs (Junior Solicitor) Recruitment Rules, 1969 after rule 6, the following rule shall be inserted, namely :—

“7. **Saving** : Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.”

[No. A-12018/2/72-Admn. I(LA)]

N.D. SINHA, Under Secy.

सा० का० नि० 1593—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विधि मंत्रालय, विधि कार्य विभाग (कनिष्ठ सालिसिटर) भर्ती नियम 1969 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एतद्द्वारा बनाने हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम विधि मंत्रालय, विधि कार्य विभाग (कनिष्ठ सालिसिटर) भर्ती (संशोधन) नियम, 1972 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. विधि मंत्रालय, विधि कार्य विभाग (कनिष्ठ सानिस्टर) भर्ती नियम, 1969 में नियम 6 के पश्चात्, निम्नलिखित नियम, अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“7. व्याप्ति :— इन नियमों में की कोई भी बात, इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों और व्यक्तियों के अन्य विशेष प्रवर्गों के लिए उपबंध करने हेतु अपेक्षित आरक्षणों के और रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी।”

[सं० 12018/2/72-प्रशा० I (वि० का०)]

एन० जी० सिन्हा प्रवर सचिव,

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 16th December, 1972

G.S.R.1594— In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Junior Librarian in the Department of Company Affairs, namely :—

1. Short title and commencement:—(1) These rules may be called the Department of Company Affairs (Junior Librarian) Recruitment Rules, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application:—These rules shall apply to the post specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.

3. Number of post, its classification and scale of pay :— The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit, qualifications and other matters:—The method of recruitment age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule:

Provided that the maximum age limit specified in column 6 of the said Schedule for direct recruits may be relaxed in the case of the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time.

5. Disqualifications:—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax:—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Saving:—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

[No. F.A-12011/18/72-Admn.]

K. M. SHARMA, Under Secy.

SCHEDULE
RECRUITMENT RULES FOR THE POST OF JUNIOR LIBRARIAN IN THE
DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

Name of post.	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection of non-selection post.	Age for direct rectt.	Educational and other qualifications required for direct recruitment.	Whether age & educational qualifications prescribed for direct rectt. will apply in the case of promotee/transferees.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
Junior Librarian	2	General Central Service Class III, non-gazetted, non-ministerial.	Rs. 150-5-160- 8-240-EB-8-280- 10-300.	Not applicable	19—30 years	Essential : (i) A degree of a recognised university or equivalent; and (ii) Certificate in Library Science from a recognised Institute. Desirable : Adequate knowledge of Hindi	Not applicable

Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a DPC exists what is its composition.	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making rectt.
(9)	(10)	(11)	(12)	(13)
2 years	100 % by direct recruitment.	Not applicable	Not applicable	Not Applicable

MINISTRY OF LAW & JUSTICE

Legislative Department

Official Language (Legislative Commission)

New Delhi 1972

The following translation in Hindi of the Department of Company Affairs (Junior Librarian) Recruitment Rules, 1972 is hereby published under the authority of the President and shall be deemed to be the authoritative text thereof in Hindi under clause (b) of sub-section(1) of Section 5 of the Official Languages Act, 1963 (19 of 1963).

कम्पनी कार्य विभाग

नई दिल्ली, 16 नवम्बर, 1972

सां. कां. निं. 1594— राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कम्पनी कार्य विभाग में कनिष्ठ पुस्तकाध्यक्ष पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एतद्वारा बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) इन नियमों का नाम कम्पनी कार्य विभाग (कनिष्ठ पुस्तकाध्यक्ष) भर्ती नियम, 1972 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना :—ये नियम इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ I में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे।

3. पद-संख्या वर्गीकरण और वेतनमान :— उक्त पद की संख्या उसका वर्गीकरण और उससे संलग्न वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आय-सीमा, अर्हताएं और अन्य बातें :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आय-सीमा, अर्हताएं और उससे सम्बन्धित

अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं :

परन्तु सीधे भर्ती के लिए उक्त अनुसूची के स्तम्भ 6 में विनिर्दिष्ट अधिकतम आय-सीमा केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और व्यक्तियों के अन्य विशेष प्रवर्गों के अभियोगों के मामले में शिथिल की जा सकेगी।

5. निरर्हताएं :—वह व्यक्ति :—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य प्रश्नकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूब हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

6. शिथिल करने की शक्ति :—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को व्यक्तियों के किसी वर्ग या वर्गों की बाबत आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

7. व्यावृत्ति :—इन नियमों में की गई कोई भी बात इस सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों और व्यक्तियों के अन्य विशेष प्रवर्गों के लिए उपबन्ध करने हेतु अपेक्षित आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी।

अनुसूची

कम्पनी कार्य विभाग में कनिष्ठ पुस्तकाध्यक्ष पद के लिए भर्ती नियम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अभ्ययम पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु
1	2	3	4	5	6
कनिष्ठ पुस्तकाध्यक्ष	2	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग III, अराजपत्रित, अनुसूचिकीय	150-5-160-8-240-ब०रो० 8-280-10-300 रु०	लागू नहीं होता	19 से 30 वर्ष तक
सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं			सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु परीक्षा की कालावधि, यदि हो और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नतों की दशा में लागू होंगी यानहीं		
7			8		

आवश्यक :

- (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या उसके समतुल्य, और
(ii) पुस्तक विज्ञान में, किसी मान्यताप्राप्त संस्थान से प्रमाणपत्र

लागू नहीं होता

2 वर्ष

बाध्यकारी :

हिन्दी का पर्याप्त ज्ञान

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनिधित्व/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिफल	प्रोन्नति/प्रतिनिधित्व-स्थानांतरण द्वारा भर्ती की वशा में से श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनिधित्व/स्थानांतरण किया जायेगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संभव लोक सेवा आयोग में परामर्श किया जाएगा
---	--	---	---

10

11

12

13

100 प्रतिफल सीधे भर्ती द्वारा

लागू नहीं होता

लागू नहीं होता

लागू नहीं होता

[सं.एफ.ए. 12011/18/72-प्रभा-1]

द०य० विंगले, महायुक्त प्रारूपकार।

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

New Delhi, the 30th October, 1972

G.S.R.1595—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Economic Adviser in the Ministry of Foreign Trade, namely :—

1. **Short title and commencement** :—(1) These rules may be called the Ministry of Foreign Trade (Economic Adviser) Recruitment Rules, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Application** :—These rules shall apply to the post as specified in column 1 of the Schedule annexed hereto.

3. **Number, classification and scale of pay** :—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. **Method of recruitment, age limit and other qualifications** :—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

5. **Disqualification** :—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. **Power to relax** :—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. **Savings** :—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time.

Recruitment rules for the post of Economic Adviser in Ministry of Foreign Trade

Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection Post or non-Selection Post	Age for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Economic Adviser	1	General Central Service Class I.	Rs. 2500-125/2-2750.	Not applicable	Preferably below 50 years.	Essential : An economist of standing preferably possessing a Doctorate in Economics with evidence of independent research and administrative experience.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making rectt.
8	9	10	11	12	13
Not Applicable	2 years	Direct recruitment or transfer on deputation (including short term contract), the precise method to be decided on each occasion in consultation with the Union Public Service Commission.	Transfer on deputation (including short term contract): Suitable officers of appropriate standing, serving under the Central or State Governments, Reserve Bank of India/State Bank of India/Universities/recognised Research Institutions. (Period of deputation/contract—ordinarily not exceeding 5 years).	Not Applicable.	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958, read with the provisions of column 10.

[F. No. A/12018/1/71-E.I.]

VED PARKASH, Under Secretary,

विदेश व्यापार मंत्रालय

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर 1972

सा० का० नि० 1595—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विदेश व्यापार मंत्रालय में प्राधिक सलाहकार के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एतद्वारा बनाते हैं अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और श्राव्य—(1) इन नियमों का नाम विदेश व्यापार मंत्रालय (प्राधिक सलाहकार) भर्ती नियम, 1972 होगा।

(2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना—ये नियम इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तंभ 1 में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे।

3. पद-संख्या वर्गीकरण और वेतनमान—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तंभ 2 से 4 तक विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति आयु-सीमा, और श्राव्य बातें—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति आयु-सीमा अर्हताएं और उसके संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तंभ 5 से 18 तक में विनिर्दिष्ट हैं :—

5. निर्वृत्ताएँ— वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है।

सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूब हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

6. शिथिल करने की शक्ति—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहाँ वह उसके लिए जो कारण है उन्हें लिपिबद्ध करके और संघ लोक-सेवा से परामर्श करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की बाबत अविश्व द्वारा शिथिल कर सकेगी।

7. व्याप्ति—इन नियमों में कोई भी बात केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य वर्गों के व्यक्तियों को दिए जाने वाले आवश्यक धारक्षण तथा अन्य रियायतों पर कुप्रभाव नहीं डालेगी।

अनुसूची

विदेश व्यापार संचालन में अधिक सलाहकार पद के लिए भर्ती के नियम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	देयतमान	चयन पद अथवा अचयन	सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए प्रायु	सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं	सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आय और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दृष्टि से लागू होंगी या नहीं	परिबीका की काला-वधि यदि हो
1	2	3	4	5	6	7	8	9
आधिक सलाह-कार ।	1	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 1	2500-125/2-2750 ढ० ।	लागू नहीं होता ।	अधिमानीतः 50 वर्ष से कम ।	आवश्यक—एक व्यापार-प्रारंभ शास्त्री, अधिमानीतः जिसके पास अर्थशास्त्र में डाक्टरेट की उपाधि हो और जिसके पास स्वतन्त्र रूप से गवेषणा करने का और प्रशासनिक अनुभव का प्रमाण हो ।	लागू नहीं होता ।	2 वर्ष
भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधी होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/अन्तरण द्वारा तथा पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत				प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/अन्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/अन्तरण किया जाएगा		यदि विभागीय प्रोन्नति समिति हो तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा	
10				11		12	13	
सीधी भर्ती द्वारा अथवा प्रतिनियुक्ति पर अन्तरण द्वारा (जिसमें अल्पकालीन संविदा भी शामिल है) ठीक-ठीक प्रणाली प्रत्येक अवसर पर संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके विनिश्चित की जाएगी ।				प्रतिनियुक्ति पर अन्तरण (जिसमें अल्पकालीन संविदा भी शामिल है) समुचित सेवा-अवधि वाले उपयुक्त अधिकारी, जो केन्द्रीय अथवा राज्य सरकारों, भारतीय रिजर्व बैंक/भारतीय स्टेट बैंक/विश्वविद्यालयों/मान्यताप्राप्त गवेषणा संस्थानों में कार्य कर रहे हों (प्रतिनियुक्ति/संविदा की अवधि— 5 वर्ष से अधिक नहीं होगी) ।		लागू नहीं होता	स्तंभ 10 में उपबन्धों के साथ पठित संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियमन, 1958 के अन्तर्गत यथापेक्षित ।	

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

New Delhi, the 4th December, 1972

G.S.R. 1596.—The following draft of certain regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, which the Central Boilers Board proposes to make it exercise of powers conferred by section 29 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), is published, as required by subsection (1) of Section 31 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after three months from the date of publication of this notification in the official Gazette.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft within the period so specified will be considered by the Central Boilers Board. Such objections or suggestions should be addressed to the Secretary, Central Boilers Board, Ministry of Industrial Development, Udyog Bhavan, New Delhi.

Draft Regulations

1. These regulations may be called the Indian Boiler (Amendment) Regulations, 1972.
2. In the Indian Boiler Regulations, 1950, in the list of well-known steel-makers in APPENDIX 'G' against entry No. 17, the following entry shall be substituted, namely:—
"HO ESCH HUTTEN WERKE Aktiengesellschaft, Dortmund, West Germany."

[No. BL-8(1)/70-Boiler]
S.C. DEY, Secretary.

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 13th December 1972

G.S.R. 1597.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Research and Development Organisation for Electrical Industry [Class I and Class II (Gazetted Posts)] Recruitment Rules, 1969, namely:—

1. (1) These rules may be called the Research and Development Organisation for Electrical Industry [Class I and Class II (Gazetted posts)] Recruitment (Amendment) Rules, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Research and Development Organisation for Electrical Industry [Class I and Class II (Gazetted posts)] Recruitment Rules, 1969.

- (i) in the entries against item 3 relating to the post of Joint Director in column 7, under the heading "Essential", for item (i) the following item shall be substituted, namely:—

"(i) Degree in Electrical/Electronics/Mechanical Engineering/Metallurgy from a recognised University Institution or equivalent";

- (ii) in the entries against item 4 relating to the post of Deputy Director, in column 7, under the heading "Essential" for item (i), the following item shall be substituted, namely:—

"(i) Degree in Electrical/Electronics/Mechanical Engineering/Metallurgy from a recognised University/Institution or equivalent";

- (iii) in the entries against item 6 relating to the post of Engineer, in column 7, under the heading "Essential"

for item (i), the following item shall be substituted, namely:—

"(i) Degree in Electrical/Electronics/Mechanical Engineering/Metallurgy from a recognised University/Institution or equivalent".

[F.No. A-12018/3/70-E.I.]

G. RAMANATHAN, Under Secretary.

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 13 दिसम्बर, 1972

सा० का० नि० 1597—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक्त द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वैद्युत-उद्योग के लिए अनुसंधान और विकास संगठन [वर्ग I और वर्ग II (राजपत्रित पद)] भर्ती नियम, 1969 में और घागे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एतद् द्वारा बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम वैद्युत-उद्योग के लिए अनुसंधान और विकास संगठन [वर्ग I और वर्ग II (राजपत्रित पद)] भर्ती (संशोधन) नियम, 1972 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. वैद्युत उद्योग के लिए अनुसंधान और विकास संगठन [वर्ग

I और वर्ग II (राजपत्रित पद)] भर्ती नियम, 1969 की अनुसूची में,

- (1) संयुक्त निदेशक के पद से संबंधित मध 3 के सामने की प्रविष्टियों में, स्तम्भ 7 में "आवश्यक" शीर्षक के अन्तर्गत मध (i) के स्थान पर निम्नलिखित मध रखी जाएगी, अर्थात्:—

"(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय संस्था से वैद्युत, एलक्ट्रॉनिक्स, यांत्रिक इंजीनियरी, धातुकर्मक में उपाधि या समतुल्य";

- (ii) उप-निदेशक के पद से संबंधित, मध 4 के सामने की प्रविष्टियों में, स्तम्भ 7 में "आवश्यक" शीर्षक के अन्तर्गत, मध (i) के स्थान पर निम्नलिखित मध रखी जाएगी, अर्थात्:—

"(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय संस्था से वैद्युत, एलक्ट्रॉनिक्स, यांत्रिक इंजीनियरी, धातुकर्मक में उपाधि या समतुल्य";

- (iii) इंजीनियरी पद से संबंधित मध 6 के सामने की प्रविष्टियों में, स्तम्भ 7 में "आवश्यक" शीर्षक के अन्तर्गत, मध (i) के स्थान पर निम्नलिखित मध रखी जाएगी, अर्थात्:—

"(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय, संस्था से वैद्युत, एलक्ट्रॉनिक्स, यांत्रिक इंजीनियरी, धातुकर्मक में उपाधि या समतुल्य"।

[का० सं० ए-12018/3/70-ई० घाई]

जी० रामानाथन, अधीक्षक सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

New Delhi the 13th December, 1972

G.S.R. 1598.—[Ess.Com./Sugarcane].—In exercise of the powers conferred by clause 3 of the Sugarcane (Control) Order, 1966 and having regard to various factors mentioned under sub-clause (i) thereof, the Central Government, after consultation with such authorities, bodies and associations as are considered necessary by it to be consulted, hereby, on the basis of the basic minimum price of sugarcane at Rs.8.00 per quintal linked to a recovery of 8.5 per cent or below with a premium of 9.4 paise per quintal for every 0.1 per cent increase in recovery above 8.5 per cent, fixes the minimum price that shall be payable by the owners of the vacuum pan process sugar factories specified in Annexure I below or their agents for sugarcane delivered at the gate of their factories or at any purchasing centre during the year 1972-73 (1st October, 1972 to 30th September, 1973) and makes the amendments as specified in Annexure II below in the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No.GSR 423(E)/Ess.Com/Sugarcane dated the 30th September, 1972, namely:—

ANNEXURE I

1. The Guraru Chini Mills, P.O. Guraru Mills, Distt. Gaya.
2. The South Bihar Sugar Mills, Ltd., Bihta, Distt. Patna.
3. The Shrigonda Sahakari Sakhar Karkhana Ltd., Shrigonda, Post Belwandi, Distt. Ahmednagar.

ANNEXURE II

In the Schedule to the notification,—

- (i) under the heading "Bihar", after serial number 25 and the entries relating thereto, the following serial numbers and entries shall be inserted, namely:—

1	2	3
"26. The Guraru Chini Mills, P.O. Guraru Mills, District Gaya	8.00	
27. The South Bihar Sugar Mills Ltd., Bihta, District Patna	8.00"; and	

- (ii) under the heading "Maharashtra", after serial No.42 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be inserted, namely:—

1	2	3
"43. The Shrigonda Sahakari Sakhar Karkhana Ltd., Shrigonda, Post Belvandi, District Ahmednagar.	8.00"	

कृषि मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 1972

सां. कां. नि० 1598.—आ० ब० ई० — ई० (नियंत्रण)

आदेश, 1966 के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और उसके उप-खण्ड (i) के अंतर्गत वर्णित विभिन्न तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, केन्द्रीय सरकार ऐसे प्राधिकारियों, निकायों और संगमों से परामर्श करने के पश्चात् जिनसे परामर्श करना वह आवश्यक समझती है, एतद्वारा ई० की नियंत्रण कीमत 8 रु० प्रति क्विन्टल जो 8.5 प्रतिशत या उससे कम उपलब्धि से संबद्ध है, जिसके साथ 8.5 प्रतिशत से अधिक के प्रत्येक 0.1 प्रतिशत की उपलब्धि की बढ़ोतरी पर 9.4 पैसे प्रति क्विन्टल का प्रीमियम है, के आधार पर वह न्यूनतम कीमत नियत करती है जो निम्नलिखित उपाबंध I में विनिर्दिष्ट निर्वात पाख प्रक्रम ई० कारखानों के स्वामियों द्वारा या उनके अधिकारियों द्वारा उनके कारखाना-द्वार पर या खरीद वाले किसी केन्द्र पर 1972-73 (1 अक्टूबर, 1972 से 30 सितम्बर, 1973 तक) के दौरान परिवर्त की गई ई० के लिए परियेय होगी और भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (खाद्य विभाग) की अधिसूचना सं० सां. कां. नि० 423(ई), आ० ब०, ई०, तारीख 30 सितम्बर, 1972 में उपाबंध II में अथर्वनिर्दिष्ट संशोधन करती है, अर्थात:—

उपाबंध I

1. श्री गुरारू चीनी मिल्स, पो० ओ० गुरारू मिल्स, जिला गया।
2. श्री साउथ बिहार सूगर मिल्स लि०, भीता, जिला पटना।
3. श्री श्रीगोंडा सहकारी शक्कर कारखाना लि० श्रीगोंडा, पो० बेलभंडी, जिला अहमदनगर।

उपाबंध II

अधिसूचना की अनुसूची में,—

- (i) 'बिहार' शीर्षक के अन्तर्गत, क्रम सं० 25 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियाँ अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात:—

1	2	3
"26. श्री गुरारू चीनी मिल्स, पो० ओ० गुरारू मिल्स, जिला गया	8.00	
27. श्री साउथ बिहार सूगर मिल्स लि०, भीता, जिला पटना	8.00"; और	

- (ii) "महाराष्ट्र" शीर्षक के अन्तर्गत, क्रम सं० 42 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियाँ अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात:—

1	2	3
"43. श्री श्रीगोंडा सहकारी शक्कर कारखाना लि०, श्रीगोंडा, पो० बेलभंडी, जिला अहमदनगर	8.00"	

[3-6/71-SPY]

A. N. CHADDHA, Under Secy.

[3-6/71 एस० पी० आई०]

ए० एन० चट्टा, अवर सचिव।

[Department of Agriculture]

New Delhi, the 12th December, 1972

G.S.R. 1599.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Nariyal Vikas Nideshalaya (Directorate of Coconut Development) (Class III and IV posts) Recruitment Rules 1968, namely:—

1. (i) These rules may be called the Nariyal Vikas Nideshalaya (Directorate of Coconut Development) (Class III and IV posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1972.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Nariyal Vikas Nideshalaya (Directorate of Coconut Development) (Class III and IV posts) Recruitment Rules, 1968:—

(i) the entries relating to the posts of Stenographer Grade I, at Sl. No. 5, shall be omitted and the posts at Sl. No. 6 to 14 shall be renumbered as 5 to 13.

(ii) for the post of Stenographer Grade II at Sl. No. 5 as so renumbered and the entries relating thereto the following shall be substituted, namely:—

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
5.	Junior Stenographer	3	General Central Service class III (Non-Gazetted) (Ministerial)	Rs. 130-5-160-8-200-EB-8-256-EB-8-280-10-300	Not applicable	18—25 years	Matriculation or equivalent qualifications. A speed of 100 words per minute in Short-hand and 40 words per minute in typewriting.	Not applicable	Two years	By direct Recruitment.	Not applicable	Not applicable

(iii) in Column 12, against the post of Upper Division Clerk at S. No. 6 as so renumbered the words "including Steno-typist" shall be omitted;

(iv) against the post of Lower Division Clerks (including Steno-typists) at Sl. No. 8 as so renumbered.

(1) in column 2, the brackets and words "(including Steno-typist)" shall be omitted;

(2) in Column 5, the expressions "(a)" and "(b)" for Steno-typist grade pay plus Rs. 20/- "Special Pay", shall be omitted;

(3) in Column 7, for figures, "18—21", the figures "18—25, shall be substituted;

(4) in proviso (b) in Column 8, the expression "Steno-typists" 80 words per minute speed in shorthand and 40 words per minutes for transcription" shall be omitted.

[No.A 12011/11/71-EE III]

R. SUBRAHMANYAM, Under Secy.

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर, 1972

सां.कां.वि० 1599—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नारियल विकास निदेशालय (बर्ग 3 और बर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1968 में और संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम नारियल विकास निदेशालय (बर्ग 3 और बर्ग 4 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1972 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. नारियल विकास निदेशालय (बर्ग 3 और 4 बर्ग पद) भर्ती नियम, 1968 की अनुसूची में:—

(i) क्रम संख्या 5 पर, श्रावणिक श्रेणी 1 के पद से सम्बंधित प्रविष्टियाँ हटा दी जाएंगी और क्रम संख्या 6 से लेकर

14 तक के पदों को क्रम संख्या 5 से 13 तक के पदों के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा।

(ii) इस प्रकार पुनः संख्यांकित क्रम संख्या 5 पर श्रावणिक श्रेणी 2 के पद और उससे सम्बंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

1	2	3	4	5	6	7
5	कमिष्ठ श्रावणिक	3	साधारण केन्द्रीय सेवा बर्ग 3 (धरा पत्रित)) अमुसधिषीय)	130-5-160 सागू 8-200-२० नही २००-8-256 होता २०००-8-280-10-300 रु०		18-25 बर्ग

New Delhi, the 30th November, 1972,

8	9	10	11	12	13
मट्रिक या सम- सुम्प्य भर्त्ताएं। आशुलिपि में प्रति मिनट 100 शब्द और टाइप करने में प्रति मिनट 40 शब्द की गति।	लागू नहीं होता	बो वर्ष	सीधे भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

(iii) इस प्रकार पुनः संख्यांकित क्रम संख्या 6 पर, उक्त श्रेणी लिपिक के पद के सामने स्तम्भ 12 में, "आशुटंकक को सम्मिलित करते हुए" शब्द सुप्त किए जाएंगे ;

(iv) इस प्रकार पुनः संख्यांकित क्रम संख्या 8 पर, निम्न श्रेणी लिपिक (आशुटंकक को सम्मिलित करते हुए) के पद के सामने ;

- (1) स्तम्भ 2 में, "(आशुटंकक को सम्मिलित करते हुए)" कोष्ठक और शब्द सुप्त किए जाएंगे ;
- (2) स्तम्भ 5 में, "(क)" और "(ख)" आशुटंकक श्रेणी के लिए वेतन और 20.00 रु. विशेष वेतन" पद सुप्त किए जाएंगे ;
- (3) स्तम्भ 7 में, "18-21" श्रेणी के स्थान पर "18-25" श्रेणी रखे जाएंगे ;
- (4) स्तम्भ 8 में, परन्तु (ख) में,—

"आशुटंकक: आशुलिपि में प्रतिमिनट 80 शब्द की गति और प्रतिलेखन के लिए प्रति मिनट 40 शब्द" पद सुप्त किया जाएगा।

[सं० बी-12011/11/71-वाहम स्थापना-3]

रा० सुब्रह्मण्यम, प्रवर सचिव

G.S.R. 1600.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Electrical Engineer in the Directorate of Agricultural Aviation, namely :—

1. Short title and commencement :—(1) These rules may be called the Directorate of Agricultural Aviation (Electrical Engineer) Recruitment Rules, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay :—The number of the said posts, classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age-limit, qualifications, etc :—

The method of recruitment, age-limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

Provided that the upper age-limit specified for direct recruits in column 6 of the said Schedule may be relaxed in the case of candidates belonging to the Schedule Castes, Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time.

4. Disqualification :—No person :—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax :—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

[No. 2-29/72-PPS]

P. N. BALU, Under Secy.

SCHEDULE

Recruitment rules for the post of Electrical Engineer in the Directorate of Agricultural Aviation (Department of Agriculture)

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits
1	2	3	4	5	6
Electrical Engineer	1	General Service Class I Gazetted.	Rs. 1300-60-1600	Not Applicable	45 years (Relaxable for Government servants)

Educational and other qualifications required for direct recruit	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by promotion for by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its Composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
--	---	-----------------------------	---	---	---	---

7

8

9

10

11

12

13

Essential :**Transfer on deputation**

(i) A degree in Electrical Engineering (with Electronics as an optional) Subject of a recognised University of equivalent.	Not applicable.	2 years	By transfer on deputation failing which by direct recruitment.	Officers of the rank of Wing Commander or Squadron Leader in the Technical Electrical Engineering Branch of Indian Air Force possessing the essential qualifications specified for direct recruits in column 7.	Not applicable.	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulation, 1958.
(ii) A.M.E.'s Licence in categories 'X' Electrical and 'X' instruments.						
(iii) About 10 years experience in the maintenance of instrument and electrical system and equipment of aircraft, including Helicopters.				(Period of deputation-ordinarily not exceeding 4 years).		

(Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified).

Desirable :

Experience in technical administration of Electrical and Instrument repair workshop in an aviation organisation.

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1972

सा० का० वि० 1600.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परामर्श द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कृषि-विमानन निदेशालय में विद्युत इंजीनियर के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एतद्वारा बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का नाम कृषि विमानन निदेशालय (विद्युत इंजीनियर) भर्ती नियम, 1972 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तंभ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

20 G.I./72--3

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तंभ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

परन्तु उक्त अनुसूची के स्तंभ 6 में सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों की बाबत विनिर्दिष्ट अधिकतम आयु-सीमा, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार, किसी भी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और किसी अन्य विशेष प्रवर्ग के अभ्यर्थियों के संबंध में शिथिल की जा सकती।

4. निरर्हताएं:—वह व्यक्ति,

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपनी पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है;

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समझना हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्थायी विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को अन्य इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहाँ, वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें विधिबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे प्रावधानों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संघ में समय समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उद्देश्य करना अपेक्षित है।

[सं० 2-29/72 पी० पी० एम०]

प० न० बाबू, अवर सचिव

अनुसूची

कृषि विमानन निदेशालय (कृषि विभाग) में विद्युत इंजीनियर के पद के लिए भर्ती नियम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के निम्न आयु सीमा
1	2	3	4	5	6
विद्युत इंजीनियर	1	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग I राजपदित।	1300-60-1600 रु०	लागू नहीं होता	45 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकेगी)।
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं			सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोत्तन की दशा में लागू होगी या नहीं		परिक्षा की कालावधि यदि हो
7			8		9

आवश्यक :

- किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की विद्युत इंजीनियरी (एलक्ट्रोनिक्स वैकल्पिक विषय सहित) में उपाधि या समतुल्य।
- 'X' विद्युत और 'X' उपकरण प्रवर्ग में ए०एम० ई० की अनुज्ञप्ति।
- यन्त्रयान, जिसमें हेलिकॉप्टर सम्मिलित है, के उपकरण और विद्युत पद्धति और उपकरण के रख रखाव का करीब 10 वर्ष का अनुभव (अन्यथा मुअहिन अम्प्लिशों की दशा में योग्यता संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकेगी)।

लागू नहीं होता

2 वर्ष

वांछनीय :

किसी विमानन संगठन में विद्युत और उपकरणों की मरम्मत और वर्कशाप के तकनीकी प्रशासन का अनुभव।

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोत्तन द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत	प्रोत्तन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियों जिनसे प्रोत्तन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विकल्पित प्रोत्तन समित्त है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जावेगा।
10	11	12	13
प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा निकले न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण भारतीय वायु सेना की तकनीकी विद्युत इंजीनियरी शाखा में बिग कमाण्डर या स्क्वाड्रन लीडर की पंक्ति के अधिकारी, जिनके पास सीधी भर्ती वालों के लिये स्तम्भ 7 में विनिर्दिष्ट आवश्यक अर्हताएं हों (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः 4 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	लागू नहीं होता	संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम 1958 के अधीन यथाअपेक्षित।

MINISTRY OF EDUCATION & SOCIAL WELFARE

(Department of Culture)

New Delhi the 12th December, 1972

G.S.R. 1601.—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Victoria Memorial Act, 1903 (10 of 1903), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Victoria Memorial Hall (General Provident Fund) Rules, 1972, namely:—

1. (i) These rules may be called the Victoria Memorial Hall (General Provident Fund) (Amendment) Rules, 1972.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.
2. In rule 25 of the Victoria Memorial Hall (General Provident Fund) Rules, 1972, for the words "Board of Trustees" the words "Central Government" shall be substituted.

[No.6-4/70-CAI(5)]

BALDEV MAHAJAN Under Secy.

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय

संस्कृति विभाग

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर, 1972

सांकांनि० 1601.—विक्टोरिया स्मारक अधिनियम, 1903 (1903 का 10) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार एतद्वारा विक्टोरिया स्मारक हॉल (सामान्य भविष्य निधि) नियम, 1972 को संशोधित करने हेतु नियम यदार्ता है अर्थात्:—

- (1) इन नियमों को विक्टोरिया स्मारक हॉल (सामान्य भविष्य निधि) (संशोधन) नियम, 1972 कहा जाये।

- (2) ये नियम, सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. विक्टोरिया स्मारक हॉल (सामान्य भविष्य निधि) नियम, 1972 के नियम 25 में "बोर्डर्स के बोर्डर्स" शब्दों के स्थान पर "केन्द्रीय सरकार" शब्द रखे जायेंगे।

[सं० 6-4/70 सी० ए० I (5)]

बलदेव महाजन, अवर सचिव

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi the, 6th December, 1972

G.S.R. 1602.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 69 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the All India Radio (Class I Posts) Recruitment Rules, 1963, namely:—

1. (1) These rules may be called the All India Radio (Class I Posts) Recruitment (Fifth Amendment) Rules, 1972.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Schedule to the All India Radio (Class I Posts) Recruitment Rules, 1963, after Serial No. 319 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

1	2	3	4	5	6	7	8
---	---	---	---	---	---	---	---

Essential :

"20"	Hindi Officer	1	General Central Service Class I Gazetted	Rs. 700-40 1100-50/2 1250	Not applicable	40 years (Relaxable for Government servants)	<p>(i) Master's degree in Hindi with English as an elective subject at Degree level or Master's degree in English with Hindi as an elective subject at Degree level from a recognised University or equivalent.</p> <p>(ii) At least 7 years experience in terminology work in Hindi or translation work from English to Hindi and vice versa.</p> <p>(Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified).</p>
------	---------------	---	--	---------------------------------	----------------	--	---

Desirable :

- (i) Knowledge of Sanskrit and linguistics.
- (ii) Knowledge of any other modern Indian language.
- (iii) Experience of academic and literary work.

9	10	11	12	13	14
<i>Transfer on Deputation</i>					
Not applicable	Two years	By transfer on deputation failing which by direct recruitment.	Officers holding analogous posts or officers with 5 years service in posts in the scale of Rs. 400-950 or with 8 years service in posts in the scale of Rs. 350-900 or equivalent under the Central Government and possessing the educational and other qualifications prescribed for direct recruits in column 8.	Not applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958."
(Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years).					

[No. 1/6/70-B(A)]

A. V. NARAYANAN, Under Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली-1, 6 दिसम्बर, 1972

सा० का० नि० 1602.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये, राष्ट्रपति आकाशवाणी (श्रेणी 1 पद) भर्ती नियमावली, 1963 में अतिरिक्त संशोधन करने के लिये एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

(1) इन नियमों को आकाशवाणी (श्रेणी-1 पद) भर्ती (पंचम संशोधन) नियमावली, 1972 कहा जा सकेगा।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. आकाशवाणी (श्रेणी 1 पद) भर्ती नियमावली, 1963 की अनुसूची में क्रम संख्या 19 तथा इससे संबंधित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित जोड़ा जायेगा, अर्थात् :—

1	2	3	4	5	6	7
20	हिन्दी अधिकारी	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी-1, राजपत्रित	700-40-1100-50/2-1250 रुपये	सागू नहीं होता	40 वर्ष (सरकारी कर्मचारियों के लिये छूट दी जा सकती है)
8			9	10	11	

आवश्यक :

सागू नहीं होता

40 वर्ष

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा इसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।

(1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से उपाधि स्तर पर अंग्रेजी वैकल्पिक विषय के साथ हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि या उपाधि स्तर पर हिन्दी वैकल्पिक विषय के साथ अंग्रेजी में स्नातकोत्तर उपाधि या उसके समकक्ष।

(2) हिन्दी में शब्दावली कार्य या अंग्रेजी से हिन्दी तथा हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद कार्य का न्यूनतम 7 वर्ष का अनुभव।

(उम्मीदवारों के अध्यया सुयोग्य होने पर संघ लोक सेवा आयोग अपने विवेकानुसार अर्हताओं में छूट दे सकेगा)

बांछनीय

(1) संस्कृत तथा भाषा विज्ञान का ज्ञान।

(2) किसी अन्य भारतीय भाषा का ज्ञान।

(3) शैक्षिक तथा साहित्यिक कार्य का अनुभव।

12	13	14
प्रतिनियुक्ति पर स्वातन्त्र्य केन्द्रीय सरकार के अधीन समान पदों पर कार्य करने वाले अधिकारियों या 400-950 रुपये के वेतनमान के पदों पर 5 वर्ष का या 350-900 रुपये के वेतनमान के पदों पर 8 वर्ष का अनुभव रखने वाले तथा कालम 8 में सीधी भर्ती के लिये निर्धारित शैक्षणिक तथा अन्य अर्हतायें रखने वाले अधिकारियों में से। (सामान्यतः प्रतिनियुक्ति की अवधि 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	सागू नहीं होता	जैसा कि संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के अन्तर्गत अपेक्षित है।

प० बी० नारायणन, प्रवर सचिव।

[संख्या 1/6/70-बी (ए)]

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING
(Department of Health)

New Delhi, the 1st December, 1972

G.S.R. 1663.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to regulate the method of recruitment to class IV posts in the Directorate General of Health Services, namely :—

1. Short title and commencement :—

- (1) These rules may be called the Directorate General of Health Services (Class IV Posts) Recruitment Rules, 1972.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application :—These rules shall apply to the posts as specified in column 2 of the Schedule annexed to these rules.

3. Number of posts, classification & scale of pay :—The number of posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 3 to 5 of the Schedule aforesaid.

4. Method of recruitment, age limit and other qualifications :—The method of recruitment to the said posts, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 6 to 14 of the Schedule aforesaid.

5. Disqualification :—No person —

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

7. Power to relax :—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

[No. A 12018/1/71-E.G.]

RAMESH BAHADUR, Under Secy.

SCHEDULE

Recruitment Rules for Class IV (Non-Ministerial) posts
Name of the Office : Dte., G.H.S., New Delhi

Sl. No.	Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or non-selection post	Age for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
1.	Selection Grade Daftry	5 (Five)	General Central Service, Class IV (Non-gazetted).	Rs. 80-1-85-2-95-EB-3-110.	Non-Selection	Not applicable.
2.	Daftry	29 (Twenty nine)	-do-	Rs. 75-1-85-EB-2-95	-do-	Not exceeding 25 years.
3.	Jamadar	2 Two	-do-	-do-	-do-	Not applicable.
4.	Peon	81 (Eighty one)	-do-	Rs. 70-1-80-EB-1-85.	Not applicable.	Not exceeding 25 years.
5.	Farash	14 (Fourteen)	-do-	-do-	-do-	-do-
6.	Sweeper	14 (Fourteen)	-do-	-do-	-do-	-do-

Education and other qualifications required for direct recruits	Whether age & educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruit or by promotion or by deputation transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a D.P.C. exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
---	---	-----------------------------	---	---	---	--

8	9	10	11	12	13	14
Not applicable	Not applicable	Two years	By promotion	Daffries who have rendered at least 3 years continuous service in that capacity.	Class IV D.P.C.	Not applicable
Middle School Standard pass.	Not applicable	Two years	By promotion failing which by transfer, failing both by direct recruitment.	<i>Promotions</i> of persons who have rendered at least 3 years' service in that capacity. <i>Transfer of persons :</i> holding similar or equivalent posts under the Central Govt. and possessing qualifications prescribed in Column 8.	Class IV D.P.C.	-do-
Not applicable	Not applicable	Two years	By promotion	Promotions of persons who have rendered at least 3 years' service in that capacity.	Class IV D.P.C.	-do-
Middle School Standard pass.	-do-	Two years	By transfer, failing which by direct recruitment.	By transfer of persons holding similar or equivalent posts in Central Govt. offices and possessing qualifications specified in Column 8.	Class IV D.P.C.	-do-
Desirable : A pass in the Primary School Standard.	-do-	Two years	By direct recruitment failing which by transfer.	By transfer of persons holding similar equivalent posts in the Central Government.	Not applicable	-do-
Desirable : A pass in the Primary School Standard.	-do-	Two years	By direct recruitment failing which by transfer.	By transfer of persons holding similar equivalent posts in the Central Government.	-do-	-do-

1	2	3	4	5	6	7
7. Chowkidar . . .	7 (Seven)	General Central Service Class IV (Non-gazetted).	Rs. 70-1-80-EB-1-85	Not applicable.	Not exceeding 25 years.	
8. Packer . . .	4 (Four)	-do-	Rs. 75-1-85-EB-2-95.	Non-Selection	-do-	
9. Mali . . .	1 (One)	-do-	Rs. 70-1-80-EB-1-85.	Not applicable	21-25 years.	
10. Cook . . .	1 (One)	-do-	Rs. 75-1-85-EB-2-95.	-do-	-do-	
11. Janitor . . .	1 (One)		Rs. 70-1-80-EB-1-85.	-do-	Not exceeding 25 years.	
12. Bearer . . .	2	-do-	-do-	-do-	-do-	
13. Field Attendant . . .	2 (Two)	-do-	Rs. 80-1-85-2-95-EB-3-110.	-do-	-do-	

8	9	10	11	12	13	14
Desirable : A pass in the Primary School Standard.	Not applicable	Two years	By direct recruitment failing which by transfer.	By transfer of persons holding similar equivalent posts in the Central Government.	Not applicable.	Not applicable.
Middle School Standard pass.	-do-	-do-	By promotion failing which by transfer, failing, both by direct recruitment.	Promotion : of Peons who have rendered at least 3 years' service in that capacity. Transfer : of persons holding similar or equivalent posts under the Central Government and possessing qualifications prescribed in Column 8.	Class IV D.P.C.	-do-
9. Literate : should have elementary knowledge of gardening and gardening trenches and preparation of beds.	-do-	-do-	By direct recruitment.	Not applicable.	Not applicable.	-do-
10. Desirable : A pass in the Primary School Standard.	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-
11. Desirable : A pass in the middle School Standard.	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-
12. Desirable : A pass in the primary School Standard.	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-
13. Class VIII Passed with experience in Field work.	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-

**स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय,
(स्वास्थ्य विभाग)**

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1972

सां० का० नि० 1063—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में वर्ग 4 पदों पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले विनियमित नियम पत्राङ्कित करने हैं अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—

(1) इन नियमों का नाम स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (वर्ग 4 पद) भर्ती नियम 1972 होगा।

(2) ये नियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना :—

ये नियम इन नियमों के उपबन्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट पदों को लागू होंगे।

3. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—

पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 3 से 5 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएँ :—

उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति आयु-सीमा अर्हताएँ और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 6 से 14 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

5. निरर्हताएँ :—किस व्यक्ति —

- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है विवाह किया है या
(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा। परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि

ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अथ पश्चात् को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुष्ठान है और ऐसा करने के लिए गन्ध आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती।

6. व्यावृत्ति :—

इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षकों और अन्य शिपयों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका कोई भी सरकार द्वारा इस मंत्रालय से सम्बन्धित पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना आवश्यक है।

7. जो लागू करने की शक्ति :—

जहाँ केन्द्रीय सरकार की आज्ञा हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहाँ वह उसके लिए जो कारण हों उन्हें विनिर्दिष्ट करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत आदेश द्वारा शिथिल कर सकती।

[सां० ए 12018/1/72-इ जी]

रमेश बहादुर, अवर सचिव

अनुसूची
वर्ग 4 (अनुसूचितीय) पदों के लिए भर्ती-नियम
कार्यालय का नाम

क्रम सं०	पदों का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बैतनमान	अवकाश पद अथवा अवकाश पद	सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु
1	2	3	4	5	6	7
1.	अवकाश श्रेणी वफतरी	5 (पांच)	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 4 (अराज-पत्रित)।	80-1-85-2-95-४० रो०-3-110 रु०।	अवकाश	लागू नहीं होता
2.	वफतरी	29 (उभयसीत)	यथोक्त-	75-1-85-४० रो०-2-95 रु०	अवकाश	लागू नहीं होता
3.	जमादार	2 (दो)	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 4 (अराजपत्रित)।	75-1-85-४० रो०-2-95 रु०	अवकाश	लागू नहीं होता।
4.	अपरासी	81 (इक्यासी)	यथोक्त	70-1-80-४० रो०-1-85 रु०	लागू नहीं होता	25 वर्ष से अधिक न होगा
सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं			सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नतों की वशा में लागू होंगी या नहीं		परिक्षा की अवधि, यदि कोई हो	
8			9			10
1.			लागू नहीं होता			दो वर्ष
2.			मिडिल स्कूल स्टैंडर्ड उत्तीर्ण			दो वर्ष
3.			लागू नहीं होता			दो वर्ष
4.			मिडिल स्कूल स्टैंडर्ड उत्तीर्ण			दो वर्ष
भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत			प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वशा में वे श्रेणियों जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा		यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	
भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा			11			12
1.			प्रोन्नति द्वारा			ऐसे वफतरी जिन्होंने उस हैसियत में कम से कम तीन वर्ष निरंतर सेवा की हो।
2.			प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा			ऐसे अपरासियों की प्रोन्नति जिन्होंने उस हैसियत में कम से कम तीन वर्ष सेवा की हो। ऐसे व्यक्तियों का स्थानान्तरण जो केन्द्रीय सरकार के अधीन समरूप या समतुल्य पद धारण करते हैं और जिनके पास स्तम्भ 8 में विहित अर्हताएं हों।
3.			प्रोन्नति द्वारा			ऐसे अपरासियों की प्रोन्नति जिन्होंने उस हैसियत में कम से कम तीन वर्ष सेवा की हो।
4.			स्थानान्तरण द्वारा जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।			ऐसे व्यक्तियों के स्थानान्तरण द्वारा जो केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों में समरूप या समतुल्य पद धारण करते हैं और जिनके पास स्तम्भ 8 में विनिर्दिष्ट अर्हताएं हों।
11			12			13
1.			प्रोन्नति द्वारा			वर्ग 4 विभागीय प्रोन्नति समिति
2.			प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा			वर्ग 4 विभागीय प्रोन्नति समिति
3.			प्रोन्नति द्वारा			वर्ग 4 विभागीय प्रोन्नति समिति
4.			स्थानान्तरण द्वारा जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।			वर्ग 4 विभागीय प्रोन्नति समिति
11			12			14

1	2	3	4	5	6	7
5. करारा	14 (चौदह)	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 4	70-1-80-द० रो०-1-85 द०	लागू नहीं होता	25 वर्ष से अधिक न होगी	
		(भराजपत्रित)।				
6. झाड़ूकण	14 (चौदह)	यथोक्त	यथोक्त	लागू नहीं होता	25 वर्ष से अधिक न होगी	
7. चौकीदार	7 (सात)	यथोक्त	यथोक्त	लागू नहीं होता	25 वर्ष से अधिक न होगी	
8. पैकर	4 (चार)	-यथोक्त-	75-1-85-द० रो०-2-95 द०	अभ्ययन	25 वर्ष से अधिक न होगी	
9. माली	1 (एक)	-यथोक्त-	70-1-80-द० रो०-1-85 द०	लागू नहीं होता	21 से 25 वर्ष।	
10. बखर्ची	1 (एक)	-यथोक्त-	75-1-85-द० रो०-2-95 द०	लागू नहीं होता	21 वर्ष से 25 वर्ष।	
11. जैनिटर	1 (एक)	-यथोक्त-	70-1-80-द० रो०-1-85 द०	लागू नहीं होता	25 वर्ष से अधिक न होगी	
8		9		10		
5. बांछनीय : प्राथमरी स्कूल स्टेण्डर्ड उत्तीर्ण	लागू नहीं होता			दो वर्ष		
6. बांछनीय : प्राथमरी स्कूल स्टेण्डर्ड उत्तीर्ण	लागू नहीं होता			दो वर्ष		
7. बांछनीय : प्राथमरी स्कूल स्टेण्डर्ड उत्तीर्ण	लागू नहीं होता			दो वर्ष		
8. मिडिल स्कूल स्टेण्डर्ड उत्तीर्ण	लागू नहीं होता			दो वर्ष		
9. वह साक्षर हो और उसको बागवानी, उद्यान संरक्षित और क्यारी बनाने का प्रारम्भिक ज्ञान होना चाहिए।	लागू नहीं होता			दो वर्ष		
10. बांछनीय : प्राथमरी स्कूल स्टेण्डर्ड उत्तीर्ण	लागू नहीं होता			दो वर्ष		
11. बांछनीय : मिडिल स्कूल स्टेण्डर्ड उत्तीर्ण	लागू नहीं होता			दो वर्ष		
11		12		13		
5. सीधी भर्ती द्वारा जिसके न हो सकने पर स्थानान्तरण द्वारा।	ऐसे व्यक्तियों के स्थानान्तरण द्वारा जो केन्द्रीय सरकार में समरूप/समतुल्य पद धारण करते हैं।			लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
6. सीधी भर्ती द्वारा जिसके न हो सकने पर स्थानान्तरण द्वारा।	ऐसे व्यक्तियों के स्थानान्तरण द्वारा जो केन्द्रीय सरकार में समरूप/समतुल्य पद धारण करते हैं।			लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
7. सीधी भर्ती द्वारा जिसके न हो सकने पर स्थानान्तरण द्वारा।	ऐसे व्यक्तियों के स्थानान्तरण द्वारा जो केन्द्रीय सरकार में समरूप/समतुल्य पद धारण करते हैं।			लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
8. प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर स्थानान्तरण द्वारा और इन दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	ऐसे व्यक्तियों की प्रोन्नति जिन्होंने उस हैसियत में कम से कम तीन वर्ष सेवा की हो। ऐसे व्यक्तियों का स्थानान्तरण जो केन्द्रीय सरकार के अधीन समरूप या समतुल्य पद धारण करते हैं और जिनके पास स्तम्भ 8 में विहित भर्तीपूर्ण हैं।			वर्ग 4 विभागी प्रोन्नति समिति	लागू नहीं होता	
9. सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता			लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
10. सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता			लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
11. सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता			लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	

1	2	3	4	5	6	7
12. बेरा	2 (दो)	साधारण केंद्रीय सेवा वर्ग 4 (प्रराजपक्षित)	70-1-80-दा०रो०- 1-85-६०	लागू नहीं होता	25 वर्ष से अधिक न होगी	
13. झर परिवार	2 (दो)	-यथोक्त-	80-1-85-2-95-दा०रो०-3- 110 र०।	लागू नहीं होता	25 वर्ष से अधिक न होगी	
8		9		10		
12. वांछनीय : प्राइमरी स्कूल स्टेण्डर्ड उत्तीर्ण		लागू नहीं होता		दो वर्ष		
13. आठवी कक्षा उत्तीर्ण और क्षेत्र कार्य का अनुभव		लागू नहीं होता		दो वर्ष		
11		12		13		14
12. सीधी भर्ती द्वारा		लागू नहीं होता		लागू नहीं होता		लागू नहीं होता
13. सीधी भर्ती द्वारा		लागू नहीं होता		लागू नहीं होता		लागू नहीं होता

MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

New Delhi, the 15th December, 1972

G.S.R. 1604.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to certain Class IV posts in the Ganga Flood Control Commission under the Ministry of Irrigation and Power, namely:—

1. Short title and commencement:—(1) These rules may be called the Ganga Flood Control Commission (Class IV Posts) Recruitment Rules, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Application:—These rules shall apply for recruitment to the posts as specified in column 1 of the Schedule annexed hereto.

3. Number, classification and scales of pay:—The number of posts, their classification and the scales of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit and other matters:—The method of recruitment to the said posts, age limits and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid:

Provided that the upper age-limit prescribed for direct recruitment may be relaxed in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time.

5. Disqualifications:—No person—

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any of the above posts.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such a marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for doing so, exempt any person from operation of this rule.

6. Power to relax:—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

[No. FC.47(9)/72]

K. RAMESH RAO, Deputy Secy.

SCHEDULE

Recruitment Rules for Class IV Posts in the Ganga Flood Control Commission under Ministry of Irrigation and Power.

Name of the post.	No. of post.	Classification.	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post.	Age for direct recruits.	Educational & other qualifications required for direct recruit.
1	2	3	4	5	6	7
Daftry	1	General Services Class IV Non-gazetted Non-ministerial	Rs. 75-1-85-EB-2-95.	Non-selection	Not applicable	Not applicable
Peon	9	—Do—	Rs. 70-1-80-EB-1-85.	Not applicable	18-25 years.	Middle School certificate Should be able to ride a cycle.
Chowkidar	1	—Do—	—Do—	—Do—	18-25 years.	Desirable Primary School pass.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotions	Method/period of probation, if any.	Method of recruitment, whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer, percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case the recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a D.P.C. exists what is its composition.	Circumstances in which U.P. S.C. is to be consulted in making recruitment.
8	9	10	11	12	13
Not applicable	Two years	By promotion failing which by deputation.	Promotion From amongst peons of Ganga Flood Control Commission with at least three years service in the Grade. Deputation From similar or equivalent grades from Central/State Government Departments. (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years)	DPC Class IV	Not applicable
Not applicable.	Two years	100% by direct recruitment.	Not applicable	Not applicable	Not applicable
Do.	Do.	Do.	Do.	Do.	Do.

सिवाई और विद्युत मंत्रालय

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर 1972

सा० का० नि० 1604--राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सिवाई और विद्युत मंत्रालय के अधीन गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग में कतिपय वर्ग IV पदों पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एतद् द्वारा बनाये हैं, अर्थात्:-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का नाम गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग (वर्ग IV पद) भर्ती नियम, 1972 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना :- ये नियम हमसे उपाखण्ड अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पदों की भर्ती को लागू होंगे।

3. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :- उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, और अन्य बातें :- उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमाएं, और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं:

परन्तु सीधे भर्ती के लिए विनिर्दिष्ट अधिकतम आयु-सीमा, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और व्यक्तियों के अन्य विशेष प्रवर्गों के अर्हताओं के मामले में शिथिल की जा सकती।

5. निरर्हताएं :- वह व्यक्ति

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है;

उक्त पत्र पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूब हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती।

6. शिथिल करने की शक्ति :- जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लिपिबद्ध करके इस नियमों के किसी उपबन्ध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकती।

[सं० फा० 47 (9) 72]

के० रमेश राय, उप सचिव

अनुसूची

सिचाई और विद्युत मंत्रालय के अधीन गंगा बाड़ नियंत्रण आयोग में वर्ग IV पदों के लिए भर्ती नियम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अवयव पद अवयव पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु
1	2	3	4	5	6
दफ्तरी	1	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग IV भराजपत्रित अनुसूचिणीय	75-1-85-ब०रो०-2-95 रु०	अवयव	लागू नहीं होता
खपरासी	9	"	70-1-80-ब०रो०-1-85	लागू नहीं होता	18-25 वर्ष
चौकीदार	1	"	"	"	18-25 वर्ष
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं		सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परीक्षा की कालावधि, यदि हो विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं			
7		8		9	
लागू नहीं होता		लागू नहीं होता		दो वर्ष	
मिडिल स्कूल प्रमाण पत्र — साक्षिक चलानी आनी चाहिए		लागू नहीं होता		दो वर्ष	
बांछनीय प्राइमरी स्कूल पास		लागू नहीं होता		दो वर्ष	
भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद-तियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत है		प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा		यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	
10		11		12	
प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति द्वारा ।		प्रोन्नति गंगा बाड़ नियंत्रण आयोग के खपरासियों में से जिनकी श्रेणी में कम से कम 3 वर्ष की सेवा हो । प्रतिनियुक्ति केन्द्रीय, राज्य सरकार के विभागों से संलग्न या समकक्ष श्रेणी में से । (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी) ।		वि०प्रो०स० वर्ग ।	
100 प्रतिशत सीधे भर्ती द्वारा		लागू नहीं होता		लागू नहीं होता	
100 प्रतिशत सीधे भर्ती द्वारा		लागू नहीं होता		लागू नहीं होता	

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 4th December, 72

(PORTS)

G.S.R.1695:—In exercise of the powers conferred by the Proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby marks the following rules to amend the Tuticorin Harbour Project (Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1968 published with the notification of the Government of India in the late Ministry of Transport and Shipping (Transport Wing No.3-PE(14)/68, dated the 31st December, 1968, namely:—

1. (i) These rules may be called the Tuticorin Harbour Project (Class III and Class IV Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1972.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Tuticorin Harbour Project (Class III and Class IV Posts) Recruitment Rules, 1968, under the heading "PART I—Class III posts" serial Nos.28 and 29 and entries relating thereto shall be omitted".

[No.3-PE(46)/72.]

B. NATARAJAN, Under Secy.

नौवहन और परिवहन मंत्रालय
(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर, 1972.

आ० का० नि० —राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, भारत सरकार के भूतपूर्व परिवहन और नौवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना संख्या 3-पी० ई०(14)/68 तारीख 31 दिसम्बर, 1968 के साथ प्रकाशित तूतीकारिन बन्दरगाह परियोजना (बर्ग 3 और बर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1968 में संशोधन करने के लिये एतद्वारा निम्न-लिखित नियम बनाते हैं; अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम तूतीकारिन बन्दरगाह परियोजना (बर्ग 3 और बर्ग 4 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1972 है।
- (2) वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. तूतीकारिन बन्दरगाह परियोजना (बर्ग 3 और बर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1968 की अनुसूची में "भाग 1-बर्ग 3 पद" शीर्षक के अन्तर्गत क्रम संख्या 28 और 29 तथा तत्सम्बन्धी प्रविष्टियाँ हटा दी जायें।

[सं० 3 पी० ई० (46)/72]

बी. नटराजन, अध्वर सचिव,

New Delhi, the 19th December, 1972

G.S.R.1606 Whereas a draft of the Merchant Shipping (Cargo Ship Construction and Survey) Rules, 1969 was published as required by sub-section (1) of section 299B of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) at pages 477 to 492 of the Gazette of India, Part II-Section 3-Sub-Section(i), dated the 8th February, 1969, under the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport, No. G.S.R. 215, dated the 28th January 1969, inviting objections and suggestions from all persons likely to be effected thereby till the 20th day of March, 1969;

And whereas it is considered desirable to republish the said draft for the information of all persons likely to be affected thereby;

Now, therefore, in pursuance of the powers conferred by sub-section (1) of section 299B of the said Act, the Central Government hereby re-publishes the draft of the said rules and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of forty-five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

1. Short title, commencement, application and exception.—

(1) These rules, may be called the Merchant Shipping (Cargo Ship Construction and Survey), Rules, 1972.

(2) They shall come into force at once.

(3) Unless expressly provided otherwise, they shall apply to:—

- (i) all sea-going cargo ships registered in India of 500 tons gross or more other than pleasure yachts and fishing vessels;

- (ii) all sea-going cargo ships of 500 tons gross or more, other than pleasure yachts and fishing vessels, not registered in India when they are at a port or place in India or within the territorial waters of India:

Provided that rule 4 except sub-rule (1) of that rule, rules 6 to 12 both inclusive, sub-rule (2) of rule 13, sub-rule (2) of rule 18, clauses (c) and (d) of sub-rule (2) of rule 20, rule 24, rule 25 except sub-rule (1) of that rule, rule 27 and sub-rule (2) of rule 29 shall not apply to any ship the keel of which was laid before the 26th May, 1965.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Act" means the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958);
- (b) "B Class panel" means a panel which complies with the requirements of rule 12 of these rules;
- (c) "bulkhead deck" means the uppermost deck upto which the majority of transverse watertight bulkheads are carried;
- (d) "cargo ship construction certificate" means cargo ship construction certificate issued under these rules to a ship of five hundred tons gross or more which is not engaged in international voyages;
- (e) "cargo ships safety construction certificate" means cargo ships safety construction certificate issued under these rules to a ship of five hundred tons gross or more which is engaged in international voyages;
- (f) "combustible material" means any material which is not an incombustible material;
- (g) "control stations" means spaces in which radio equipments, main navigating equipments, Central fire-recording equipment or the emergency generator are or is located;
- (h) "equivalent material" where the words are used in the expression "steel or other equivalent material" means any material which by itself or due to insulation provided, has structural and integrity properties equivalent to steel at the end of an appropriate fire test;
- (i) "gross tonnage" has the same meaning assigned to it in the Merchant Shipping (Tonnage Measurement) Rules 1960, except that where a ship has dual tonnages, the higher of the two shall be deemed to be its tonnage for the purposes of these rules;
- (j) "incumbustible material" means a material which neither burns nor gives off inflammable vapours in sufficient quantity to ignite at a pilot flame, when heated upto approximately 75° C.
- (k) "length" in relation to the length of a ship means:—
 - (i) the length in metres on the summer load water-line from the foreside of the stem to the after side of the rudder post; or
 - (ii) for ships with no rudder post, the length in metres from the foreside of the stem to the axis of the rudder stock; or
 - (iii) for ships with cruiser sterns, the length in metres which shall be taken at 96 per cent of the total length on the summer load water-line or as the length from the foreside of the stem to the axis of the rudder stock whichever is greater;
- (l) "machinery control room" means a room from which the propelling machinery and boilers serving the needs of propulsion may be controlled;
- (m) "machinery space" means any space used for propelling auxiliary or refrigerating machinery, boilers, pumps, engineer's workshops, generators, ventilation or air-conditioning machinery, oil filling stations and similar spaces and trunkways to such spaces;

- (n) "maximum service speed" means the greatest speed which the ship is designed to maintain at sea at its deepest seagoing draught;
- (o) "oil fuel unit" means the equipment used for the preparation of oil fuel for delivery to the oil burners of an oil-fired boiler and includes the oil pressure pumps, filters, and heaters;
- (p) "setting tank" means an oil storage tank having a heating surface of not less than 0.183 sq. metres per tonne of oil capacity;
- (q) "standard fire test" means a test in which a specimen of the material to be tested with a surface area of not less than 4.65 sq. metres and height not less than 2.44 metres, is exposed in a test furnace to a series of time temperature relationships approximately as follows, namely:—

(i) at the end of the first five minutes	538°C
(ii) at the end of the first ten minutes	704°C
(iii) at the end of the first thirty minutes	843°C
(iv) at the end of the first sixty minutes	927°C

- (r) "steering gear power unit" means:—
- (i) in the case of electro hydraulic steering gear, the electric motor, its associated electrical equipment; or
- (ii) in the case of electro hydraulic steering gear, the electric motor, its associated electrical equipment and connected pump.
- (iii) in the case of steam-hydraulic or pneumatic hydraulic steering gear, the driving engine and connected pump;
- (s) "suitable" in relation to material means approved by the Central Government as suitable for the purpose for which it is used;
- (t) "working day" means any day on which Merchant Marine Department Offices are open for transacting business excepting a Sunday or a closed holiday including second Saturday of a month.

3. **Structural strength:**—The structural strength and the number and disposition of transverse water-tight bulkheads of every ship shall be adequate for the service for which the ship is intended.

4. **Watertight doors:**—(1) In every ship in which watertight doors are provided to maintain the water-tight integrity of a bulkhead, every such water-tight door shall be made of a suitable material and shall be efficiently constructed for its intended use.

(2) In every ship:—

- (a) every watertight door of the sliding type shall be capable of being operated by efficient hand-operated gear both at the door itself and from an accessible position above the bulkhead deck;
- (b) the gear, operated from above a bulkhead deck for operating any sliding watertight door fitted in the bulkhead of a machinery space, shall be situated outside the machinery space unless such a position is inconsistent with the efficient arrangement of the necessary gearing;
- (c) wherein there is access from the lower part of a machinery space to a watertight shaft tunnel, the access opening shall be provided with a sliding watertight door which shall be capable of being operated locally on both sides of the door;
- (d) means shall be provided at remote operating positions to indicate when a sliding door is closed;
- (e) watertight doors shall be capable of being operated when the ship is listed up to 15 degrees either way.

5. **Bilge pumping arrangement.**—Every ship shall be provided with efficient bilge pumping plant and means for drainage so arranged that water entering any part of the hull (other than a space permanently appropriated for the carriage of fresh water, water ballast, oil fuel or liquid cargo and for which other efficient means of pumping or drainage are provided) can be pumped out through at least one suction pipe when the ship is on even keel or is listed not more than 5 degrees either way. Wing suction shall be provided, where necessary for the purpose. Efficient means shall be provided whereby water may easily flow to the suction pipes;

Provided that the Central Government may allow the means of pumping or drainage to be dispensed with in particular compartments of any ship or class of ships if it is satisfied that the safety of the ship is not thereby impaired.

6. **Electrical equipment and installations.**—(1) In every ship the electrical equipment and installations, including any electrical means of propulsion shall be such that the ship and all persons on board are protected against electrical hazards and shall conform to the standards accepted by the Central Government.

(2) Every ship in which electric power is the only power for maintaining auxiliary services essential for the propulsion or safety of the ship, shall be provided with two or more generating sets of such power so that the aforesaid services can be maintained when any one of the sets is out of service.

(3) In every ship in which the electrical load includes services essential for the propulsion or safety of the ship and the normal sea load is such as to require simultaneous working of two or more generators, arrangements shall be made to trip automatically sufficient non-essential load when the total current exceeds the connected generator capacity.

7. **Emergency Source of Electric Power in ships of 5000 tons gross or over.**—(1) In every ship of 5000 tons gross or over, a self contained emergency source of electric power shall be provided in a position above the uppermost continuous deck and outside the machinery casings, so arranged as to ensure its functioning in the event of fire or other casualty causing failure of the main electrical installation.

(2) In every such ship the emergency source of electric power required under such-rule(1), shall be capable of operating the following services simultaneously, for a consecutive period of not less than six hours; namely:—

- (a) the emergency lighting required under the Indian Merchant Shipping (Life Saving Appliances) Rules, 1956;
- (b) the emergency lighting system provided in the main machinery space, the space containing the ship's main electric generating plant, on the navigating bridge and in the chart room;
- (c) the general alarm, if electrically operated;
- (d) the ship's navigation lights, if solely electric; and
- (e) the day light signalling lamp, if it is operated by the ship's main source of electric power

(3) In every such ship:—

- (a) the emergency source of electric power required under sub-rule (1) shall be either accumulator (storage batteries, capable of complying with the requirements of sub-rule (2) without being recharged or suffering an excessive voltage drop, or it shall be a generator driven by internal combustion type machinery with an independent fuel supply and with efficient starting arrangements and the fuel provided for such machinery shall have a flash point of not less than 43°C;
- (b) the emergency source of electric power shall be so arranged that it will operate efficiently when the ship is listed 22½ degrees and when the trim of the ship is 10 degrees from an even keel;
- (c) provision shall be made for the periodical testing of the emergency source of electric power and its associated Circuit.

8. Emergency source of electrical power in ships of 1600 tons gross or over but less than 5,000 tons gross — (1) In every ship of 1 600 tons gross or over but of less than 5000 tons gross a self contained source of electric power shall be provided in a position above the uppermost continuous deck or raised quarter deck and outside the machinery casings, so arranged as to ensure its functioning in the event of fire or other casualty causing failure of the main electrical installation.

(2) The emergency source of electric power required under sub-rule (1) shall be capable of operating the following services simultaneously, for a consecutive period of not less than three hours, namely:—

(a) the emergency lighting required under the Indian Merchant Shipping (Life Saving Appliances) Rules, 1956;

(b) the general alarm, if electrically operated; and

(c) the ship's navigation lights, if solely electric

(3) In every such ship:—

(a) the emergency source of electric power required under sub-rule (1) shall be either accumulator (storage) batteries capable of complying with the requirements of sub-rule (2) without being recharged or suffering an excessive voltage drop or it shall be a generator driven by internal combustion type machinery with an independent fuel supply and with efficient starting arrangements and the fuel provided for such machinery shall have a flash point of not less than 43°C;

(b) the emergency source of electric power shall be so arranged that it will operate efficiently when the ship is listed 22½ degrees and when the trim of the ship is 10 degrees from an even keel;

(c) Provision shall be made for the periodical testing of the emergency source of electric power and its associated circuits.

9. Emergency source of electric power in ships of less than 1600 tons gross—(1) In every ship of less than 1600 tons gross not having its main source of electric power situated above the uppermost continuous deck or raised quarter deck and outside the machinery casings, a self contained emergency source of electric power shall be provided in a position above the uppermost continuous deck or raised quarter deck and outside the machinery casings, so arranged as to ensure its functioning in the event of fire or other casualty causing failure of the main electrical installation.

(2) The emergency source of electric power required under sub-rule (1) shall be capable of operating the following services simultaneously, for a consecutive period of not less than three hours, namely:—

(a) the emergency lighting required under the Indian Merchant Shipping (Life Saving Appliances) Rules, 1956;

(b) the general alarm, if electrically operated; and

(c) the ship's navigation lights, if solely electric

(3) In every such ship:—

(a) the emergency source of electric power required under sub-rule (1) shall be either accumulator (Storage) batteries capable of complying with the requirements of sub-rule (2) without being recharge or suffering an excessive voltage drop or it shall be a generator driven by internal combustion type machinery with an independent fuel supply and with efficient starting arrangements and the fuel provided for such machinery shall have a flash point of not less than 43°C;

(b) the emergency source of electric power shall be so arranged that it will operate efficiently when the ship is listed 22½ degrees and when the trim of the ship is 10 degrees from an even keel;

(c) provision shall be made for the periodical testing of the emergency source of electric power and its associated circuits.

10. Electric and electrohydraulic steering gear—(1) In every ship which is fitted with electric or electrohydraulic steering gear, indicators shall be provided which will show when the power units of such steering gear are running. These indicators shall be situated in the machinery control room or in such other position or positions as the Central Government may approve and on the navigating bridge.

(2) In every ship of 5000 tons gross or over the following provision shall be made, namely:—

(a) electric and electrohydraulic steering gear shall be served by two circuits fed from the main switch board one of which may pass through the emergency switch board, if an emergency switch board is provided on the ship. Each circuit shall have adequate capacity for supplying all the motors which are normally connected to it and which operate simultaneously, and if transfer arrangements are provided in the steering gear room to permit either circuit to supply any motor or combination of motors, the capacity of each circuit shall be adequate for the most severe load condition. The circuit shall be separated as widely as is practicable throughout their length;

(b) short circuit protection only shall be provided for such circuits and motors.

(3) Every ship under 5000 tons gross, in which electric power is the sole source of power for both main and auxiliary steering gear, shall comply with the requirements of sub-rule (2) except that if the auxiliary steering gear is powered by a motor primarily intended for other sources, suitable over load protection may be fitted.

11. Precautions against shock, fire and other hazards of electrical origin—(1) In every ship all electrical equipments shall be so constructed and installed that there will be no danger of injury to any person handling it in a proper manner. Subject to the provisions of sub-rule (2), where electrical equipment supplied as ship's equipment is required to be operated at a voltage in excess of 55 volts, the exposed metal parts of such equipment which are not intended to have voltage above that of earth but which may have such a voltage under fault conditions shall be earthed.

(2) In every ship, exposed metal parts of portable electric lamps, tools and similar apparatus supplied as ship's equipment required to be operated at a voltage in excess of 55 volts, shall be earthed through a conductor in the supply cable, unless by the use of double insulation or a suitable isolating transformer, protection, at least as effective as earthing through a conductor is provided. When electric lamps, tools or other apparatus are used in damp spaces, provision shall be made so far as practicable, to ensure that the danger of electric shock is reduced to a minimum.

(3) In every ship each main and emergency switch board shall be so arranged as to give easy access to the back and the front thereof, without danger to any person. Every such switch board shall be suitably guarded and a non-conducting mat or grating shall be provided at its back and the front, where necessary. No exposed, parts which may have a voltage, between conductors or to earth, exceeding 250 volts direct current or 55 volts alternating current, shall be installed on the face of any such board or control panel.

(4) The hull return system of distribution shall not be used in any ship:

Provided that the Central Government may exempt any ship other than a tanker from complying with the requirements of this sub-rule

(5) In every ship, each electric cable shall, at every position at which an electrical fault may cause a fire, be flame-retardant, sheathed or armoured or otherwise equally effectively protected. All metal sheaths and metal armour or electrical cable shall be electrically continuous and shall be earthed.

(6) In every ship, lighting fittings shall be so arranged as to prevent rises in temperature which would be injurious to the electrical Wiring thereof or which would result in a risk of fire in the surrounding material.

(7) In every ship, wiring shall be supported in such a manner as to avoid chafing and other injury.

(8) In every ship,—

- (a) each separate electrical circuit, shall be protected against short circuit;
- (b) each such separate electrical circuit other than a circuit in respect of which the Central Government has granted an exemption, shall be protected against over load. On or near each over-load protective device, the current carrying capacity of the circuit which it protects and the rating or setting of the device shall be clearly and permanently indicated.

(9) In every ship, all accumulator (storage) batteries shall be housed in boxes or compartments which are constructed to protect the batteries from damage and are ventilated to minimise the accumulation of explosive gas. Devices liable to arc shall not be installed in any compartment assigned principally to accumulator batteries.

(10) In every ship in which electric space heater forms a part of its equipment every such electric space heater shall be fixed in such a position and shall be so constructed as to reduce the risk of fire to the minimum. No such heater shall be constructed with an element so exposed that clothing, curtains or other materials can be scorched or set on fire by heat from the element.

12. *Fire Protection.*—(1) This rule shall apply to all cargo ships of 4000 tons gross or over and sub-rule (9) shall apply also to cargo ships of 500 tons gross or over.

(2) In a ship in which a bulkhead is required to be constructed of 'B' class panels, such panels shall be capable of preventing the passage of flame throughout a standard fire test of 30 minutes duration. Every incombustible 'B' class panel used for this purpose shall be such that if either face thereof is exposed to a standard fire test of 30 minutes duration, the average temperature on the unexposed face of the panel shall not increase at any time during the first 15 minutes of the test and during the entire period of the test it shall not exceed by more than 139°C above the initial temperature on that face nor shall the temperature at any one point thereon increase by more than 225°C above the initial temperature. Every combustible 'B' class panel used for this purpose shall be such that if either face thereof is exposed to a fire test of 30 minutes duration the average temperature on the unexposed face of the panel shall not increase by more than 139°C above the initial temperature on that face nor shall the temperature at any one point thereon increase by more than 225°C above the initial temperature.

(3) In every ship,—

- (a) The hull including the superstructure, bulkheads, decks and deck houses shall be constructed of steel;—

Provided that in special cases the Central Government may permit any of these to be constructed of such other suitable materials as it may deem fit, having regard to the risk of fire.

- (b) The corridor bulkheads serving accommodation spaces and control stations shall be constructed of steel or 'B' class panels.

(4) In every ship,—

- (a) The doorways and similar openings in corridor bulkheads shall be capable of being closed by permanently attached doors or by shutters;
- (b) The number of ventilation openings in such bulkheads shall be kept to a minimum. Such openings shall, so far as is reasonably practicable, be in the lower part of the door.

(5) In every ship, interior stairways, ladders and crew lift trunks within accommodation spaces shall be constructed of steel or other equivalent material.

(6) In every ship, the boundary bulkheads of any emergency generator room and the bulkheads separating a gally, paint-room, lamp room, or boatswain's store from an accommodation space shall be constructed of steel or other equivalent material.

(7) In every ship, deck coverings within accommodation spaces and control stations on the deck forming the crown of machinery and cargo spaces shall be of a type which will not readily ignite.

(8) In every ship:—

- (a) paints, varnishes and other surface materials having a nitrocellulose or other highly inflammable base shall not be used in accommodation spaces, machinery spaces and control stations;
- (b) pipes intended to convey oil or other combustible liquids shall be of a material acceptable to the Central Government having regard to the risk of fire;
- (c) overboard scuppers, sanitary discharges or other outlets close to the waterline shall not be of a material likely to fail in the event of fire and thereby give rise to a danger flooding; and
- (d) cellulose nitrate film shall not be used in cinematograph installations.

(9) In every ship,—

- (a) the skylights to spaces containing main propulsion machinery or oil fired boilers or auxiliary internal combustion type machinery of a total horse power of 1000 or over shall be capable of being closed and, where, practicable, opened, from outside the spaces in the event of fire and where they contain glass panels, such panels shall be of fire resisting construction fitted with wire reinforced glass and shall have external permanently attached shutters of steel or other equivalent material;
- (b) windows shall not, be fitted in engine casings except where the Central Government is satisfied that they are necessary and will not constitute a fire hazard. Where such windows are fitted they shall be of the non-opening type and shall be of fire resisting construction fitted with wire reinforced glass and shall have permanently attached external shutters of steel or other equivalent material.

13. *Boilers and machinery.—General.*—(1) In every ship, the machinery, boilers and other pressure vessels shall be of a design and construction adequate for the service for which they are intended and shall be so installed and protected as to reduce to a minimum any danger to persons on board.

(2) Without prejudice to the generality of the requirement of sub-rule (1), in boilers and machinery of every ship means shall be provided which will prevent over-pressure of any part of such machinery, boilers and other pressure vessels and in particular every boiler and every oil-fired steam generator shall be provided with not less than two safety valves:

Provided that the Central Government may, having regard to the output or any other feature of any boiler or unfired steam generator, permit only one safety valve to be fitted if it is satisfied that adequate protection against overpressure is provided.

14. *Boilers and other pressure vessels.*—(1) In every ship, every boiler or other pressure vessel and its respective mountings shall, before being put into service for the first time, be subjected to a hydraulic test to a pressure suitably in excess of the working pressure of that boiler or the pressure vessel as the case may be so as to ensure that the boiler or any other pressure vessel together with its mountings is adequate in strength and design for the service for which it is intended having regard to:—

- (a) the design and the material of which it is constructed;
- (b) the purpose for which it is intended to be used; and
- (c) the working conditions under which it is intended to be used.

(2) Every such boiler or pressure vessels and its respective mountings shall be maintained in an efficient condition.

(3) In every ship, provision shall be made which will adequately facilitate the cleaning and inspection of every pressure vessel.

15. *Machinery*.—(1) In every ship, main and auxiliary machinery essential for the propulsion and safety of the ship shall be provided with effective means of control and the machinery shall be capable of being brought into operation when initially no power is available in the ship.

(2) In every ship, where risk from overspeeding of machinery exists, means shall be provided to ensure that the safe speed is not exceeded.

(3) In every ship, where main or auxiliary machinery or any parts of such machinery are subject to internal pressure, such machinery or such parts shall, before being put into service for the first time, be subjected to a hydraulic test to a pressure suitably in excess of their working pressure having regard to—

- (a) the design and the material of which they are constructed;
- (b) the purpose for which they are intended to be used; and
- (c) the working conditions under which they are intended to be used.

(4) In every ship, main or auxiliary machinery or any parts thereof which are subject to internal pressure shall be maintained in an efficient condition.

16. *Means of going astern*.—Every ship shall have sufficient power for going astern to secure proper control of the ship in all normal circumstances.

17. *Shafts*.—In every ship, each shaft shall be so designed and constructed that it will withstand the maximum working stresses to which it may be subjected, with a factor of safety which is adequate having regard to:—

- (a) the material of which it is constructed;
- (b) the service for which it is intended; and
- (c) the type of engines by which it is driven or of which it forms a part.

18. *Boiler Feed System*.—(1) In every ship, every boiler which provides services essential for the safety of the ship and which could be rendered dangerous by the failure of its feed water supply, shall be provided with not less than two efficient and separate feed water systems so arranged that either or such systems may be opened for inspection or overhaul without affecting the efficiency of the other. In every such system means shall be provided which will prevent overpressure in any part of the system.

(2) If in any ship a possibility of oil entering the feed water system exists, the arrangements for the supply of boiler feed water shall provide for the interception of oil in the feed water.

(3) Every feed check valve, fitting or pipe through which feed water passes from a pump to such boilers shall be designed and constructed to withstand the maximum working stresses to which it may be subjected, with a factor of safety which is adequate having regard to the material of which it is constructed and the working conditions under which it will be used. Every such valve, fitting or pipe shall, before being put into service for the first time, be subjected to a hydraulic test suitably in excess of the maximum working pressure of the boiler to which it is connected or of the maximum working pressure to which the feed line may be subjected, whichever is greater, and shall be maintained in an efficient condition.

(4) The feed pipes referred to in sub-rule (3) shall be adequately supported.

19. *Steam pipe system*.—(1) In every ship, every steam pipe and every fitting connected, thereto through which steam may pass shall be so designed and constructed as to withstand the maximum working stresses to which it may be subjected, with a factor of safety which is adequate having regard to:—

(a) the material of which it is constructed; and

(b) the working conditions under which it will be used.

(2) Without prejudice to the requirement of sub-rule (1), every such steam pipe or fitting shall, before being put into service for the first time, be subjected to a test by hydraulic pressure to a pressure suitably in excess of its working pressure to be determined having regard to the requirements of clauses (a) and (b) of sub-rule (1), and every such steam pipe or fitting shall be maintained in an efficient condition.

(3) Steam pipes shall be adequately supported.

(4) Provision shall be made which will avoid excessive stress likely to lead to the failure of any such steam pipe or fitting whether by reason of variation in temperature, vibration or otherwise.

(5) Efficient means shall be provided for draining every such steam pipe so as to ensure that the interior of the pipe is kept free of water and that water hammer action will not occur under any conditions likely to arise in the course of the intended service of the ship.

(6) If in any ship a steam pipe is required to receive steam from any source at a higher pressure than it can withstand with an adequate factor of safety, an efficient reducing valve, relief valve and pressure/gauge shall be fitted to such pipe.

20. *Air pressure system*.—(1) In every ship in which machinery essential for the propulsion and safety of the ship or persons on board is required to be started, operated or controlled solely by compressed air, and efficient air system shall be provided which shall include a sufficient number of air compressors and compressed air storage vessels so as to ensure that an adequate supply of compressed air is available under all conditions likely to be met in service.

(2) (a) Parts of every such compressed air system other than a pneumatic control system which are subjected to air pressure shall be so designed and constructed as to withstand, with adequate factor of safety, the maximum working stresses to which they may be subjected and every air pressure pipe or fitting in such system shall, before being put into service for the first time, be subjected to a hydraulic test to twice its maximum working pressure and be maintained in an efficient condition.

(b) Means shall be provided to prevent over-pressure in any part of any such compressed air system and where water jackets or casings of air compressors and coolers might be subjected to dangerous dangerous over-pressure due to leakage into them from air pressure parts, suitable and adequate pressure relief arrangements shall be provided.

(c) In every such compressed air system provision shall be made—

(a) to reduce to a minimum entry of oil into the system;

(b) to drain the system; and

(c) to protect the system from the effects of internal explosion.

(d) In every such compressed air system, discharge pipes from starting air compressors shall lead directly to the starting air receivers, and all starting air pipes from the receivers leading to main or auxiliary engines shall be entirely separate from the compressor discharge pipe system.

21. *Cooling water system*.—In every ship in which cooling water services are essential for the running of the propelling machinery, at least two means of operating such water services shall be provided.

22. *Lubricating and other Oil Systems*.—In every ship in which oil for lubrication, cooling or operation of the main propelling machinery and its ancillary services is circulated under pressure, adequate provision shall be made so that in the event of the failure of a pump an alternative means of circulating such oil is available.

23. *Oil and Gaseous Fuel Installations.*—(1) In every ship, oil fuel provided for use in boilers or machinery shall have flash point of not less than 65.6°C (closed test).

Provided that the Central Government may, subject to such conditions as it may impose,—

- (a) permit any ship to use oil fuel having a flash point of not less than 54.5°C in boilers or of not less than 43.4°C in international and combustion type machinery; and
- (b) permit the use of gaseous fuel in ships designed for the carriage of liquefied gas if such fuel results solely from exaporation of cargo carried.

(2) Nothing in sub-rule (1) shall apply to fuel provided for the machinery operating the emergency source of electric power required under clause (a) of sub-rule(3) of rule 7 clause (a) of sub-rule (3) of rule 8 and clause (a) of sub-rule(3) of rule 9.

(3) In every ship in which oil or gaseous fuel is used the arrangements for the storage, distribution and utilisation of the fuel shall be such that, having regard to the hazards of fire and explosion which the use of such fuel may entail, the safety of the ship and of persons on board is preserved.

(4) In every ship in which oil or gaseous fuel is used in engines or boilers for the propulsion or safety of the ship, the arrangements for the storage, distribution and utilisation of the fuel shall be such that the effective use of the engines can be maintained under all conditions likely to be met by the ship in service.

(5) Every oil fuel installation which serves a boiler that supplies steam for the propulsion of the ship shall include not less than two oil fuel units.

24. *Communication between bridge and engine room.*—Every ship shall be provided with two means of communicating orders from the navigating bridge to the engine room control platform. One of the means shall be an engine room telegraph.

25. *Steering gear.*—(1) Every ship shall be provided with efficient main and auxiliary steering gear :

Provided that if duplicate steering gear power units and their connections are fitted to the satisfaction of the Central Government and each such power unit complies with the requirements of Clause (c) of sub-rule (2), and the duplicate units and connections operating together comply with the requirements of Clause (b) of sub-rule 2, the Central Government may dispense with the requirement of providing an auxiliary steering gear on any ship :

(2) In every ship,—

- (a) the main steering gear, including the rudder and associated fittings, shall be of adequate strength and sufficient to steer the ship at maximum service speed. The main steering gear and rudder stock shall be so designed that they are not damaged at maximum astern speed;
- (b) the main steering gear shall be capable of putting the rudder over from 35° on one side to 35° on the other side with the ship running ahead at maximum service speed. The rudder shall be capable of being put over from 33° on either side to 30° on the other side in 28 seconds at maximum service speed;
- (c) the auxiliary steering gear shall be capable of being brought rapidly into action and shall be of adequate strength and of sufficient power to enable the ship to be steered at navigable speed. In any ship a rudder stock of over 35.56 centimetres diameter in way of the tiller is required to comply with the requirements of clause (a), the auxiliary steering gear shall be operated by power.

(3) In every ship, which is fitted with a power operated steering gear, the position of the rudder shall be indicated at the principal steering station.

26. *Spare gear.*—Every ship shall be provided with sufficient spare gear having regard to the intended service of the ship.

27. *Compasses.*—(1) Subject to the provisions of sub-rule (2), every ship shall be provided with two efficient magnetic compasses which shall be mounted in binnacles and sited on the ship's centre line. One of such compasses shall be provided for use as a standard compass and shall be sited near the normal steering position and in a position from which the view of the horizon is least obstructed. The other of such compasses shall be provided for use as a steering compass and shall be sited at the normal steering position unless the projected or reflected image of the standard magnetic compass is provided for this purpose or gyrocompass or a repeater from a gyro or transmitting magnetic compass is positioned near the normal steering position, in which case the second magnetic compass, mounted in a binnacle or in a pedestal, may be fitted at the emergency steering position.

(2) Where there is no emergency steering position, two magnetic compasses and binnacles shall not be required, provided that the ship is equipped with a standard projector magnetic compass and a gyrocompass with repeaters and provided also that a spare magnetic compass bowl with its gimbal units is carried on board so that it may be interchanged with the standard compass if that compass should become unserviceable.

28. *Anchors and chain cables.*—Every ship shall be provided with such anchors and chain cables as are sufficient in number, weight and strength, having regard to the size and the intended service of the ship.

29. *Means of escape.*—(1) In every ship, stairways and ladderways shall be so arranged as to provide easy means of escape to the lifeboat embarkation deck from all crew spaces, and other spaces in which the crew are normally employed.

(2) In every ship, two means of escape shall be provided from each engine room, shaft tunnel and boiler room as widely separated from one another as practicable, one of which may be a watertight door if such a door is available as a means of escape. Where no such watertight door is available the two means of escape shall consist of two sets of steel ladders leading to separate doors in the casing or elsewhere from which there is access to the lifeboat or liferaft embarkation on deck or decks :

Provided that the Central Govt. may exempt any ship of less than 2000 tons gross from the requirements of this sub-rule.

30. *Means of stopping machinery shutting off oil fuel, suction pipes and closing of openings.*—(1) In every ship means shall, be provided for stopping ventilating fans fitted in the machinery accommodation and cargo spaces. For machinery and cargo spaces, means shall be provided for closing all skylights, doorways, ventilators, annular spaces around funnels and other openings to such spaces. Such means shall be capable of being operated from positions outside the said spaces which would not become inaccessible by a fire within such spaces.

(2) In every ship, machinery driving-forced and induced-draught fans, oil fuel transfer pumps, oil fuel pumps and other similar fuel pumps shall be fitted with remote controls situated outside the spaces in which machinery or pumps are situated. Such controls shall be capable of stopping such machinery or pumps in the event of fire in the said spaces.

(3) (a) In every ship, every pipe connected to any oil fuel storage, settling or daily service tank, not being a double bottom tank, which, if damaged, would permit discharge of contents so as to cause a fire hazard, shall be fitted with a valve or cock which shall be secured to the tank to which it is connected and be capable of being closed from a readily accessible position outside the space in which the tank is situated :

Provided that if the inlet pipe is fitted to such a tank a non-return valve similarly secured to the tank may be substituted for the valve or cock required under this sub-rule.

(b) Every such pipe connected to an oil fuel deep-tank transversed by any shaft or pipe tunnel, in addition to the valve to be fitted to the tank under the requirements of clauses (a), a valve or valves may be fitted on the pipe line or lines outside the tunnel or tunnels to enable control to be exercised in the event of fire.

31. *Survey of ships before the issue of cargo ship construction certificate or cargo ship safety construction certificate.*—(1) The owner of every ship shall cause his ship to be surveyed by a surveyor for the purpose of issue of a Cargo Ship Construction Certificate or a Cargo Ship Safety Construction Certificate, as the case may be, under these rules.

(2) An application for such survey shall be made by the owner master or agent in the appropriate form prescribed in this behalf in Schedule I to these rules, and it shall be accompanied by plans, designs and such other data and information as the Principal Officer may require.

(3) An application for survey shall be made, not later than 72 hours before the hour at which the survey is desired to be commenced to the Principal Officer of the district concerned or such other officer or officers whom the Central Government may appoint in this behalf by a notification in the Official Gazette, during office hours on any working day.

(4) Fees for survey under these rules shall be levied at the appropriate rates specified in this behalf in Schedule II to these rules and no application shall be entertained unless it is accompanied by appropriate fees.

(5) On receipt of an application for survey and the survey fee, the officer receiving it shall deliver to the applicant an official receipt for the fees so paid and an intimation that the application is received.

(6) Surveys shall be conducted at the ports of Calcutta, Bombay, Madras, Visakhapatnam, Cochin, Mormugoa, Bedibunder and at such other ports or places as the Central Government may appoint to be the places of survey in India by a notification issued in the Official Gazette :

Provided that, if the applicant so desires and the circumstances so permit, the Principal Officer, may arrange survey at any other port or place on applicant agreeing in writing to reimburse to the Central Government the expenditure incurred by Government on the travelling allowance and daily allowance admissible to the surveyor under relevant rules and regulations in this behalf.

(7) On receipt of an application, the Principal Officer shall cause the ship to be surveyed by a surveyor on any working day between 7.00 A.M. and 5.00 P.M. :

Provided that, if so required by the applicant and circumstances permitting, the Principal Officer may arrange survey to be made on a day other than a working day on payment of overtime fees at the rate of Rs. 200 for each visit of the survey on such days, in addition to the fees payable under sub-rule (4).

(8) If requisite preparations enabling the survey to carry out the survey are not made on the day and at the hour for the intended survey mentioned in the application or if the survey is unavoidably detained or otherwise prevented from conducting the survey on such day and such hour, any other day and hour may be fixed for the survey of the ship which may be convenient both to the surveyor and the applicant.

(9) The surveyor shall survey the ship and shall satisfy himself that the arrangements, materials and scantlings of the structure, boilers and other pressure vessels and their appurtenances, other than domestic boilers having a heating surface of 4.65 sq. metres or less or a working pressure of 3.52 k. gms per sq. centimetre or less and other domestic pressure vessels having such a working pressure, main and auxiliary machinery, electrical installations and other equipments comply with the requirements of these rules and are in all respects satisfactory for the services for which the ship is intended having regard to the period for which a cargo ship construction certificate or a cargo ship safety construction certificate, as the case may be, in respect of the ship is to be issued.

(10) The surveyor, if satisfied on survey that he may properly do so, shall forward to the Principal Officer a report on the survey in the appropriate form prescribed in Schedule I to these rules.

(11) The Principal Officer, if satisfied on the scrutiny of the report on survey of the ship that he may properly do so, shall issue a cargo ship construction certificate or a cargo ship safety construction certificate, as the case may be, in respect of the ship.

32. *Intermediate Surveys.*—(1) The owner of every ship in respect of which a cargo ship construction certificate or a cargo ship safety construction certificate has been issued shall, as long as the said certificate remains in force, cause the ship to be surveyed in the manner and at the intervals specified in sub-rule (2) for the purpose of ascertaining that the ship complies with all such requirements of its cargo ship construction certificate or the cargo ship safety construction certificate, as the case may be, to remain in force and if the ship is not so surveyed the Principal Officer may cancel the certificate.

(2) The survey to be carried under sub-rule (1) shall be as follows :—

(a) the hull and ship's side fastenings shall be examined in dry dock at intervals not exceeding two years and ship's side fittings shall be thoroughly examined at intervals not exceeding four years.

Provided that where the Principal Officer is satisfied in the case of any ship that an extension of this period is justified, he may, on application of the owner, extend the period between the two surveys by such period as he may consider necessary but such period of extension shall not exceed 12 months.

(b) all boilers including exhaust gas or steam heated steam generators, economisers and domestic boilers, other than domestic boilers having a heating surface of 4.65 sq. metres or less and a working pressure of 3.52 kgms per sq. centimetre or less, shall be examined internally and externally at intervals not exceeding two years until they are eight years old and thereafter annually :

Provided that where the Principal Officer is satisfied in the case of any ship that the extension of this period is justified, he may on application of the owner, extend the period between two surveys by such period as he may consider necessary, but not exceeding six months.

(c) screw shafts and tube shafts fitted with continuous liners or running in oil shall be withdrawn and surveyed at intervals not exceeding three years and other screws and tube shafts shall be withdrawn and surveyed at intervals not exceeding two years :

Provided that in the case of single screw ships where shafts have liners or approved oil glands or are made of approved corrosion resistant material, the interval between two surveys may be extended by a period not exceeding twelve months if the Principal Officer is satisfied that—

(i) the shafts are withdrawn and examined at each survey by an efficient crack detection method; and

(ii) the design of the keyway is such as to justify the period of extension.

(3) Every application for the survey of a ship under this rule shall be made in the appropriate form prescribed in Schedule I to these rules and shall be made to the Principal Officer by whom the cargo ship construction certificate or the cargo ship safety construction certificate, as the case may be, was issued :

Provided that where a ship holds a cargo ship construction certificate of a cargo ship safety construction certificate, as the case may be, issued outside India, the application may be made to the Principal Officer of any district.

(4) The Principal Officer, on receipt of the application and on payment of fees by the applicant at the appropriate rate prescribed in this behalf in Schedule II to these rules, shall cause the ship to be surveyed by a surveyor.

(5) The Surveyor shall survey the ship with a view to satisfying himself :—

(a) that such of the parts of the ship and its equipment specified in sub-rule (2) as are subject to the application for the survey remain efficient, so far as practicable; and

(b) that no material alterations have been made in the hull, machinery or equipment of the ship to which the cargo ship construction certificate or the cargo ship safety construction certificate, as the case may be, relates, without the previous approval of the Principal Officer.

(6) On completion of the survey in accordance with the requirements of sub-rule (5), the survey shall forward a Report of survey of the ship in the appropriate form prescribed in this behalf in Schedule I to these rules to the Principal Officer.

(7) The Principal Officer, if satisfied on the scrutiny of the report on survey that he may properly do so, allow the cargo ship construction certificate or the cargo ship safety construction certificate, as the case may be, to remain in force or cancel it as he may deem fit.

Schedule I

[See rules 31(2), 31(10), 32(3) and 32(6)]

National Ref No.

Seal.

Application for survey for grant or renewal of Cargo Ship construction certificate/Cargo Ship safety construction certificate or Intermediate Survey.

(In order to avoid delay, not less than 72 hours notice should be given for Surveys or Inspections at Bombay, Calcutta, Madras, Visakhapatnam or Cochin. For other ports, as much notice as possible should be given).

Sir,

I beg to apply for the Survey described overleaf. I forward the survey fee of Rs. ps. herewith and agree to pay the expenses and balance of fees which may be properly chargeable in connection with the case.

Signature

Designation

Date

Full address:-

To

The Principal Officer/.....
Mercantile Marine Department,
District.

(To be filled in at the Mercantile Marine Office).

The fee of Rs. has been duly received and receipt No has been granted.

Passed to the following Surveyor/Surveyors for necessary action:

Dated

Principal Officer

District.

Noted.

Date

Surveyors

Particulars of ship

Name of ship	Port of Registry	Official No.	Steam Motor or Sail	Registered length	Classification, if any.	Tonnage Gross Register

Hull when and where built—Material	Engines when built and by whom—Brief Particulars IHP/NHP/BHP	Boilers when built and by whom—Working pressure	Intended Voyage or service.	Proposed date of sailing

Name and address of owners or agents of ship

Name and Telephone number of Marine/Engineer Superintendent or Agent responsible for arranging surveys.

Details of last Cargo Ship Construction Certificate/Cargo Ship Safety Construction Certificate or other Certificate and date of expiry

Nature of Survey/Inspection now required

Particulars of Casualties to the ship since her last survey, (if any)

Place where and date and hour when ship will be ready for survey

Any special remarks.

SCHEDULE II

[See rule, 31(4) and 32(4)]

Table of Fees payable for Surveys conducted for the purposes of Grant or renewal of a Cargo Ship Construction Certificate or a Cargo Ship Safety Construction Certificate and Intermediate Surveys conducted for partial Inspections

Gross Tonnage of a ship	Fees payable for survey before issue of Cargo Ship Construction Certificate/Cargo Ship Safety Construction Certificate.	Fees payable for surveys before renewal of Cargo Ship Construction Certificate/Cargo Ship Safety Construction Certificate.	Fees payable for any intermediate survey during period of validity of Cargo Ship Construction Certificate/Cargo Ship Safety Construction Certificate.
(1)	(2)	(3)	(4)
500 tons and above but less than 1000 tons.	Rs. 5000/-	Rs. 1200/-	Rs. 300/-
1000 tons and above but not less than 5000 tons	Rs. 5000/- for first 1000 tons plus Rs. 250/- for every 100 tons more, or part thereof.	Rs. 1200/- for first 1000 tons plus Rs. 45/- for every 100 tons more, or part thereof.	Rs. 300/- for first 1000 tons plus Rs. 10/- for every 100 tons more, or part thereof.
5000 tons and above but less than 10000 tons.	Rs. 15000/- for first 5000 tons gross plus Rs. 200/- for every 100 tons more, or part thereof.	Rs. 3,000 for first 5000 tons gross plus Rs. 30/- for every 100 tons more, or part thereof.	Rs. 700/- for first 5000 tons gross plus Rs. 8/- for every 100 tons more, or a part thereof.
10000 tons and above but not less than 15000 tons.	Rs. 25,000/- first 10000 tons gross plus Rs. 150/- for every 100 tons more, or a part thereof.	Rs. 4,500/- for first 10000 tons gross plus Rs. 20/- for every 100 tons more or a part thereof.	Rs. 1100/- for first 10000 tons gross plus Rs. 5/- for every 100 tons or a part thereof.
15000 and over.	Rs. 32,500/- first 15000 tons plus Rs. 100/- for every 100 tons more, or part thereof.	Rs. 5,500/- for first 15000 tons plus Rs. 15/- for every 100 tons more or part thereof.	Rs. 1350/- for first 15000 tons plus Rs. 4/- for every 100 tons more, or a part thereof.

Note:—(1) Where a surveyor carries out a survey before the renewal of a Cargo Ship Safety Construction Certificate or, as the case may be, Cargo Ship Construction Certificate or an intermediate survey and such survey is not completed in one operation but is effected by two or more partial surveys, fees payable for such survey shall be the appropriate fees in accordance with column (3) or as the case may be, column (4) of the Table herein before set out plus Rs. 60 for each additional visit of a surveyor.

(2) Where at the express request of owner or master of the ship, surveyor is detained after 5.00 P.M. an additional fee of Rs. 75 shall be payable if the Surveyor is released before 7.00 P.M. and of Rs. 100 if the Surveyor is released any time after 7.00 P.M.

(3) Where a Surveyor carried out concurrently with a survey of classification purposes survey before issue or renewal of a Cargo Ship Safety Construction Certificate or an intermediate survey required under these rules, no fees shall be payable according to the Table of fees set out hereinbefore in this Schedule.

[No. 30-MD(4)/67-ML]

B.K. SAHI, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर 1992

सां०का०नि० 1606.—यतः वाणिज्य पोत परिवहन (स्थोरा पोत सन्निर्माण और सर्वेक्षण) नियम, 1969 का प्राक्प, वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 299 ख की उपधारा (I) द्वारा यथाप्रोक्षित भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना सं० सां०का०नि० 215, तारीख 28 जनवरी के 1969 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखंड (I), तारीख 5 फरवरी, 1972 के पृष्ठ 402 से 416 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उन सभी व्यक्तियों से, जिनका उससे प्रभावित होना संभाव्य था, आक्षेप और सुझाव 20 नवम्बर 1971 तक मागे गये थे :

और यतः उक्त प्राक्प को उन सभी व्यक्तियों की, जिनका उससे प्रभावित होना संभाव्य है, जानकारी के लिए पुनः प्रकाशित करना वाछनीय समझा गया है; अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 299 ख की उपधारा (I) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, उक्त नियमों के प्राक्प को एतद्वारा पुनः प्रकाशित करती है और एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्राक्प पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन के अवसान के पश्चात् विचार किया जाएगा।

उक्त प्राक्प के बारे में किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि के अवसान के पूर्व प्राप्त किसी भी आक्षेप या सुझाव पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

1. संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ, लागू होना और अन्वयः

(1) ये नियम वाणिज्य पोत परिवहन (स्थोरा पोत सन्निर्माण और सर्वेक्षण) नियम, 1972 कहें जा सकेंगे।

(2) ये तुरन्त प्रवृत्त हो जायेंगे।

(3) जब तक अभिव्यक्त रूप से अन्यथा उपबंधित न हो ये—

- (i) छोड़ा नौकाओं तथा मत्स्य जलयानों से भिन्न, सकल 500 टन या अधिक के भारत में पंजीकृत सभी समुद्री मात् पोत,
- (ii) छोड़ा नौकाओं तथा मत्स्य जलयानों से भिन्न सकल 500 टन या अधिक के सभी समुद्र पर जाने वाले स्थोरा पोतों, जो भारत में रजिस्ट्रीकृत नहीं हैं, जब वे भारत में किसी पत्तन या स्थान पर या भारत के राज्य क्षेत्रीय समुद्र में हों, को लागू होंगे।

परन्तु उपनियम (I) के सिवाय नियम 4 नियम 6 से 12 जिनमें ये दोनों नियम सम्मिलित हैं, नियम 13 का उपनियम (2), नियम 18 का उपनियम (2), नियम 20 के उपनियम (2) के खंड (ग) और (घ), नियम 24 उपनियम (I) के सिवाय नियम 25, नियम 27 और नियम 29 का उपनियम (2) ऐसे किसी पोत को लागू नहीं होंगे जिसका पठाण 26 मई, 1965 से पूर्व डाला गया हो।

2. परिभाषाएँ. इन नियमों में जब तक कि सर्वत्र से अन्यथा अपेक्षित न हो —

- (क) 'अधिनियम' से वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) अभिप्रेत है,
- (ख) 'ख अर्ग पेनल' से यह पेनल अभिप्रेत है, जो इन नियमों के नियम 12 की अपेक्षाओं के अनुसार है,

(ग) 'पोत पोत डैक' से वह सर्वोच्च डैक अभिप्रेत है जिस तक घाड़ी जल रोक पोत पोतों की बहु, संख्या से जाई जाती है,

(घ) 'स्थोरा पोत सन्निर्माण प्रमाण पत्र' से इन नियमों के अधीन सकल 500 टन या अधिक के किसी पोत को जो अन्तर्राष्ट्रीय जल यात्रा में नहीं लगा हो, दिया गया स्थोरा पोत सन्निर्माण प्रमाणपत्र अभिप्रेत है,

(ई) 'स्थोरा पोत सुरक्षा सन्निर्माण पत्र' से इन नियमों के अधीन किसी सकल 500 टन या अधिक के पोत को, जो अन्तर्राष्ट्रीय जल यात्रा में लगा है, दिया गया स्थोरा पोत सुरक्षा सन्निर्माण प्रमाण पत्र, अभिप्रेत है,

(च) 'दहनशील सामग्री' से वह सामग्री अभिप्रेत है जो अदहनशील नहीं है।

(छ) 'नियंत्रण स्टेशन' से वे जगह अभिप्रेत हैं, जिनमें रेडियो उपस्कर, मुख्य नौपरिवहन उपस्कर, केन्द्रीय अग्नि अभिलेखन उपस्कर या आपात जनित्र अवस्थिति हैं या है,

(ज) 'समतुल्य सामग्री' से इस्पात या अन्य समतुल्य सामग्री पदार्थ-व्यक्ति में जहां ये शब्द प्रयुक्त किये जाते हैं ऐसी कोई सामग्री अभिप्रेत है, जो अपने आप या रोधन विस्फाटन की अवस्था होने की कारण समुचित अग्नि परीक्षण के पश्चात् इस्पात के समतुल्य संरचना और साकल्य गुण रखती हो,

(झ) 'सकल टन भार' के वही अर्थ है जो इसे वाणिज्य पोत परिवहन (टन भार माप) नियम, 1960 में दिये गये हैं, सिवाय इसके कि जहां पोत का दोहरा टन भार है, इन नियमों के प्रयोजन के लिए, इनमें से जो भी अधिक हो वही इसका टन भार समझा जायेगा।

(ञ) 'अवाह्य सामग्री' से ऐसी कोई सामग्री अभिप्रेत है जो न जलती है, और न पाइलट ज्वाला पर, जब यह लगभग 750° से० तक गर्म की जाती है, जलने के लिये पर्याप्त मात्रा में ज्वलनशील वाष्प छोड़ती है,

(ट) 'लम्बाई' से, पोत की लम्बाई के संबंध में निम्नलिखित लंबाई अभिप्रेत हैं —

(i) ग्रीष्म भार जल रेखा पर मापे के अगले भाग से सुकान दण्ड के पिछले भाग तक मीटरों में लम्बाई, या

(ii) उन पोतों के जिनमें सुकान दण्ड नहीं है, मापे के अगले भाग से कुबान के अक्ष तक मीटरों में लम्बाई, या

(iii) उन पोतों के लिये जिनमें कूजर पिच्छव है, मीटरों में लम्बाई जो ग्रीष्म भार जल रेखा की कुल लंबाई या मापे के अगले भाग से कुबान के अक्ष तक की लंबाई इनमें जो भी अधिक हो का 96 प्रतिशत ज्ञात जायेगा,

(ठ) 'मशीनरी नियंत्रण कक्ष' से वह कक्ष अभिप्रेत है जिसमें नौदन की आवश्यकता हो पूरी करने वाले नौदक मशीनरी तथा वायलसे नियंत्रित किये जा सकें,

(ड) 'मशीनरी जगह' से ऐसी कोई जगह जो नौदक सहायक या प्रशीतक मशीनरी, वायलसे, पम्पन इंजिनियर्स बर्कशाप, जनित्र, संवातन या वातानुकूल मशीनरी, तेल भरने वाले स्टेशनों के प्रयोग में लाई जाती है तथा ऐसी ही जगहें और ऐसी जगहों के टंकवे अभिप्रेत हैं,

(ब) 'अधिकतम सेवा गति' से वह अधिकतम गति अभिप्रेत है जिसे पोत समुद्र में अपने गहनतम समुद्र में जाने के प्रवाह को बनाये रखने के लिए डिजाइन किया गया हो,

(ग) 'तेल ईंधन एकक' से किसी तेल में चलने वाले बायलर के तेल बर्नर को प्रदत्त करने के लिए तेल ईंधन की निमित्त के लिए प्रयोग में लाए जाने वाला उपस्कर अभिप्रेत है और इसमें तेल दाब पंप, फिल्टर और हीटर भी सम्मिलित है,

(ह) 'निधार टंकी' से कोई तेल संचायक टंकी जिसका तापन तेल प्रति टन तेल धारिता के लिये 0.183 बर्ग मीटर से कम न हो, अभिप्रेत है,

(घ) 'मानक अग्नि परीक्षण' से कोई परीक्षण अभिप्रेत है जिसमें सामग्री के परीक्षण किये जाने वाले नमूने को, जिसका जल क्षेत्रफल 4.65 वर्ग मीटर से कम न हो और ऊँचाई 2.44 मीटर से कम न हो, समय-ताप क्रम-संबंध आगली के लिये परीक्षण भट्टी में लगभग निम्नलिखित प्रकार से खुला छोड़ा जाता है अर्थात् :

- | | |
|------------------------------------|-----------|
| (i) प्रथम पाँच मिनट के अन्त में . | 538° सें० |
| (ii) प्रथम दस मिनट के अन्त में . | 704° सें० |
| (iii) प्रथम तीस मिनट के अन्त में . | 843° सें० |
| (iv) प्रथम साठ मिनट के अन्त में . | 927° सें० |
- अभिप्रेत है,

(द) 'कर्ण-गियर शक्ति एकक' से—

(i) इसल्ट्रॉनिक कर्ण-गियर की दशा में विद्युत मोटर और इसके संयुक्त विद्युत उपस्कर, या

(ii) विद्युत द्रवचालित कर्णगियर की दशा में, विद्युत मोटर इसके संयुक्त विद्युत उपस्कर और संबंधित पंप,

(iii) वाष्प द्रव चालित या गैसल द्रवचालित कर्णगियर की दशा में, चालन इंजन और संबंधित पंप, अभिप्रेत है,

(ध) सामग्री के संबंध में 'यथोचित' से केन्द्रीय सरकार द्वारा उस प्रयोजन के लिये यथोचित अनुमोदित किया जाना अभिप्रेत है जिसके लिये इसका प्रयोग होता है,

(न) 'कार्य दिवस' से रविवार या बंध अवकाश दिन जिसमें मास के दूसरे शनिवार भी सम्मिलित है के सिवाय कोई दिन जिसको जल परिवहन विभाग के कार्यालय कारबार का संव्यवहार करने के लिये खुले हो, अभिप्रेत है।

3. संरचनात्मक शक्ति :

हर पोत की संरचनात्मक शक्ति और घाड़ी जल रोक पोत भीत की संख्या तथा व्यवस्था, उस सेवा के लिए जिसके लिये पोत आशंकित है, पर्याप्त होगी।

4. जलरोक दरवाजे :

(क) हर पोत में जिसमें जलरोक दरवाजों का पोतभीत की जलरोक माध्य को बनाए रखने के लिए प्रबंध किया गया है, ऐसा हर जलरोक दरवाजा यथोचित सामग्री से बनाया जायेगा और उसकी संरचना दक्षता से की जायेगी।

(2) हर पोत में—

(क) विमर्षी प्रकार का हर जलरोक दरवाजा दोनों, दरवाजे पर और पोतभीत डेक के ऊपर किसी सुगम स्थिति से, दक्ष हस्त चालित बिगर द्वारा प्रचालित किये जाने योग्य होगा,

(ख) यह गियर, जो पोत भीत डेक के ऊपर से किसी मशीनरी जगह के पोतभीत में लगे हुये किसी विमर्षी जलरोक दरवाजे को प्रचालित करने के लिए, प्रचालित किया जाना हो, मशीनरी जगह के बाहर स्थित होगा जब तक कि ऐसी स्थिति आवश्यक गियरिंग की प्रभावशाली व्यवस्था के लिये असंगत न हो,

(ग) जहाँ मशीनरी जगह के निचले हिस्से से जल रोक धुरा सुरंग के लिये पहुँच हो वहाँ पहुँच मार्ग में विमर्षी जल रोक दरवाजा जो दरवाजे के दोनों ओर से स्थानीय रूप से प्रचालित किये जाने के योग्य होगा लगाया जायेगा ;

(घ) वृत्त प्रचालित स्थितियों पर, जब विमर्षी दरवाजा बंद हो, को उपदिष्ट करने के लिये साधनों का प्रबंध किया जायेगा ;

(ङ) जल रोक दरवाजे, जब पोत दोनों ओर 15 अंश तक झुका हो, प्रचालित किये जाने योग्य होंगे।

5. नितल पंप व्यवस्था :

हर पोत में दक्ष नितल पंप संयोज होगा तथा जल निकास के साधनों को ऐसे व्यवस्थित किया जायेगा कि खोखू के किसी भाग में प्रविष्ट जल (उस जगह से भिन्न जो ताजे जल, जल मीरस तेल ईंधन या द्रव स्थायी को ले जाने के लिए स्थायी तौर से विनियुक्त हो) को कम से कम एक चूषण पंप से, जब पोत समतल पर या दोनों ओर 5 अंश से अनधिक झुका हो बाहर निकाला जा सके। इस प्रयोजन के लिए जहाँ आवश्यक होया दक्ष चूषण का प्रबंध किया जायेगा। ऐसे दक्ष साधनों का प्रबंध किया जायेगा जहाँ से जल चूषण पाठपों में सुगमता से बह सके।

परन्तु केन्द्रीय सरकार यदि उसका समाधान हो जाये कि तद्वारा पोत की सुरक्षा का ह्रास नहीं होता किसी पोत या पोतों के वर्ग के विशिष्ट कक्षा में पंप किये जाने या जल निकास के साधनों की अभियुक्ति को अनुज्ञात कर सकेगी।

6. विद्युत उपस्कर और संस्थापन :

(1) हर पोत में विद्युत उपस्कर और संस्थापन, जिसमें नौदन के कोई विद्युत साधन सम्मिलित है, ऐसे होंगे कि पोत और उस पर सवार सब व्यक्तियों का विद्युत संकट से बचाव हो सके और केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रतिगृहीत मानकों के अनुरूप होंगे।

(2) हर पोत में, जिसमें विद्युत शक्ति ही पोत के नौदन या सुरक्षा के लिये आवश्यक सहायक सेवाओं को बनाये रखने के लिए एक मात्र शक्ति है, ऐसी शक्ति के दो या अधिक जनित स्रोतों का प्रबंध किया जायेगा जिससे कि पूर्वोक्त सेवाएँ, जब स्रोतों में से कोई एक खराब हो बनायी रखी जा सके।

(3) हर पोत में जिसमें विद्युत भार में पोत की नौदन या सुरक्षा के लिये आवश्यक सेवाएँ सम्मिलित हैं और असामान्य समुद्रभार ऐसा है कि दो या अधिक जनित स्रोतों की एक साथ कार्यचालन की अपेक्षा है पर्याप्त अनावश्यक भार को स्वतः निर्मुक्त करने का, जब कुल धारा संसक्त जनित धारिता से अधिक हो जाती है प्रबंध किया जायेगा।

7. सकल 5000 टन या अधिक के पोतों में विद्युत शक्ति का आपात स्रोत :

(1) सकल 5000 टन या अधिक के हर पोतों में, स्वतः पूर्ण विद्युत शक्ति के आपात स्रोत का सर्वोच्च सपाट डैक के ऊपर की स्थिति में और मशीनरी खोलों के बाहरी तरफ प्रबंध इस प्रकार व्यवस्थित किया जायेगा कि इसका, अग्नि या अन्य दुर्घटना की दशा में जिसमें मुख्य विद्युत संस्थापन में खराबी पैदा हो, काम करना सुनिश्चित हो।

(2) ऐसे हर पोत में उपनियम (1) के अधीन अपेक्षित विद्युत शक्ति का आपात स्रोत, निम्नलिखित सेवाओं को साथ-साथ छह घंटे से अन्यून क्रमवर्ती कालावधि के लिये प्रचालित करने में समर्थ होगा, अर्थात्

(क) भारतीय वाणिज्य पोत परिवहन (प्राण रक्षा साधित) नियम, 1956 के अधीन अपेक्षित आपात प्रकाश ;

(ख) वह आपात प्रकाश पद्धति जिसकी मुख्य मशीनरी जगह, पोत के मुख्य विद्युत जनित संयंत्र को रखने का स्थान नौवानत कक्ष के ऊपर और चारों कक्ष में प्रबंध किया गया है ;

(ग) साधारण एलार्म यदि विद्युत से प्रचालित हो ;

(घ) पोत के नौपरिवहन दीप यदि केवल विद्युत के ही हों; और

(ङ.) दिवालीक निगलन लैप यदि वह पोत के विद्युत शक्ति के मुख्य स्रोत द्वारा प्रचालित हो।

(3) ऐसे हर पोत में—

(क) उपनियम (1) के अधीन अपेक्षित विद्युत शक्ति का आपात स्रोत या तो संचायक (स्टोरेज) बैटरियां होंगी जो उपनियम '2' की अपेक्षाओं का, फिर से चार्ज हुए बिना या बोल्टना की अपेक्षा कम की हुई बिना, अनुपालन करने में समर्थ हों, या यह अन्तर्दहन प्रकार की मशीनरी द्वारा चालित जनित जिसमें स्वतन्त्र ईंधन प्रदाय और खालू करने का दक्ष प्रबंध है, होना और ऐसी मशीनरी के लिये प्रबंध किये गये ईंधन का प्रज्वलन ताप 43° से० से अन्यून होगा;

(ख) विद्युत शक्ति का आपात स्रोत इस प्रकार व्यवस्थित किया जायेगा कि यह, जब पोत $22\frac{1}{2}$ अंश झुका हो और जब पोत का झुकाव समतल से 10 अंश हो, दक्षता से प्रचालित होगा ;

(ग) विद्युत शक्ति के आपात स्रोत और इसके सहयुक्त परिव्य के कालिक परीक्षण के लिये व्यवस्था की जायेगी।

8. सकल 1600 टन या अधिक लेकिन सकल 5000 टन से कम के पोतों में विद्युत शक्ति का आपात स्रोत :

(1) सकल 1600 टन या अधिक लेकिन 5000 टन से कम के हर पोत में एक स्वतः पूर्ण विद्युत शक्ति के आपात स्रोत का सर्वोच्च सपाट डैक के ऊपर या उठे हुए चौथाई डैक की स्थिति में और मशीनरी खोलों के बाहरी तरफ प्रबंध इस प्रकार व्यवस्थित किया जायेगा कि इसका अग्नि या अन्य दुर्घटना की दशा में जिसमें मुख्य विद्युत संस्थापन में खराबी पैदा हो, काम करना सुनिश्चित हो।

(2) उपनियम (1) में अपेक्षित विद्युत शक्ति का आपात स्रोत निम्नलिखित सेवाओं को साथ-साथ तीन घंटे से अन्यून क्रमवर्ती कालावधि के लिये प्रचालित करने में समर्थ होगा, अर्थात्—

(क) भारतीय वाणिज्य पोत परिवहन (प्राण रक्षा साधित) नियम, 1956 के अधीन अपेक्षित आपात प्रकाश ;

(ख) साधारण एलार्म यदि विद्युत से प्रचालित हो ;

(ग) पोत के नौपरिवहन दीप यदि केवल विद्युत के ही हों;

(3) ऐसे हर पोत में—

(क) उपनियम (1) के अधीन अपेक्षित विद्युत शक्ति का आपात स्रोत या तो संचायक (स्टोरेज) बैटरियां होंगी जो उपनियम (2) की अपेक्षाओं का, फिर से चार्ज हुये बिना या बोल्टना की अपेक्षा कम की हुई बिना, अनुपालन करने में समर्थ हों या अन्तर्दहन प्रकार की मशीनरी द्वारा चालित जनित होगा जिसमें स्वतन्त्र ईंधन प्रदाय और खालू करने का दक्ष प्रबंध हो और ऐसी मशीनरी के लिए प्रबंध किये गये ईंधन का प्रज्वलन ताप 43° से० से अन्यून होगा ;

(ख) विद्युत शक्ति का आपात स्रोत इस प्रकार व्यवस्थित किया जायेगा कि यह, जब पोत $22\frac{1}{2}$ अंश झुका हो और जब पोत का समतल से झुकाव 10 अंश हो, दक्षता से प्रचालित होगा ;

(ग) विद्युत शक्ति के आपात स्रोत और इसके सहयुक्त परिव्य के कालिक परीक्षण के लिये व्यवस्था की जायेगी।

9. सकल 1600 टन से कम के पोतों में विद्युत शक्ति का आपात स्रोत :

(1) सकल 1600 टन से कम के हर पोत में जिसमें सर्वोच्च सपाट डैक के ऊपर या उठे हुए चौथाई डैक की स्थिति में और मशीनरी खोलों के बाहरी तरफ इसका विद्युत शक्ति का मुख्य स्रोत न हो, एक स्वतः पूर्ण विद्युत शक्ति के आपात स्रोत का सर्वोच्च सपाट डैक के ऊपर या उठे हुए चौथाई डैक की स्थिति में और मशीनरी खोलों के बाहरी तरफ प्रबंध इस प्रकार व्यवस्थित किया जायेगा कि इसका, अग्नि या अन्य दुर्घटना की दशा में जिसमें मुख्य विद्युत संस्थापन में खराबी पैदा हो, काम करना सुनिश्चित हो ;

(2) उपनियम (1) में अपेक्षित विद्युत शक्ति का आपात स्रोत निम्नलिखित सेवाओं को साथ-साथ तीन घंटे से अन्यून क्रमवर्ती कालावधि के लिए प्रचालित करने में समर्थ होगा, अर्थात्—

(क) भारतीय वाणिज्य पोत परिवहन (प्राण रक्षा साधित) नियम, 1956 के अधीन अपेक्षित आपात प्रकाश ;

(ख) साधारण एलार्म यदि विद्युत से प्रचालित हो ;

(ग) पोत के नौपरिवहन दीप यदि केवल विद्युत के ही हों।

(3) ऐसे हर पोत में—

(क) उपनियम (1) के अधीन अपेक्षित विद्युत शक्ति का आपात स्रोत या तो संचायक (स्टोरेज) बैटरियां होंगी जो उपनियम (2) की अपेक्षाओं का, फिर से चार्ज हुये बिना या बोल्टना की अपेक्षा कम की हुई बिना, अनुपालन करने में समर्थ हों या अन्तर्दहन प्रकार की मशीनरी द्वारा चालित जनित होगा जिसमें स्वतन्त्र ईंधन प्रदाय और खालू करने का दक्ष प्रबंध हो और ऐसी मशीनरी के लिए प्रबंध किये गये ईंधन का प्रज्वलन ताप 43° से० से अन्यून होगा ;

(ख) विद्युत शक्ति का आपात स्रोत इस प्रकार व्यवस्थित किया जायेगा कि यह, जब पोत $22\frac{1}{2}$ अंश झुका हो और जब पोत का समतल से झुकाव 10 अंश हो, दक्षता से प्रचालित होगा ;

(ग) विद्युत् शक्ति के आपात स्रोत और इसके सह्युक्त परिपथ के कालिक परीक्षण के लिये व्यवस्था की जायगी।

10. विद्युत् और विद्युत्प्रवहानित कर्ण गियर :

(1) हर पोट में जिसमें विद्युत् या विद्युत्प्रवहानित कर्ण गियर लगा है उपदर्शकों का प्रबन्ध किया जायेगा जो, जब ऐसे कर्ण गियर के शक्ति एकक चापू है, दर्शायेगे, ये उपदर्शक, मशीनरी नियंत्रण कक्ष या ऐसी अन्य स्थिति या स्थितियों जैसी कि केन्द्रीय सरकार अनुमोदित करे और नौचालन कक्ष पर, स्थित होंगे।

(2) सकल 5000 टन या अधिक के हर पोट में निम्नलिखित व्यवस्था की जायेगी, अर्थात् —

(क) विद्युत् और विद्युत्प्रवहानित कर्ण गियर में मुख्य स्विच बोर्ड से दो परिपथ जायेंगे जिनमें से एक आपात स्विच बोर्ड में से यदि पोट पर कोई आपात स्विच बोर्ड का प्रबन्ध है, होकर जा सकता है। प्रत्येक परिपथ की सब मोटरों को जो इससे प्रसामान्यतया सम्बद्ध हैं और जो साथ-साथ प्रचालित होती हैं शक्ति प्रदाय की पर्याप्त क्षमता होगी और यदि कर्ण गियर कक्ष में या तो किसी मोटर या मोटरों के समुच्चय को परिपथ शक्ति प्रदाय के अन्तर्गत का प्रबन्ध है, तो प्रत्येक परिपथ की अत्याधिक भार की वशा के लिये पर्याप्त क्षमता होगी। परिपथ अपनी पूर्ण लंबाई भर में यावत्संभव चौड़ाई से अलग अलग रखा जायेगा ;

(ख) ऐसे परिपथों और मोटरों के लिये केवल लघु-पथ संरक्षण का प्रबन्ध किया जायेगा।

(3) सकल 5,000 टन से कम हर पोट जिसमें मुख्य और सहायक दोनों, कर्ण गियरों के लिये विद्युत् शक्ति ही एक मात्र शक्ति का स्रोत है, उपनियम (2) की अपेक्षाओं के अनुसार होगा सिवाय इसके कि यदि सहायक कर्ण गियर किसी मोटर द्वारा शक्तिग्रह है जो प्राथमिकतः अन्य स्रोत के लिये आशयित है, अति भार संरक्षण लगाये जा सकेंगे।

11. आपात, अग्नि और विद्युत् भूल के अन्य परिसंकेतों से पूर्वावधानी :

(1) हर पोट में सभी विद्युत् उपस्कर इस प्रकार सन्निमित और संस्थापित किये जायेंगे कि किसी व्यक्ति को, जो उन्हें उचित रीति से उपयोग कर रहा हो, अग्नि का खतरा नहीं होगा। उपनियम (2) के उपबन्धों के अधीन जहाँ पोट के उपस्कर के रूप में दिया गया विद्युत् उपस्कर का 55 वोल्ट से अधिक वोल्टीयता पर प्रचालित किया जाना अपेक्षित है, ऐसे उपस्कर के अपेक्षित धातु भाग जिनका पृथ्वी की वोल्टीयता से अधिक वोल्टीयता रखना आशयित नहीं है लेकिन जो तृटिपूर्ण परिस्थितियों के अधीन ऐसी वोल्टीयता रख सकता है, भूयोजित कर दिये जायेंगे।

(2) हर पोट में जहाँ पोट के उपस्कर के रूप में दिये गये सुवाह्य विद्युत् वीपकों, औजारों और समरूप उपकरणों का 55 वोल्ट से अधिक वोल्टीयता पर प्रचालित किया जाना अपेक्षित है, के अपेक्षित धातु भाग प्रदाय केबिल में संवाहक द्वारा भूयोजित कर दिये जायेंगे जब तक कि दोहरे रोधन के प्रयोग या यथोचित पृथक्कारी ट्रान्सफार्मर द्वारा कम से कम संवाहक द्वारा भूयोजित होने से ऐसे प्रभावशाली बचाव का प्रबन्ध न हो। जब विद्युत् वीप, औजार या अन्य उपकरण आर्द्र जगह में प्रयोग होते हों, वह सुनिश्चित करने के लिये कि विद्युत् आघातों का खतरा न्यूनतम हो जाये, यावत्साध्य प्रबन्ध किये जायेंगे।

(3) हर पोट में प्रत्येक मुख्य और आपात स्विच बोर्ड इस प्रकार व्यवस्थित किया जायेगा कि उसके सामने और पीछे किसी व्यक्ति को

खिना खतरे के पहुंच आमान हो। ऐसे हर स्विच बोर्ड की यथोचित रूप से रक्षा की जायेगी और जहाँ आवश्यक हो, इसके आगे और पीछे असंवाहक चटई या जाली लगाई जायेगी। कोई भी अपेक्षित भाग जिसकी संवाहकों के बीच में या भुगत वोल्टीयता, दिष्टधारा 250 वोल्ट या प्रत्यावर्ती धारा 55 वोल्ट, से अधिक है, किसी स्विच बोर्ड या नियंत्रण पैनल के सामने संस्थापित नहीं किया जायेगा।

(4) किसी पोट में वितरण की हल रिटर्न पद्धति प्रयुक्त नहीं की जायेगी : परन्तु केन्द्रीय सरकार टैकर से भिन्न किसी पोट को दृग उपनियम की अपेक्षाओं का अनुपालन करने से छूट दे सकती है।

(5) हर पोट में प्रत्येक विद्युत् केबिल, ऐसी प्रत्येक स्थिति जिसमें किसी विद्युत् दोष से भाग लग सकती है, उजाला गति रोधी, आच्छादित या कवचित या अन्यथा सामान्यतः प्रभावशाली रूप से संरक्षित होंगे, विद्युत् केबिल के सभी धातु आच्छादों और धातु कवचों में विद्युत् का अविरत प्रवाह रहेगा और वे भूयोजित होंगे।

(6) हर पोट में प्रकाश फिटिंग इस प्रकार व्यवस्थित की जायेगी की ताप क्रम का बढ़ना, जो उसकी विद्युत् वायरिंग के लिये क्षतिकर हो, या जिससे आम-वास की सामग्री में आग का खतरा पैदा हो सकता है, रोका जा सके।

(7) हर पोट में वायरिंग में आलंबन इस प्रकार से लगाये जायेंगे कि रगड़ या अन्य क्षति से बचा जा सके।

(8) हर पोट में,—

(क) प्रत्येक पृथक् विद्युत् परिपथ को लघुपथ से संरक्षित किया जायेगा;

(ख) पोट के कर्ण गियर को प्रचालित करने वाले परिपथ या किसी अन्य परिपथ जिसकी बाबत में केन्द्रीय सरकार ने छूट दे रखी है, से भिन्न ऐसे प्रत्येक पृथक् विद्युत् परिपथ अतिभार से संरक्षित किया जायेगा। प्रत्येक अतिभार संरक्षणात्मक युक्ति के ऊपर या पाम परिपथ की धारा बहुत क्षमता जिसका यह संरक्षण करती है और युक्ति का वर्ग क्रम या विन्यास स्पष्ट और स्थायी रूप से उपदर्शित किया जायेगा।

(9) हर पोट में सभी संचालक (स्टोरेज) बैटरियाँ, बक्सों या डिब्बों में रखी जायेंगी जो बैटरियों को नुकसान से संरक्षित करने के लिये सन्निमित है और त्रिफोटक रीलों के संचयन को न्यूनतम करने के लिये संवाहित हों। युक्तियाँ जिनो डिब्बे में, जो मुख्यतः संचालक बैटरियों के लिये समनुबन्धित है, संस्थापित नयेही की जायेंगी।

(10) हर पोट में जिसमें विद्युत् स्पेस हीटर, इसके उपस्कर का भाग है ऐसा हर विद्युत् स्पेस हीटर ऐसी स्थिति में लगाया जायेगा और इस प्रकार सन्निमित होगा जिससे कि आग लगने की जोखिम घट कर कम से कम हो जाये। ऐसा हीटर ऐसे किसी तत्व में सन्निमित नहीं किया जायेगा जो कि इस प्रकार खुला छोड़ दिये जाने पर तत्क्ष से निकले हुये ताप से कपड़ों, परदों या अन्य पदार्थों को झुलमा सके या उनमें आग लगा सके।

12. अग्नि परिरक्षण :

(1) यह उपनियम सकल 4000 टन या अधिक के सभी स्थीरा पोटों को लागू होगा और उपनियम (9) सकल 500 टन या अधिक के स्थीरा पोटों को भी लागू होगा।

(2) किसी पोट में जिसमें पोटभीन क्ष वर्ग पैनलों से सन्निमित करने की अपेक्षा है, ऐसे पैनल तीस मिनट की अवधि के पूरे मानक अग्नि

परीक्षण के दौरान ज्वाला पथ की रोकथाम करने में समर्थ होंगे। इस प्रयोजन के लिए प्रयुक्त किया गया हर एक अक्षांश ख वर्ग पैनल ऐसा होगा कि उसकी दोनों में से कोई सतह तीन मिनट की अवधि के मानक अग्नि परीक्षण के लिए अनावरित की जाए, तो पैनल की अग्नि-अनावरित सतह के औसत तापक्रम में परीक्षण के प्रथम 15 मिनट के दौरान वृद्धि नहीं होगी और परीक्षण की पूरी कालावधि के दौरान उस सतह के आरम्भिक तापक्रम से 139° से अधिक नहीं होगा और न ही उस के किसी एक बिन्दु पर आरम्भिक तापक्रम से 225° से अधिक की वृद्धि होगी। इस प्रयोजन के लिये प्रयुक्त किया गया हर एक दहनशील ख वर्ग पैनल ऐसा होगा कि यदि उसकी दोनों में से कोई सतह तीस मिनट की अवधि के लिए मानक अग्नि परीक्षण के लिए अनावरित की जाए तो पैनल की अग्नि-अनावरित सतह के औसत तापक्रम में उस सतह पर आरम्भिक तापक्रम से 139 अंश से अधिक की वृद्धि नहीं होगी और न ही उस के किसी एक बिन्दु आरम्भिक तापक्रम से 225° से अधिक की वृद्धि होगी।

(3) हर पोट में,—

(क) खोखू जिसमें अधिसंरचना, पोटभीत, डैक और डैक घर सम्मिलित है, इस्पात से सन्निमित्त किए जाएंगे;

परन्तु किन्हीं विशेष मामलों में केन्द्रीय सरकार भाग की जोखिम को ध्यान में रखते हुए इनमें से किसी को भी ऐसी अन्य यथोचित सामग्री से, जैसा वह उचित समझे, सन्निमित्त करने की अनुज्ञा दे सकती है।

(ख) गलियारे पोटभीत जो वाम जगह और नियंत्रण स्टेशन का काम करते हैं, इस्पात या ख वर्ग पैनलों से सन्निमित्त किए जाएंगे।

(4) हर पोट में,—

(क) द्वारा और गलियारे पोटभीतों में इसी प्रकार के पथ स्यायी रूप से संलग्न दरवाजों का पटों द्वारा बन्द किए जाने योग्य होंगे;

(ख) ऐसे पोटभीतों में संवाती पटों की संख्या कम-से-कम रखी जाएगी। ऐसे पट, जहाँ तक युक्तियुक्त रूप से साध्य हों, दरवाजे के निचलेभाग में होंगे।

(5) हर पोट में वाम जगहों के भीतर आन्तरिक जीना, सीढ़ियों और कर्मावल निपट टंक इस्पात या अन्य समतुल्य सामग्री से सन्निमित्त किए जाएंगे।

(6) हर पोट में किसी आपात जनित कक्ष की सीमा पोटभीत और रसोई, पेंट कक्ष, बीपकक्ष या बोट स्वेच के भंडार को पृथक् करने वाले पोटभीत इस्पात या इस अन्य समतुल्य सामग्री से सन्निमित्त किए जाएंगे।

(7) हर पोट में जगहों के भीतर डैक आच्छाद और डैक नियंत्रण स्टेशन जो मशीनरी का छल्ल बनाते हैं और स्थिर जगहों इस प्रकार की होंगी कि सुरन्त ज्वलित न हो सकें।

(8) हर पोट में,—

(क) वाम जगहों, मशीनरी जगहों और नियंत्रण स्टेशनों में पेंट, वार्निश और अन्य सतह सामग्री जिनमें नाइट्रोसेलुलोज या अन्य अत्यन्त ज्वलनशील क्षार हों, प्रयोग नहीं की जाएगी;

(ख) तेल या अन्य ज्वलनशील द्रव को ले जाने के लिए आशयित के पाइप प्रागे की जोखिम को ध्यान में रखते हुए ऐसी सामग्री के होंगे जो केन्द्रीय सरकार को प्रतिप्राह्य हों;

(ग) जहाज पर की नासी, ग्रीच विस्फोटन या जल रेखा के समीप के अन्य मोठे ऐसी सामग्री के नहीं होंगे जो भाग लगने की दशा में निष्फल हो जाएं और उससे बाढ़ का खतरा पैदा हो जाए; और

(घ) जलचित्र संस्थापनों में सेलुलोज नाइट्रेट फिल्म प्रयोग नहीं की जाएगी।

(9) हर पोट में,—

(क) मुख्य नौवत मशीनरी या तेल से चलने वाला बायलर या अन्तर्वाह्य प्रकार की सहायक मशीनरी जिसकी कुल अश्वशक्ति 1000 या अधिक हो, को रखने वाली जगहों के रोशन दान बन्द किए जाने के योग्य होंगे और जहाँ साध्य हो भाग लगने की दशा में जगहों के बाहर से खोले जा सकेंगे और जहाँ उनमें कांच के पैनल हों, ऐसे पैनल सार प्रबलित कांच से फिट किए गए अग्नि प्रतिरोधी सन्निमित्त हों और बाह्य स्थायी संलग्न पट इस्पात या अन्य समतुल्य सामग्री के होंगे;

(ख) ईंधन खोल में खिड़कियां नहीं लगाई जाएंगी मित्राय जहाँ केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि वे आवश्यक हैं और अग्नि दुर्घटना संघटित नहीं होगी। जहाँ ऐसी खिड़कियां लगाई जाएंगी वे न खुलने वाले प्रकार की होंगी और वे तार प्रबलित कांच से फिट की गई अग्नि प्रतिरोधी सन्निमित्त होंगी और इनमें स्थायी संलग्न बाह्य पट इस्पात या अन्य समतुल्य सामग्री के होंगे।

13. बायलर्स और मशीनरी साधारण:

(1) हर पोट में मशीनरी, बायलर्स और अन्य दाब वाहिकाएं ऐसे डिजाइन और सन्निमित्त की होंगी कि उस मेवा के लिए जिसके लिए वे आशयित हैं, समुचित हों और इस प्रकार संस्थापित और संरक्षित की जाएंगी कि बोर्ड पर के व्यक्तियों को खतरा पट कर कम-से-कम हो जाए।

(2) उपनियम (1) की अपेक्षाओं की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना हर पोट बायलर्स और मशीनरी में ऐसे माधनों की व्यवस्था की जाएगी जो ऐसी मशीनरी बायलर्स और अन्य दाब वाहिकाओं के किसी भाग के अधिदाब का निवारण करेंगे और विशेष रूप से हर बायलर और हर तेल प्रसजित वाष्पजनित में दो सुरक्षा वाल्वों से अत्युत्त व्यवस्था की जाएगी:

परन्तु केन्द्रीय सरकार, यदि उसका यह समाधान हो जाए कि अधिदाब के प्रतिकूल बचाव की समुचित व्यवस्था है तो वह किसी बायलर या अप्रसजित वाष्पजनित के उष्माय या किसी अन्य लक्षण का ध्यान रखते हुए सुरक्षा वाल्व लगाने की अनुज्ञा दे सकती है।

14. बायलर्स और अन्य दाब वाहिकायें:

(1) हर पोट में हर बायलर या अन्य दाब वाहिका और उनके अपने प्रथम बार उपयोग में लाए जाने से पूर्व यथास्थिति उस बायलर या दाब वाहिका के कार्यकारी दाब से यथोचित अधिक दाब पर, यह सुनिश्चित करने के लिए कि बायलर या कोई अन्य दाब वाहिका अपने मार्टिंग सहित शक्ति और डिजाइन में उस उपयोग के लिए जिसके लिए यह आशयित है,—

(क) डिजाइन और सामग्री जिससे यह सन्निमित्त है;

(ख) प्रयोजन जिसके लिए इसका प्रयोग आशयित है; और

(ग) कार्यकरण परिस्थितियों जिनके अधीन इसका प्रयोग आशयित है, को ध्यान में रखते हुए द्रवचालित परीक्षण के अध्ययन होंगे।

(2) ऐसे हर बायलर या दाब वाहिका और इनके अपने-अपने माउंटिंग प्रभावशाली परिस्थितियों में रखे जाएंगे।

(3) हर पोट में ऐसी व्यवस्था की जाएगी जिससे हर दाब वाहिका की सफाई और निरीक्षण पर्याप्त रूप से सुकर हो जाए।

15. मशीनरी :

(1) हर पोट में, पोट के नौदन और सुरक्षा के लिए आवश्यक मुख्य और सहायक मशीनरी में नियंत्रण के प्रभावशाली साधनों की व्यवस्था की जाएगी और मशीनरी जब प्रारंभतः पोट में कोई शक्ति उपलब्ध नहीं है, प्रचालित किए जाने के योग्य होगी।

(2) हर पोट में जहाँ मशीनरी के अधिगतिस्वरण से खतरा विद्यमान है वहाँ यह सुनिश्चित करने के लिये कि सुरक्षित गति न बढ़े।

(3) साधनों की व्यवस्था की जायेगी हर पोट में जहाँ मुख्य या सहायक मशीनरी या ऐसी मशीनरी का कोई भाग आन्तरिक दाब के अध्यधीन है, प्रथम बार उपयोग में लाये जाने से पूर्व कार्यकारी दाब से यथोचित अधिक दाब पर,—

(क) डिजाइन और सामग्री जिससे यह सन्निहित है,

(ख) प्रयोजन जिसके लिये इनका प्रयोग आशयित है, और

(ग) कार्यकरण परिस्थितियों जिनके अधीन इनका प्रयोग आशयित है, को ध्यान में रखते हुये द्रवचालित परीक्षण के अध्यधीन होंगे।

(4) हर पोट में, मुख्य या सहायक मशीनरी या उनका कोई भाग जो आन्तरिक दाब के अध्यधीन है, प्रभावशाली परिस्थितियों में रखा जायेगा।

16. पीछे जाने के साधन :

हर पोट मशी प्रसामान्य परिस्थितियों में पोट के समुचित नियंत्रण को सुनिश्चित करने के लिये पीछे जाने के लिये पर्याप्त शक्ति रखेगा।

17. शाफ्ट :

हर पोट में प्रत्येक शाफ्ट इस प्रकार डिजाइन और सन्निहित की जायेगी की इसकी सुरक्षा की पर्याप्त और व्यवस्था,

(क) सामग्री जिससे यह सन्निहित है,

(ख) सेवा जिसके लिये यह आशयित है, और

(ग) इंधन का प्रकार जिसके द्वारा यह खींची जाती है या जिसका यह भाग है,

को ध्यान में रखते हुये, अधिकतम कार्यकारी प्रतिबल जिसके यह अध्यधीन हो सके, को सहन कर सकेगी।

18. बायलर संभरण प्रणाली :

(1) हर पोट में, हर बायलर में जो पोट की सुरक्षा के लिये आवश्यक सेवाओं की व्यवस्था करता है और जो संभरण जल प्रदाय के खराब हो जाने पर खतरनाक बन सकता है, वो से अन्यून प्रभावशाली और पृथक् संभरण जल प्रणाली इस प्रकार व्यवस्थित करे कि एक ऐसी प्रणाली में से कोई एक दूसरी की प्रभावशीलता पर प्रभाव डाले बिना निरीक्षण या पूरी भरमत्त के लिये खोली जा सके, लगाई जायेगी। ऐसी हर प्रणाली में ऐसे साधनों की व्यवस्था की जायेगी जो प्रणाली के किसी भाग में अधिदाब को रोके।

(2) यदि किसी पात की बायलर संभरण प्रणाली में तेल के प्रविष्ट होने की संभावना है तो बायलर संभरण जल के प्रदाय के लिये व्यवस्था में संभरण जल में तेल के अन्तःरोधक की व्यवस्था की जायेगी।

(3) हर संभरण निरोध वाल्व, फिटिंग या पाइप जिसमें से होकर पम्प से ऐसे बायलर को संभरण जल जाता है सुरक्षा की व्यवस्था

जो पर्याप्त हो, उस सामग्री जिससे यह सन्निहित है, और कार्यकरण परिस्थितियों जिनके अधीन इसको प्रयोग किया जायेगा, को ध्यान में रखते हुये अधिकतम कार्यकारी प्रतिबल जिसके यह अध्यधीन हो सके, को सहन करने के लिये डिजाइन और सन्निहित किया जायेगा। ऐसा हर वाल्व, फिटिंग या पाइप प्रथम बार उपयोग में लाए जाने से पूर्व यथोचित रूप से उस बायलर के अधिकतम कार्यकारी दाब से जिससे यह संबद्ध है या उस अधिकतम कार्यकारी दाब से जिसके संभरण लाइन अध्यधीन हो सकती है, इनमें जो भी अधिक से अधिक दाब पर द्रवचालित परीक्षण के अध्यधीन होगा और प्रभावशाली दशा में बनाए रखा जायेगा।

(4) उप-नियम (3) में निर्दिष्ट संभरण पाइप यथोचित रूप से आलंबित किये जायेंगे।

19. वाष्प पाइप प्रणाली :

(1) हर पोट में उससे सबद्ध हर वाष्प और हर फिटिंग जिसमें से होकर वाष्प जा सकती है इस प्रकार डिजाइन और सन्निहित किया जायेगा कि इसकी सुरक्षा पर्याप्त हो और व्यवस्था जो,

(क) क्या सामग्री जिससे यह सन्निहित है, और

(ख) कार्यकरण परिस्थितियों जिनके अधीन यह प्रयोग किया जायेगा, को ध्यान में रखते हुए अधिकतम कार्यकारी प्रतिबल, जिनके यह अध्यधीन हो सके, को सहन कर सके।

(2) उप-नियम (1) की अपेक्षाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना ऐसा हर वाष्प पाइप या फिटिंग प्रथम बार उपयोग में लाए जाने से पूर्व यथोचित रूप से इसके अधिकतम दाब से, जो अवधारित किया जाता है, अधिक दाब पर उपनियम (1) के खंड (क) और (ख) की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए द्रवचालित परीक्षण के अध्यधीन होगा, और ऐसा हर वाष्प पाइप और फिटिंग प्रभावशाली दशा में बनाए रखा जायेगा।

(3) वाष्प पाइप यथोचित रूप से आलंबित किये जायेंगे।

(4) ऐसी व्यवस्था की जायेगी जिससे अत्यधिक प्रतिबल को जिसके कारण चाहे तापक्रम, कंपन में फेरफार होने से, या अन्यथा के कारण से ऐसे वाष्प पाइप या फिटिंग में संभाव्य खराबी हो सकती हो, परिवर्जित की जा सके।

(5) ऐसे हर वाष्प पाइप के लिये, यह सुनिश्चित करने के लिये कि पाइप का आन्तरभाग जल से मुक्त रखा जा सके, जल निकास के प्रभावशाली साधनों की व्यवस्था की जायेगी और पोट की आशयित सेवा के दौरान किसी भी परिस्थिति में संभावित रूप से उत्पन्न होने वाली जलधन क्रिया (वाटर हैमर एक्शन) न हो।

(6) यदि किसी पोट में वाष्प पाइप किसी दूसरे उच्च दाब, जिसे यह पर्याप्त सुरक्षा की व्यवस्था से सहन नहीं कर सकता है, के ओत से वाष्प लेने की अपेक्षा रखता है तो ऐसे पाइप में प्रभावशाली न्यूनक वाल्व, रक्षा वाल्व और दाबमापी लगाया जायेगा।

20. वायु दाब प्रणाली :

(1) हर पोट में जिसमें नौदन और पोट या बोर्ड पर के व्यक्तियों की सुरक्षा के लिये आवश्यक मशीनरी पूर्णतः संपीड़ित वायु द्वारा, चालू होने, प्रचालन और नियंत्रण की अपेक्षा करती है, एक प्रभावशाली वायु प्रणाली, जिसमें पर्याप्त संख्या में वायु संपीड़क और संपीड़ित वायु संग्रह वाहिका सम्मिलित है, यह सुनिश्चित करने के लिये कि सेवा में होने

वाली सभी संभाव्य परिस्थितियों में संपीड़ित वायु का प्रवाय पर्याप्त हो सके, की व्यवस्था की जायेगी।

(2) (क) ऐसी हर वायु दाब प्रणाली के भाग वायु चालित नियंत्रण प्रणाली में भिन्न जो वायुदाब के अध्यधीन हैं, इस प्रकार डिजाइन और सम्मिलित किये जायेंगे कि वे अधिक तक कार्यकारी प्रतिबल को जिसके वे अध्यधीन हो सके, पर्याप्त सुरक्षा की व्यवस्था सहित सहन कर सकें और ऐसी प्रणाली में हर वायु दाब पाइप या फिटिंग प्रथम बार उपयोग में लाये जाने से पूर्व इसके अधिकतम कार्यकारी दाब से दुगुने दाब पर प्रवचानित परीक्षण के अध्यधीन होंगे और ये प्रभावशाली दशा में बनाये रखे जायेंगे।

(ख) ऐसी किसी वायु दाब प्रणाली के किसी भाग में अधिदाब के निवारण के लिये साधनों की व्यवस्था की जायेगी और जहाँ वायु संपीडकों और शीतकों की जल जैकित या जल खोल वायु दाब के भागों से उनमें श्ररण के कारण खतरनाक अधिकदाब के अध्यधीन हो वहाँ यथोचित और पर्याप्त दाब रक्षकों की व्यवस्था की जायेगी।

(ग) ऐसे हर वायु दाब प्रणाली में—

- (1) प्रणाली में तेल के प्रवेश को घटा कर न्यूनतम करने;
- (2) प्रणाली के निकास; और
- (3) प्रणाली की आन्तरिक विस्फोट के प्रभाव से रक्षा करने की व्यवस्था की जायेगी।

(घ) ऐसे हर वायु संपीडकों में विसर्जन पाइप चालन वायु संपीडकों से सीधे चालन वायु संग्रहियों को ले जाये जायेंगे और वायु संग्रहियों से मुख्य या सहायक इंजनों को जाने वाले सब चालन वायु पाइप संपीडक विसर्जन पाइप प्रणाली से पूर्णतः पृथक् होंगे।

21. शीतक जल प्रणाली:

हर पोट में जिसमें प्रणोदी मशीनरी को चालू रखने के लिये शीतक जल सेवा आवश्यक है, ऐसी जल सेवा के प्रचालन के लिये कम से कम दो साधनों की व्यवस्था की जायेगी।

22. स्नेहन और अन्य तेल प्रणालियाँ:

हर पोट में जिसमें मुख्य प्रणोदी मशीनरी और इसकी आनुशंगिक सेवाओं के शीतन या प्रचालन में स्नेहन के लिये तेल दाब में परिचालित होता है, तो पम्प के खराब होने की वशा में ऐसे तेल के परिचालन के विकल्प साधन के उपलब्ध होने की पर्याप्त व्यवस्था की जायेगी।

23. तेल और गैसीय ईंधन संस्थापन:

(1) हर पोट में, बायलर या मशीनरी के प्रयोग के लिये तेल का दमक तापंक 65.6° से० (बन्व परीक्षण) से अन्यून होगा, परन्तु केन्द्रीय सरकार ऐसी शर्तों के अध्यधीन जैसी वह अधिरोपित कर सके—

(क) किसी पोट को बायलर में 54.5° से० से अन्यून या आन्तरिक और बहुत प्रकार की मशीनरी में 43.3° से० से अन्यून दमक तापंक के तेल ईंधन की प्रयोग करने की अनुज्ञा दे सकेगी, और

(ख) उन पोटों में जो द्रवित गैसों को ले जाने के लिये डिजाइन किये गये हों गैसीय ईंधन को प्रयोग करने की यदि ऐसा ईंधन ले जाये गये स्थायी के वाष्पीकरण से ही पूरी तरह परिणामित होता हो, अनुज्ञा दे सकेगी।

(2) उपनियम (1) में की कोई भी बात नियम 7 के उपनियम (3) के खंड (क), नियम 8 के उपनियम (3) के खंड (क) और नियम 9 के उपनियम (3) के खंड (क) के अधीन अपेक्षित विद्युत् शक्ति के आपात स्रोत का प्रचालन करने वाली मशीनरी के लिये ईंधन को लापू नहीं होगी।

(3) हर पोट में जिसमें तेल या गैसीय ईंधन का उपयोग होता है, ईंधन तेल के संग्रह, वितरण और उपयोग की व्यवस्था ऐसी होगी कि, अग्नि दुर्घटना और विस्फोट जो ऐसे तेल के उपयोग से हो सकता है, को ध्यान में रखते हुए, पोट और बोर्ड पर के व्यक्तियों की परिरक्षा हो सके।

(4) हर पोट में जिसमें पोट के नौदन या सुरक्षा के लिये इंजिन या बायलर में तेल या गैसीय ईंधन का उपयोग होता है, ईंधन के संग्रह वितरण और उपयोग की व्यवस्था ऐसी होगी कि उन सभी संभाव्य परिस्थितियों में जो पोट की सेवा के दौरान हो सके, इंजनों का प्रभावशाली उपयोग बनाया रखा जा सके।

(5) बायलर के हर तेल ईंधन संस्थापन में जो पोट के नौदन के लिये वाष्प प्रवाय करता है दो तेल ईंधन एककों से अन्यून सम्मिलित होंगे।

24. नौचालन कक्ष और इंजिन कक्ष के बीच में संसूचना:

हर पोट में नौचालन कक्ष से इंजिन कक्ष नियंत्रण प्लेटफार्म तक आदेशों का संसूचन करने के लिये दो साधनों की व्यवस्था की जायेगी। साधनों में से इंजिन कक्ष तार होगा।

25. कर्ण गियर:

(1) हर पोट में प्रभावशाली मुख्य सहायक कर्ण गियरों की व्यवस्था की जायेगी:

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार के समाधान प्रद रूप से दोहरे कर्ण गियर शक्ति एकक और उसके संयोजन लगे हुये हैं और ऐसा हर शक्ति एकक उपनियम (2) के खंड (ग) की अपेक्षाओं के अनुसार है, तो केन्द्रीय सरकार किसी पोट पर सहायक कर्ण गियर की व्यवस्था की अपेक्षा से अभिमुक्ति प्रदान कर सकेगी।

(2) हर पोट में,—

(क) मुख्य कर्ण गियर, जिसमें सुकान और गह्युक्त फिटिंग सम्मिलित हैं, पर्याप्त सामर्थ्य का होगा और पोट की अधिकतम सेवा गति पर कणित करने में पर्याप्त होगा। मुख्य कर्ण गियर और सुकान दण्ड इस प्रकार डिजाइन किये जाएंगे कि पीछे अधिकतम गति पर अतिग्रस्त न हों;

(ख) मुख्य कर्ण गियर सुकान को भागे चलते हुए पोट की अधिकतम सेवा गति पर 35° पर एक ओर और 35° पर दूसरी ओर रखने में समर्थ होगा। सुकान अधिकतम सेवा गति पर 28 मेकेन्ड में 35° किसी एक ओर से 30° दूसरी ओर तक रखे जाने में समर्थ होगा;

(ग) सहायक कर्ण गियर शीघ्रता से क्रियान्वित किये जाने में समर्थ होगा और पोट को नाव्य गति पर कणित करने में, समर्थ बनाने में यथायोग्य सामर्थ्य और पर्याप्त शक्ति का होगा। किसी पोट में खंड (क) की अपेक्षाओं के अनुसार पतवार के

रूप में 35.56 सें० मीटर से अधिक व्यास का सुकान खंड अपेक्षित है। महायक कर्ण गियर शक्ति द्वारा प्रचालित किया जायेगा।

(3) हर पोत में जिसमें शक्ति द्वारा प्रचालित कर्ण गियर लगा हुआ है सुकान की स्थिति मुख्य चालक स्टेशन पर उपदर्शन की जायेगी।

26. अतिरिक्त गियर :

पोत की आशयित सेवा को ध्यान में रखते हुये हर पोत में पर्याप्त अतिरिक्त कर्ण गियरों की व्यवस्था की जायेगी।

27. दिक् सूचक :

(1) उपनियम (2) के उपबन्धों के अधीन, हर पोत में दो प्रभावशाली दिक्सूचकों की व्यवस्था की जायेगी जो बिनैकल में रखे जाएंगे और पोत की मध्य रेखा पर स्थित होंगे। ऐसे दिक्सूचकों में से एक की व्यवस्था मानक दिक्सूचक के रूप में उपयोग करने के लिये की जायेगी और सामान्य चालन स्थिति के समीप और ऐसी स्थिति में जहाँ से क्षितिज के दृश्य में कम से कम आधा हो स्थित किया जायेगा। ऐसी दिक्सूचकों में से दूसरे की व्यवस्था चालन दिक्सूचक के रूप में उपयोग करने के लिये की जायेगी और, जब तक कि इस प्रयोजन के लिये मानक चुम्बकीय दिक्सूचक प्रक्षिप्त परावर्तित बिम्ब की व्यवस्था न हो या धूर्णक्ष दिक्सूचक या घूर्णाक्ष या प्रेषण चुम्बकीय दिक्सूचक या पुनरावर्तक प्रसामान्य चालन स्थिति के समीप स्थित न हो, जिस दशा में बिनैकल या पादपीठ में रखा हुआ दूसरी चुम्बकीय दिक्सूचक आपात चालन स्थिति पर लगाया जायेगा, सामान्य चालन स्थिति के समीप स्थित किया जायेगा।

(2) जहाँ आपात चालन स्थिति नहीं है परन्तु पोत मानक प्रक्षेपक चुम्बकीय दिक्सूचक और धूर्णक्ष दिक्सूचक से पुनरावर्तक सहित, सज्जन हो और परन्तु यह और भी बोर्ड पर अतिरिक्त चुम्बकीय दिक्सूचक कटोरा अपने जिम्बल एक्को सहित ले जाया जाता हो ताकि यह उस दिक्सूचक के यदि वह बैकार हो जाये तो मानक दिक्सूचक से बदला जा सके, तो वहाँ दो चुम्बकीय दिक्सूचक और बिनैकल अपेक्षित नहीं होंगे।

28. लंगर और जंजीर केबल :

हर पोत में, पोत के आकार और आशयित सेवा को ध्यान में रखते हुये ऐसे लंगरों और जंजीर केबलों की व्यवस्था की जायेगी जो संख्या, भार और मजबूती में पर्याप्त हों।

29. बचाव के साधन :

(1) हर पोत में सीढ़ी पथ और जीना पथ इस प्रकार व्यवस्थित किये जाएंगे कि सभी कर्मीवल वासों और अन्य जगहों जिनमें कर्मी-दल प्रसामान्यतः नियोजित किये जाते हैं, से रक्षा नौका पोतारोहण डेक को बचाव के सुगम साधनों की व्यवस्था हो जाये।

(2) हर पोत में प्रत्येक इंजन कक्ष, शाफ्ट सुरंग और बायलर कक्ष से यथासाध्य दूरी पर एक दूसरे से पृथक् दो बचाव साधनों की व्यवस्था की जायेगी, उनमें से एक जल रोक बरबाजा हो सकता है यदि ऐसा बरबाजा बचाव के साधन के रूप में उपलब्ध हो। जहाँ ऐसा जल रोक बरबाजा उपलब्ध नहीं है वहाँ बचाव के दो साधनों के दो सेट जो ऐसे इग्नान जीनों से मिलकर बनेंगे जो खोल में या अन्यत्र बरबाजों तक जाते हैं अहाँ से डेक या डेकॉ पर रक्षा नौका या बचाव तरापा पोतारोहण तक पहुँचा हो :

परन्तु केन्द्रीय सरकार सकल 2000 टन के कम के पोत को इस उपनियम की अपेक्षाओं से छूट दे सकती है।

30. मशीनरी को रोकने, तेल ईंधन को बन्द करने, खुदक पाइप और छेदों को बन्द करने के साधन :

(1) हर पोत में मशीनरी, आवाय और स्थीरा जगहों में लगे हुए संवाती पंखों को रोकने के लिये साधनों की व्यवस्था की जायेगी। मशीनरी और स्थीरा जगहों के लिए सभी रोजनवानों, दरवाजों, वातायनों, बिम्बियों के चारों ओर की बलया कार जगहों और ऐसी जगहों के अन्य छेदों को बन्द कराने के लिये साधनों की व्यवस्था की जायेगी। ऐसे साधन उक्त जगहों की बाहर की स्थितियों से जो ऐसी जगहों में भाग के कारण अगम्य नहीं हो जायेंगी, प्रचालित किये जाने में समर्थ होंगे।

(2) हर पोत में मशीनरी को चलाने वाले बल प्रवाह और प्रेरित प्रवाह पेशे तेल ईंधन अन्तरण पंप, तेल ईंधन एकक पंप और अन्य समस्तुल्य ईंधन पंप उन जगहों, जिनमें ऐसी मशीनरी या पंप स्थित हैं, के बाहर दूर स्थित नियंत्रणों के साथ लगाये जाएंगे। ऐसे नियंत्रण उक्त जगहों में भाग लगने की दशा में ऐसी मशीनरी या पंपों को बन्द कर सकने में समर्थ होंगे।

(3) (क) हर पोत में, हर पाइप में जो किसी तेल ईंधन संग्रह सेंटिंग या दैनिक सेवा टंकी जो बोहरी तखोकी टंकी नहीं है, से जुड़ा हो, जो यदि अतिग्रस्त हो जाये तो अपनी अन्तैयस्तु का विसर्जन कर देगा जिससे अग्नि दुर्घटना हो सकती है, वाल्व या टोटी लगाई जायेगी जो उस टंकी से, जिससे यह जुड़ा है सुरक्षा से आबद्ध होगा और उस जगह के बाहर जिसमें टंकी स्थित है, शीघ्रता से पहुँचने योग्य स्थिति से बन्द किये जाने में समर्थ होगा।

परन्तु यदि ऐसी टंकी में कोई प्रवेश पाइप लगा हुआ हो तो उस उपनियम में अपेक्षित वाल्व या टोटी के लिये टंकी से उसी तरह सुरक्षा से आबद्ध एक, एक तरफा वाल्व प्रतिस्थापित किया जा सकता है।

(ख) किसी तेल ईंधन की गहरी टंकी से संबद्ध किसी शाफ्ट या पाइप सुरंग द्वारा अनुप्रस्थित ऐसे पाइप में, खड (क) की अपेक्षाओं के अधीन टंकी में लगाये जाने वाले वाल्व के अतिरिक्त सुरंग या सुरंगी के बाहर पाइप लाइन या लाइनों में, भाग लगने की दशा में नियंत्रण किये जाने की सुनिश्चित करने के लिये एक या अधिक वाल्व लगाये जा सकेंगे।

31. स्थीरा पोत सन्निर्माण प्रमाण पत्र या स्थीरा पोत सुरक्षा सन्निर्माण प्रमाण पत्र दिये जाने से पूर्व पोतों का सर्वेक्षण :

(1) हर पोत का स्वामी इन नियमों के अधीन, यथास्थिति, स्थीरा पोत सन्निर्माण प्रमाण पत्र या स्थीरा सुरक्षा सन्निर्माण प्रमाण पत्र दिये जाने के प्रयोजन के लिये अपने पोत का सर्वेक्षक द्वारा सर्वेक्षण कराएगा।

(2) ऐसे सर्वेक्षण के लिये स्वामी, मास्टर या अधिकर्ता द्वारा अनुसूची 1 में इस निमित्त विहित समुचित प्ररूप में आवेदन दिया जायेगा और प्लान, डिजाइन और ऐसा अन्य डाटा और जानकारी जैसी प्रधान अधिकारी अपेक्षा करे, के साथ दिया जायेगा।

(3) सर्वेक्षण के लिये आवेदन संबंधित जिले के प्रधान अधिकारी या ऐसे अन्य अधिकारी या अधिकारियों को जिन्हें केन्द्रीय सरकार इस निमित्त शासकीय राजपत्र की अधिसूचना द्वारा नियुक्त करे, किसी कार्य दिवस को कार्यालय समय के दौरान उस समय से 72 घंटे पूर्व जिस समय सर्वेक्षण प्रारंभ किये जाने की वाछा करना है, दिया जायेगा।

(4) इन नियमों के अधीन सर्वेक्षण के लिये फीस अनुसूचित 2 में इस निमित्त विनिर्दिष्ट समुचित दरों पर उद्गृहीत की जायेगी और कोई भी आवेदन, जब तक इसके साथ समुचित फीस न हो, ग्रहण नहीं किया जायेगा।

(5) सर्वेक्षण के लिए आवेदन और सर्वेक्षण फीस प्राप्त हो जाने पर प्राप्त करने वाला अधिकारी आवेदक को, इस प्रकार संवत्त-फीस की शासकीय रसीद और एक सूचना कि आवेदन प्राप्त हो गया है, देगा।

(6) सर्वेक्षण, कलकत्ता, मुंबई मद्रास, विशाखापटनम्, कोचीन, मोर-मुगावों, बेदीबन्दर पतनों और ऐसे पतनों और स्थानों जिन्हें केन्द्रीय सरकार शासकीय राजपत्र में जारी की गई अधिसूचना द्वारा भारत में सर्वेक्षण के स्थानों के रूप में नियत करें, पर किया जायेगा।

परन्तु प्रधान अधिकारी, यदि आवेदक ऐसी वांछा करे और परिस्थितियाँ ऐसी अनुमति दें, आवेदक के लिखित रूप में केन्द्रीय सरकार को इस निमित्त सुसंगत नियमों और विनियमों के अधीन सर्वेक्षक के ग्राह्य याता कर भत्ते और दैनिक भत्ते पर किए गए खर्च की प्रतिमूर्ति करने के लिये सहमत हो जाने पर किसी अन्य पतन या स्थान पर सर्वेक्षण की व्यवस्था कर सकता है।

(7) आवेदन प्राप्त हो जाने पर, प्रधान अधिकारी पोत का किसी भी कार्य दिवस को 7 बजे सुबह और 5 बजे शाम के बीच किसी सर्वेक्षक द्वारा सर्वेक्षण कराएगा।

परन्तु यदि आवेदक यह वांछा करता है और परिस्थितियाँ अनुमति देती हैं तो प्रधान अधिकारी कार्य दिवस से भिन्न दूसरे दिन को उपनियम (4) के अधीन संदेय फीस के अनतिरिक्त ऐसे दिनों सर्वेक्षक के प्रति परिदर्शन के लिए 200/- रुपये की दर से अतिरिक्त फीस संदाय करने पर सर्वेक्षण कराने की व्यवस्था कर सकेगा।

(8) यदि आवेदन में उल्लिखित आशयित सर्वेक्षण के लिये दिन और समय पर सर्वेक्षक को सर्वेक्षण करने में समर्थ बनाने वाली अपेक्षित सैयारियाँ नहीं की गई हैं या यदि सर्वेक्षक ऐसे दिन और ऐसे समय पर अपरिहार्यतः निरुद्ध किया गया है या सर्वेक्षण करने से अन्यथा निवारित किया है तो पोत के सर्वेक्षण के लिये कोई अन्य दिन और समय जो सर्वेक्षक और आवेदक दोनों को सुविधाजनक हो नियत किया जा सकता है।

(9) उस कालावधि की ध्यान में रखते हुए जिसके लिए स्थौरा पोत सन्निर्माण प्रमाण पत्र या स्थौरा पोत सुरक्षा सन्निर्माण प्रमाण पत्र दिया जाता है सर्वेक्षक पोत का सर्वेक्षण करेगा और अपना यह समाधान करेगा कि संरचना, बायलर्स और अन्य दाब बहिष्काओं और उनके साज-समान, घरेलू बायलर्स से भिन्न जिनका तापन तब 4.65 वर्गमीटर या कम है या कार्यकारी दाब 3.52 किलोग्राम प्रति वर्ग सेंटीमीटर या कम है, और अन्य घरेलू दाब बाहिष्काओं जिनका ऐसा कार्यकारी दाब है, की व्यवस्था, सामग्री और घाटक माप मुख्य और सहायक मशीनरी, विद्युत संस्थान और अन्य उपस्कर इन नियमों की अपेक्षाओं के अनुसार है और उस सेवा के लिए, जिसके लिए पोत आशयित है, सब बातों में सन्तोषप्रव है।

(10) सर्वेक्षक यदि सर्वेक्षण पर उसका समाधान हो जाये कि वह उचित तौर पर ऐसा कर सकता है तो वह इन नियमों की अनुसूची I में विहित समुचित प्रारूप में सर्वेक्षक की एक रिपोर्ट प्रधान अधिकारी को अप्रेषित करेगा।

(11) प्रधान अधिकारी, यदि उसका सर्वेक्षण की रिपोर्ट की संवीक्षा करने पर समाधान हो जाता है कि वह उचित तौर पर ऐसा

कर सकता है तो वह पोत की बाबत यथास्थिति, स्थौरा पोत सन्निर्माण प्रमाण पत्र या स्थौरा पोत सुरक्षा सन्निर्माण प्रमाण पत्र दे देगा।

32. अन्त कालीन सर्वेक्षण:

(क) हर पोत जिसकी बाबत स्थौरा पोत सन्निर्माण प्रमाण पत्र या स्थौरा पोत सुरक्षा सन्निर्माण प्रमाण पत्र दिया जा चुका है, का स्वामी जब तक कि उक्त प्रमाण पत्र प्रवृत्त रहता है, पोत का सर्वेक्षण, उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट रीति और अन्तरालों पर, वह अभिनिश्चित करने के प्रयोजन के लिए कि पोत, यथास्थिति, स्थौरा पोत सन्निर्माण प्रमाण पत्र या स्थौरा पोत सुरक्षा सन्निर्माण प्रमाण पत्र प्रवृत्त रहने की सभी अपेक्षाओं का अनुपालन करता है, कराएगा और यदि पोत इस प्रकार सर्वेक्षित नहीं होता तो प्रधान अधिकारी प्रमाण पत्र रद्द कर सकता है।

(2) उपनियम (1) के अधीन किया जाने वाला सर्वेक्षण निम्न प्रकार से होगा :-

(क) खोखू और पोत की बगल बंधनों का परीक्षण सूखे ढाक में दो वर्ष से अधिक अन्तराल पर किया जाएगा और पोत की बगल बंधन चार वर्ष से अधिक अन्तराल पर पूरी तरह से परीक्षित की जायेगी ;

परन्तु जहाँ प्रधान अधिकारी का किसी पोत के बाबत समाधान हो जाता है कि इस कालावधि या विस्तारण न्यायसंगत है तो वह स्वामी के आवेदन पर दो सर्वेक्षणों के बीच की कालावधि को ऐसी कालावधि के लिए जैसा वह आवश्यक समझे विस्तारित कर सकता है लेकिन विस्तारण की ऐसी कालावधि 12 महीनों से अधिक नहीं होगी।

(ख) सब बायलरों का जिनमें उन घरेलू बायलरों जिनका तापन तब 4.65 वर्गमीटर या कम है और कार्यकारी दाब 3.52 किलोग्राम प्रति वर्ग से० मीटर या कम है से भिन्न, रोचम सैस या वाष्पीय तापन बाष्प जनित, मितीयोजक और घरेलू बायलर सम्मिलित है, जब वे छोट वष पुराने हों, दो वर्ष से अधिक अन्तराल पर अन्दर और बाहर से परीक्षण किया जायेगा और इसके पश्चात् प्रतिवर्ष :

परन्तु जहाँ प्रधान अधिकारी का किसी पोत के बाबत समाधान हो जाता है कि इस कालावधि का विस्तारण न्यायसंगत है, तो वह स्वामी के आवेदन पर दो सर्वेक्षणों के बीच की कालावधि को ऐसी कालावधि के लिए, लेकिन 6 महीनों से अधिक नहीं, जैसा वह आवश्यक समझे विस्तारित कर सकता है।

(ग) स्क्रू शाफ्टें या द्यूब शाफ्टें, सतत लाइनर सहित या तेल में जाने वाली, बाहर निकाली जायेगी और 3 वर्ष से अधिक अन्तराल पर सर्वेक्षित की जायेगी और दो वर्ष दूसरी स्क्रू और द्यूब शाफ्टें बाहर निकाली जाएंगी और 2 वर्ष से अधिक अन्तराल पर सर्वेक्षण की जाएंगी :

परन्तु सिंगल स्क्रू पोत की दशा में जहाँ शाफ्टों में लाइनर या अनुमोदित तेल ग्लैड हैं या अनुमोदित संक्षारण प्रतिरोधी सामग्री से बने हैं, यदि प्रधान अधिकारी का समाधान हो जाये कि —

(1) प्रत्येक सर्वेक्षण पर शाफ्टें निकाली जाती हैं और एक प्रभावशाली वरार परीक्षण रीति द्वारा परीक्षित की जाती हैं, और

(2) चाबी-खांचे का डिजाइन ऐसा है जो विस्तारण की कालावधि को न्यायसंगत ठहराता है, तो वो सर्वेक्षणों के बीच का अन्तराल 12 महीने की कालावधि से अर्न्तर्गत के लिये विस्तारित किया जा सकता है।

(3) इन नियमों के अधीन पोत के सर्वेक्षण के लिए आवेदन. इन नियमों की अनुसूची में विहित समुचित प्रारूप में प्रधान अधिकारी को जिसके द्वारा यथा स्थिति स्थौरा पोत सन्निर्माण प्रमाण पत्र या स्थौरा पोत सुरक्षा सन्निर्माण प्रमाण पत्र दिया गया था, दिया जायेगा।

परन्तु जहाँ यथास्थिति, स्थौरा पोत सन्निर्माण प्रमाण पत्र या स्थौरा पोत सुरक्षा सन्निर्माण प्रमाण पत्र धारण करता है, भारत से बाहर दिया गया था तो वहाँ आवेदन किसी भी जल परिवहन जिले के प्रधान अधिकारी को दिया जा सकता है।

(4) प्रधान अधिकारी आवेदन प्राप्त करने और इन नियमों की अनुसूची 2 में इस निमित्त विहित समुचित दर पर आवेदक द्वारा फीम संदस्य करने पर सर्वेक्षक द्वारा पोत का सर्वेक्षण कराएगा।

(5) सर्वेक्षक पोत का सर्वेक्षण अपना समाधान करने की दृष्टि से करेगा —

(क) कि उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट पोत के ऐसे भाग और हमके उपस्कर जो सर्वेक्षण के लिये आवेदन के अध्वधीन है यावत्ताध्य प्रभावशाली रहेंगे, और

(ख) कि उपापोत के जिससे, यथा स्थिति, स्थौरा पोत सन्निर्माण प्रमाण पत्र या स्थौरा पोत सुरक्षा सन्निर्माण प्रमाण पत्र संबंधित है, खोखू मशीनरी या उपस्कर में कोई तात्त्विक परिवर्तन मुख्य अधिकारी के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किये गये हैं।

(6) उपनियम (5) की अपेक्षा अनुसार सर्वेक्षण के पूरा हो जाने पर सर्वेक्षक, प्रधान अधिकारी को इन नियमों की अनुसूची 1 में इस निमित्त विहित समुचित प्रारूप में पोत के सर्वेक्षण की रिपोर्टें अर्पित करेगा।

(7) मुख्य अधिकारी का यदि सर्वेक्षण की रिपोर्ट की संवीक्षा करने पर समाधान हो जाता है कि उचित तौर पर ऐसा कर सकता है तो वह, यथास्थिति, स्थौरा पोत सन्निर्माण प्रमाणपत्र या स्थौरा पोत सुरक्षा सन्निर्माण प्रमाणपत्र को, जैसा वह उचित समझे, प्रवृत्त रहने की मंजूरी दे सकता है या इसको रद्द कर सकता है।

अनुसूची 1

[नियम 31(2), 31(10), 32(3) और 32(6) देखिये]

राष्ट्रीय निर्देश संख्या

शुद्ध

स्थौरा पोत सन्निर्माण प्रमाण पत्र/स्थौरा पोत सुरक्षा सन्निर्माण प्रमाणपत्र को मंजूर करने या नवीकरण के लिये सर्वेक्षण या अन्तः-कालीन सर्वेक्षण के लिये आवेदन। (वित्त से बचने के लिये मुंबई, कलकत्ता, मद्रास, विशाखापट्टणम या कोचीन पर सर्वेक्षण

या निरीक्षण के लिये 72 घंटे से अत्युत्त की सूचना दी जानी चाहिये। अन्य पसतों के लिये जितनी अधिक सभ्य हो उतनी सूचना दी जानी चाहिए)।

महोदय,

मैं इसके पीछे वर्णित सर्वेक्षण के लिये आवेदन करता हूँ। मैं एतद्-द्वारा..... रु०..... से सर्वेक्षण फीम अर्पित करता हूँ और खर्च और अतिशेष फीम जो इन विषय से संबंधित उचित तौर पर प्रभाष्य हो संदत्त करने के लिये सहमत हूँ।

तारीख..... हस्ताक्षर

पूरा पता..... पदाभिदान

सेवा मे

प्रधान अधिकारी.....

जल परिवहन विभाग,

जिला.....

(जल परिवहन कार्यालय में भरा जाना चाहिए)

..... रुपये की फीम सम्यक् रूप से प्राप्त हो गई है और रसीद संख्या..... दे दी है।

निम्नलिखित सर्वेक्षक/सर्वेक्षकों को आवश्यक कार्यवाही के लिये दे दिया गया।

तारीख.....

देख लिया

प्रधान अधिकारी

तारीख..... जिला

सर्वेक्षक

पोत की विशेषियाँ

पोत का नाम	रजिस्ट्री पत्तन	शामकीय संस्था	वाष्प मोटर या पाव	पूजी-कृत नंवाई	वर्गीकरण यदि कोई सफल है	टनभार रजिस्टर
------------	-----------------	---------------	-------------------	----------------	-------------------------	---------------

खोखू कब और कहां बनाया गया —सामग्री

हॉजिन कब और किसके द्वारा बनाये गये

बायलर कब और किसे द्वारा बनाये गये

आशयित जलयात्रा या सेवा

चावलन की प्रस्थापित तारीख

वाव

आई० एच० पी०/

एन० एच० पी०/

बी० एच० पी०

संक्षिप्त विशेषियाँ

पोत के स्वामियों का अधिकतमों के नाम और पता

सामूहिक इंजीनियर अधीक्षक या अधि-
कर्ता, जो सर्वेक्षण की व्यवस्था करने के
लिये उत्तरदायी है, का नाम और
टेलीफोन संख्या

गत स्थीरा पोत मस्त्रिमणि प्रमाण पत्र
स्थीरा पोत सुरक्षा मस्त्रिमणि प्रमाण
पत्र के ध्येरे और अद्यमान की तारीख

अब अपेक्षित सर्वेक्षण निरीक्षण की
प्रकृति

पोत की उसके गत सर्वेक्षण (यदि कोई
है) से पुष्टटनाओं के ध्येरे

स्थान जहां और तारीख और समय जब
पोत सर्वेक्षण के लिये तैयार होगा

कोई विशेष टिप्पणी

[नियम 31(4) और 32(4) देखिए]

स्थीरा पोत मस्त्रिमणि प्रमाण पत्र या स्थीरा पोत सुरक्षा मस्त्रिमणि
प्रमाणपत्र दिये जाने या नवीकरण के प्रयोजन के लिये संचालित
सर्वेक्षण और भागत: निरीक्षण के लिये संचालित अन्तःकालीन सर्वेक्षण
के लिये संवेय फीमो की सारणी :

पोत का सकल टन भार	स्थीरा पोत संश्रि- मणि प्रमाणपत्र/ स्थीरा पोत सुरक्षा मस्त्रिमणि प्रमाण पत्र दिये जाने से पूर्व सर्वेक्षण के लिये संवेय फीम	स्थीरा पोत संश्रि- मणि प्रमाणपत्र/ स्थीरा पोत सुरक्षा मस्त्रिमणि प्रमाण- पत्र के नवीकरण से पूर्व सर्वेक्षण के लिये संवेय फीम	स्थीरा पोत संश्रि- मणि प्रमाणपत्र/ स्थीरा पोत सुरक्षा मस्त्रिमणि प्रमाण की विधि मान्यता की कालावधि के दौरान किसी अन्तः कालीन सर्वेक्षण के लिये संवेय फीम
1	2	3	4
500 टन और अधिक किन्तु 1000 टन से कम	5000/- रुपये	1200/- रुपये	300/- रुपये
1000 टन और अधिक किन्तु 5000 टन से कम	प्रथम 1000 टन के लिये 5000/- रुपये तथा प्रत्येक 100 टन अधिक या उसके भाग के लिये 250 रुपये	प्रथम 1000 टन के लिये 1200/ रुपये तथा प्रत्येक 100 टन अधिक या उसके भाग के लिये 45 रुपये	प्रथम 1000 टन के लिये 300 रुपये तथा प्रत्येक 100 टन अधिक या उसके भाग के लिये 10 रुपये
5000 टन और अधिक किन्तु 10000 टन से कम	प्रथम सकल 5000 टन के लिये 15000 रु० तथा प्रत्येक 100 टन अधिक या उसके भाग के लिये 200 रुपये	प्रथम सकल 5000 टन के लिये 3000 रु० तथा प्रत्येक 100 टन अधिक या उसके भाग के लिये 30 रुपये	प्रथम सकल 5000 टन के लिये 700 रु० तथा प्रत्येक 100 टन अधिक या उसके भाग के लिये रुपये

1	2	3	4
10000 टन	प्रथम सकल	प्रथम सकल	प्रथम सकल
और अधिक किन्तु 15000 टन से कम	10000 टन के लिये 25000 रु० तथा प्रत्येक 100 टन अधिक या उसके भाग के लिये 150 रु०। रुपये।	10000 के लिये 4500 रु० तथा प्रत्येक 100 टन अधिक या उसके भाग के लिये 20 रुपये।	10000 टन के लिये 1100 रु० तथा प्रत्येक 100 टन अधिक या उसके भाग के लिये 5 रु०।
15000 और अधिक	प्रथम सकल 15000 टन के लिये 32500 रुपये तथा प्रत्येक 100 टन अधिक या उसके भाग के लिये 100 रुपये।	प्रथम सकल 15000 टन के लिये 5500 रुपये तथा प्रत्येक 100 टन अधिक या उसके भाग के लिये 15 रुपये।	प्रथम सकल 15000 टन के लिये 1350 रुपये तथा प्रत्येक 100 टन अधिक या उसके भाग के लिये 4 रुपये।

टिप्पणी: (1) जहां सर्वेक्षक यथास्थिति स्थीरा पोत सुरक्षा मस्त्रिमणि
प्रमाण पत्र या स्थीरा पोत मस्त्रिमणि प्रमाण पत्र के नवीन-
करण से पूर्व सर्वेक्षण या अन्तःकालीन सर्वेक्षण निष्पादित
करता है और ऐसा सर्वेक्षण एक संक्रिया से पूरा नहीं होता
किन्तु दो या अधिक आंशिक सर्वेक्षण में पूरा होता है तो
ऐसे सर्वेक्षण के लिये संवेय फीम यथा स्थिति इसमें इसके
पूर्व उपवर्णित सारणी के स्तंभ (3) के स्तंभ (4) अनुसार
समुचित फीम और साथ ही सर्वेक्षक के प्रत्येक अतिरिक्त
परिदर्शन के लिये 600 रुपये होगी।

(2) जहां पोत के स्वामी या मास्टर की अभिव्यक्त प्रार्थना पर
सर्वेक्षक शाम 5 बजे के पश्चात् निरुद्ध किया जाता है,
यदि सर्वेक्षक शाम 7 बजे पूर्व छोड़ दिया जाता है तो 75
रुपये फीम और यदि सर्वेक्षण शाम 7 बजे के बाद किसी
समय छोड़ दिया जाता है तो 100 रुपये अतिरिक्त फीम
संवेय करनी होगी।

(3) जहां सर्वेक्षक ने वर्गीकरण के प्रयोजन के लिये सर्वेक्षण,
स्थीरा पोत सुरक्षा मस्त्रिमणि प्रमाणपत्र दिये जाने या नवीन-
करण के पूर्व सर्वेक्षण या इन नियमों के अधीन अपेक्षित
अन्तःकालीन सर्वेक्षण साथ-साथ निष्पादित किया हो वहां
इसमें इसके पूर्व इस अनुसूची में उपवर्णित फीमों की सारणी
के अनुसार फीम संवेय नहीं होगी।

[सं० 30-एम०डी०(4)/67-एम०एल०]

ब० क० साहू, अवर सचिव

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

(Works Division)

New Delhi, the 2nd November, 1972.

G.S.R.1607.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Central Public Works Department (Subordinate Offices) Stenographers (Ordinary Grade) Recruitment Rules, 1972, namely :—

1. **Short title and Commencement** :—(1) These rules may be called the Central Public Works Department (Subordinate Offices) Stenographers (Ordinary Grade) Recruitment Amendment rules, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Amendment of the Schedule** :—In the Central Public Works Department (Subordinate Offices) Stenographers (Ordinary Grade) Recruitment Rules, 1972, in the Schedule, under Column 6, for the existing entry, the entry "18-25 years" shall be substituted.

[No. 39/2/71-MSI]

S. N. BANERJI, Dpty Secy.

निर्माण और आवास मंत्रालय

(निर्माण प्रभाग)

नई दिल्ली, तारीख 2 नवम्बर, 1972

सा० का० नि० 1607.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (अधीनस्थ कार्यालय) आशुलिपिक (सामान्य ग्रेड) भर्ती नियम, 1972 में संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ

(1) इन नियमों का मना केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (अधीनस्थ कार्यालय) आशुलिपिक (सामान्य ग्रेड) भर्ती संशोधन नियम 1972 है,

(2) ये नियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. अनुसूची का संशोधन

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (अधीनस्थ कार्यालय) आशुलिपिक (सामान्य ग्रेड) भर्ती नियम, 1972 की अनुसूची में, स्तम्भ 6 के अधीन विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर, "18-25 वर्ष" प्रविष्टि रखी जाएगी।

[स० 39/2/71/एम एम II]

एम० एन० बनर्जी, उप सचिव

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

Department of Labour and Employment

New Delhi, the 15th November, 1972

G.S.R.1608.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules, further to amend the Coal Mines Labour Housing and General Welfare Fund (Recruitment to certain posts) Rules, 1959, namely :—

20G of 1/72—7

1. (1) These rules may be called the Coal Mines Labour Housing and General Welfare Fund (Recruitment to certain posts) Amendment Rules 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. To rule 2 of the Coal Mines Labour Housing and General Welfare Fund (Recruitment to certain posts) Rules, 1959 (hereinafter referred to as the said rules), the following proviso shall be added, namely :—

"Provided that the upper age limit prescribed for direct recruits may be relaxed in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time".

3. For rule 3 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely :—

"3. **Disqualification**—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any of the said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule".

4. After rule 4 of the said rules, the following rules shall be inserted, namely :—

"5. **Power to relax** :—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

6. **Saving**—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided to candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard".

5. In the Schedule to the said rules, after serial number 20 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be inserted, namely :—

DIRECTOR (FINANCE AND ACCOUNTS)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
21. Director One (Finance and Accounts)	General Central Service Class I (Gazetted) (Non-Ministerial)	Rs. 1100-50-1400	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation.	Transfer on deputation : Suitable Officers belonging to Indian Audit and Accounts Service, Indian Railway Accounts Service, Indian Defence Accounts Service or Indian Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service, Class I.	Not applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958."
										(Period of deputation—ordinarily not exceeding 4 years).		

[A-12018/3/70-MII]

भ्रम और पुर्नवास संभालय

भ्रम और रोजगार विभाग

नई दिल्ली, 15 नवम्बर, 1972

सा० का० नि० 1608.— राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परम्पुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कोयला खान भ्रम आवास और साधारण कल्याण निधि (कतिपय पदों पर भर्ती) नियम 1959 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एतद्द्वारा बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का नाम कोयला खान भ्रम आवास और साधारण कल्याण निधि (कतिपय पदों पर भर्ती) संशोधन नियम, 1972 होगा।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. कोयला खान भ्रम आवास और साधारण कल्याण निधि (कतिपय पदों पर भर्ती) नियम, 1959, जिसे इसमें प्राये उक्त नियम कहा गया है, के नियम 2 में निम्नलिखित परम्पुक जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

“परन्तु सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों की बाबत अधिकतम आयु सीमा केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार, किसी भी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के संबंध में शिथिल की जा सकेगी।”

3. उक्त नियमों के नियम 3 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“3. निरहता—वह व्यक्ति,—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवन होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पदों में से किसी पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाय कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुश्रेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छुट दे सकेगी।

4. उक्त नियमों के नियम 4 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—

“5. शिथिल करने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हो उन्हें लिपिबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किस उपबन्ध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

“60 व्याक्ति:—इन नियमों की कोई भी बात उन आरक्षणों और अन्य ग्यायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।”

5. उक्त नियमों की अनुसूचि में क्रम संख्या 20 और उससे सम्बद्ध प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम सं० और प्रविष्टियाँ अन्तःस्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—

निदेशक (बिल और लेखा)

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)
“21. निदेशक (बिल एक और लेखा)	साधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग I, (राज- पत्रित) (अननु- सन्धीय)	1100- 50- 1400 ५०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थाना- न्तरण द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर अस्था- नान्तरण	लागू नहीं होता	जैसा कि संघ लोक सेवा आयोग (पर मर्ग से छूट) विनियम, 1958 के अधीन अपेक्षित है।	
									भारतीय संप- रीक्षा और लेखा सेवा, भारतीय रक्षा लेखा सेवा या भारतीय डाक तार लेखा और बिल सेवा, वर्ग-I के उप- युक्त अधि- कारी (प्रति- नियुक्ति की अवधि सामा- न्यतः 4 वर्ष से अधिक नहीं होगी)			

[ए-12018/3/7-एम ii]

The 13 December, 1972

G.S.R.1609.—The following draft of certain rules further to amend the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 10 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Act, 1947, (32 of 1947) is published as required by sub-section (1) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of forty days from the publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. (1) These Rules may be called the Coal Mines Labour Welfare Fund (Second Amendment) Rules, 1972.

(2) They shall be deemed to have come into force on 25th August, 1972.

2. In rule 3, in sub-rule (1), in clause (a), for the existing entry (i), the following entry shall be substituted, namely:—

“(i) the Secretary, Additional Secretary or Joint Secretary to the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation or any other officer of that Ministry, who may be appointed as the Chairman by the Central Government;”

[S-66012/1/72-M. II]

P. R. NAYAR, Under Secy.

दिनांक 13 दिसम्बर, 1972

प्राकृत नियम

सा० का० सि० 1609.—कोयला खान श्रम कल्याण निधि नियम 1949 में और गंभीर करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, कोयला खान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1947 (1947 का 32) की धारा 10 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना कर्त्ता है, उक्त धारा की उपधारा (I) द्वारा यथा अपेक्षित उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिन का उससे प्रभावित होना संभाव्य है, प्रकाशित किया जाता और एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर राजपत्र में इस अधि-सूचना के प्रकाशन से चालीस दिन की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप के बारे में किसी व्यक्ति में इस प्रकार विनिश्चित अवधि के अवगत से पूर्व प्राप्त आक्षेपों या सुझावों पर केन्द्रीय सरकार, द्वारा विचार किया जाएगा।

1- (1) इन नियमों का नाम कोयला खान श्रम कल्याण निधि (द्वितीय संशोधन) नियम, 1972 है।

(2) ये 25 अगस्त, 1972 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2- नियम 3 में उप-नियम (1) के खंड (क) में, विद्यमान प्राविष्टि (i) के स्थान पर निम्नलिखित प्राविष्टि रखी जाये अर्थात्—

“(i) भारत सरकार के श्रम और पुनर्वासि मंत्रालय के सचिव अथवा सचिव या संयुक्त सचिव या मंत्रालय का कोई उक्त अन्य अधिकारी, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा अक्षय नियुक्त किया जा सके;”।

[सं० एस० 66012/1/72-एस० II]

पी० आर० नैयर, अवर सचिव।